राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, मंगलवार 18 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 92 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची में ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार महिला

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में युवक की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बलियापुर थाना क्षेत्र में बीबीएम कॉलेज के पास एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक बिपुल कुमार महतो की मौत हो गई। वह निरसा के डुमरिया आखबेड़िया निवासी था। घटना के बाद पुलिस ने घायल युवक को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जंगली हाथियों ने दो महिलाओं को मार डाला

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर बड़की पुणे गांव में हाथियों के झुंड ने दो महिलाओं को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। मृतका की पहचान 50 वर्षीय भानु देवी और 55 वर्षीय सबिना खातून के रूप में हुई है। यह घटना तब हुई जब भानु देवी खेत में काम कर रही थी। हाथियों का झुंड अचानक गांव में घुस गया जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड पहली बार बड़की पौना के मंदिर के पास तक पहुंचा था।

जेल में बंद कैदी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। मंडल कारा में बंद विचाराधीन कैदी मंटू गंझू उर्फ दिलेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद जेल प्रशासन ने इसे आत्महत्या बताया है जबकि मृतक के परिजनों ने जेल अधीक्षक, कक्षपाल और अन्य जेल कर्मियों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र का रहने वाला था। करीब दो साल से आर्म्स एक्ट के मामले में चतरा जेल में बंद था।

ब्राउन शुगर के साथ महिला गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने जुमार पुल बस स्टैंड के पास से एक महिला को गिरफ्तार किया है इस दौरान पुलिस ने महिला के पास से 89132 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल फोन और 20 हजार रुपये नकद बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद ब्राउन शुगर की कीमत करीब 5 लाख रुपए है। पूछताछ में महिला ने अपनी पहचान जतराटांड स्थित कोकर बाजार के देवी मंडप के पास निवासी बाबला राम की पत्नी मुन्नी देवी के रूप में बतायी है।

केंदुआ में भू-धंसान से बना 13 मीटर गहरा गोफ

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। पीबी एरिया के केंदुआडीह कोलियरी अंतर्गत राजपूत बस्ती में सोमवार को अचानक तेज आवाज के साथ भू-धसान की घटना हुई। लाल बहादुर सिंह के मकान के पास स्थित बागान में करीब तीन फीट चौड़ा और 13 मीटर से अधिक गहरा गोलाकार गोफ बन गया। गोफ से जहरीली गैस का रिसाव होने की बात सामने आने के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। जानकारी मिलते ही केंदुआडीह कोलियरी प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को गोफ के आसपास नहीं जाने की सलाह दी।

पैसे लेने के आरोप में जेपीएससी की पूर्व सदस्य का पीए गिरफ्तार

तीन दिनों तक पूछताछ करने के बाद सीआइडी ने एल खियांगते को भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जेपीएससी की विभिन्न परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच कर रही सीआईडी ने सोमवार को जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य की पत्नी व जेपीएससी की पूर्व सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के पीए रहे ब्रज कुमार राम को गिरफ्तार कर लिया है। ब्रज कुमार पर जेपीएससी के अभ्यर्थियों से पैसे लेने का आरोप है। आरोप यह भी है कि ब्रज कुमार राम जेपीएससी सदस्य के लिए अभ्यर्थियों से पैसे लेता था और कैंडिडेट भी ढूंढता था। इस संबंध में सीआईडी को टीडीपीएल के मार्केटिंग मैनेजर रहे अभय तिवारी तथा अन्य आरोपियों ने जानकारी दी है। उनके स्वीकारोक्ति बयान में सदस्यों पर पैसे लेकर इंटरव्यू में अधिक नंबर देने की बात कही गयी है। बताया गया है कि इस मामले में जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांगते, सभी सदस्यों, परीक्षा संचालन करने वाली कंपनी टीडीपीएल के अधिकारियों समेत अन्य लोगों की

सांठ-गांठ थी। सभी मिलकर गलत तरीके से अयोग्य लोगों से पैसे लेकर उन्हें जेपीएससी की परीक्षाओं में सफल कराते थे। आरोपियों के स्वीकारोक्ति बयान में जेपीएससी के कुछ सदस्यों पर पैसे लेकर अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में अधिक अंक देने के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी इस पूरे मामले में पूर्व अध्यक्ष एल खियांगते, आयोग के सदस्यों, परीक्षा संचालन करने वाली कंपनी टीडीपीएल के अधिकारियों और अन्य संदिग्धों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। सीआईडी को आशंका है कि कथित साजिश के तहत अयोग्य अभ्यर्थियों से पैसे लेकर उन्हें परीक्षा प्रक्रिया में लाभ पहुंचाया गया। अब जांच एजेंसी गिरफ्तार ब्रज कुमार राम से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और पैसों के लेनदेन से जुड़े तथ्यों को खंगाल रही है। इधर झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने सोमवार को पूर्व अध्यक्ष एल खियांगते से तीन दिनों तक पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सीआईडी ने तीन दिन पहले उन्हें रिमांड पर लिया था। पूछताछ के दौरान खियांगते ने परीक्षा संचालन के लिए टीडीपीएल कंपनी की इंट्री से जुड़ी जानकारी जांच अधिकारियों को दी। हालांकि, उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि कई महत्वपूर्ण मामलों की जानकारी उन्हें नहीं थी। उनका कहना था कि टीडीपीएल को जेएसएससी में ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया था बल्कि उसे डी-इंपैनल किया गया था। उन्होंने जेपीएससी सदस्यों और अभय तिवारी की ओर से लगाए गए आरोपों को भी बेबुनियाद बताया।

टीएसपीसी का एरिया कमांडर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी के एरिया कमांडर लक्ष्मण गंझू उर्फ मोछु को गिरफ्तार किया है। उस पर इसी साल अफीम विनष्टीकरण अभियान से लौट रहे पुलिस जवानों पर हमला करने का आरोप है। इस हमले में दो जवान शहीद हो गए थे। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है क्योंकि लक्ष्मण गंझू लंबे समय से फरार था। उस पर दो पुलिसकर्मियों की शहादत का मुख्य आरोपी होने का आरोप है। चतरा पुलिस को खुफिया एजेंसियों से जानकारी मिली थी कि लक्ष्मण गंझू लावालौंग थाना क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव पारामातु में एक श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने आ रहा है। इस सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नक्सली कमांडर को धर दबोचा। चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गिरफ्तार लक्ष्मण गंझू 2012 से ही नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था लेकिन पुलिस की गिरफ्त में वह पहली बार आया है। उसके खिलाफ सदर और जोरी थाने में यूएपीए और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन धाराओं में कुल तीन मामले दर्ज हैं।

जेएसएससी कार्यालय में सीआइडी की छापेमारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नियुक्ति परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की जांच अब तेज हो गई है। सोमवार को क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआइडी) की टीम ने रांची स्थित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के कार्यालय में छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की जा रही है। पिछले 24 दिनों से भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। सीआइडी के अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक ने बताया कि विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के संबंध में जेएसएससी कार्यालय में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के संबंध में जेएसएससी कार्यालय में छापेमारी कर रहे हैं। झारखंड में विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन पिछले 24 दिनों से जारी है। प्रदर्शनकारी छात्र भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं की जांच और अपनी अन्य मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसी बीच जेएसएससी कार्यालय में सीआइडी की छापेमारी को जांच की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। सीआइडी की टीम छापेमारी के दौरान किन दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ ही और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

नितिन नवीन ने किया पार्टी की नई टीम का ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का एलान कर दिया। पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक नई टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है, जिससे संगठन में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है। वहीं बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), शिवप्रकाश एवं सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री (संगठन),

विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल हरीश द्विवेदी एवं संजय भाटिया को राष्ट्रीय महामंत्री जबकि कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, डॉ. संदीप पाठक, फांगनोन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, डॉ. स्वदेश सिंह, श्री मृगांका बरमन, रोहन गुप्ता एवं जय प्रकाश को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इसके अलावा पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं राजेश मंगल को राष्ट्रीय संयुक्त कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गयी है। वहीं अनिल बलूनी को मीडिया संयोजक जबकि आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को मीडिया सह संयोजक जबकि दीपक माश्के को सोशल मीडिया संयोजक तथा प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट एवं अरुण यादव को सोशल मीडिया सह संयोजक बनाया गया है। इसी प्रकार डॉ. हेमंत जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को एससी मोर्चा, डॉ. मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चा एवं कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। नई राष्ट्रीय टीम में महिला नेताओं की भी अच्छी भागीदारी दिखाई देती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। इस तरह पार्टी की नई संगठनात्मक टीम में कई महिला नेताओं को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जिम्मेदारियां मिली हैं। भाजपा की नई सूची में राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के नेताओं को शामिल किया गया है।

श्रावणी मेला 2026 : बाबा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। सावन की तीसरी सोमवारी के साथ नाग पंचमी के शुभ संयोग पर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। देश के कोने-कोने से पहुंचे कांवरिया और श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए अहले सुबह से ही कतार में खड़े हैं। मंदिर में भीड़ का आलम यह है कि पूरा बाबा धाम हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा है। सुबह 4:30 बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने भीतरी अरघा और बाहरी अरघा के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक शुरू किया। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। शहर के तमाम वरीय अधिकारी मंदिर परिसर में कैंप कर लगातार व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। तीसरी

सोमवारी को लेकर पहले से ही प्रशासन की ओर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई थी। वहीं आज सोमवारी, नाग पंचमी और संक्रांति के संयोग के कारण श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आज बाबा धाम में करीब पांच लाख श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंच सकते हैं। सुबह करीब 9 बजे तक लगभग एक लाख श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किए जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। बाबा मंदिर में मौजूद पंडा ने बताया कि आज का दिन धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस विशेष सोमवारी पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होने की मान्यता है। उन्होंने बताया कि बांग्ला पंचांग के अनुसार आज सोमवारी का विशेष संयोग है। इसके साथ ही संक्रांति और नाग पंचमी का भी शुभ संयोग बन रहा है। इसके अलावा आज बांग्ला साबुन का अंत भी हो रहा है। यही वजह है कि इस बार तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भीड़ अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मंदिर परिसर से लेकर कतार मार्ग और मेला क्षेत्र तक अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित तरीके से दर्शन और जलाभिषेक कराया जा सके। श्रद्धालुओं में बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

ट्रक ने कार और तीन बाइक को रौंदा, दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिला के पिठौरिया थाना क्षेत्र की बुचा घाटी में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार और तीन मोटरसाइकिलों को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए रिम्स भेजा गया है। इनमें कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक मोटरसाइकिल ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई और काफी दूरी तक सड़क पर घिसटती चली गई। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय अंकित कुमार एवं 58 वर्षीय गोपाल राम के रूप में हुई है। वहीं दुर्घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान एक बाइक ट्रक में फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए रिम्स भेजा जबकि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश पांडेय ने बताया कि घटनास्थल से ट्रक और तीनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है। हादसा ट्रक में किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ या फिर चालक की लापरवाही से, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ट्रक चालक की भूमिका की भी जांच कर रही है।

एमएमडीआर संशोधन बिल से झारखंड को नहीं होगा कोई नुकसान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर/हजारीबाग। लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 को लेकर झारखंड में सियासी बयानबाजी तेज है। झामुमो, कांग्रेस समेत अन्य पार्टियां केंद्र सरकार के इस विधेयक के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दे रही हैं तो वहीं भाजपा सांसदों का कहना है कि इस बिल से राज्य को कोई नुकसान नहीं होने वाला। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने विपक्षी सांसदों पर निशाना साधा है। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने सोमवार को पलामू में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 पर बहस होनी चाहिए थी लेकिन क्यों नही हुई, यह भी एक बहुत बड़ा मुद्दा है। लोकसभा में जब बिल पेश हो रहा था तो विपक्ष के सांसद चुप थे। खासकर के झारखंड के सांसदों को बोलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इसे केंद्र और राज्य के बीच विवाद के रूप में सिर्फ नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि देशहित सर्वोपरि होनी चाहिए। सांसद ने कहा कि खनिज का सिर्फ मालिक नहीं होना चाहिए बल्कि इसका लाभार्थी होना चाहिए। झारखंड में पिछले 11 वर्षों में 11 खनिज ब्लॉक की नीलामी हुई है लेकिन एक भी ब्लॉक शुरू नहीं हुआ है। ओडिशा में 79 ब्लॉक नीलाम हुए हैं जिसमें से 35 शुरू हो गया है। ओडिशा में 2020-21 से 2025-26 तक में 87 हजार करोड़ राजस्व प्राप्त हुआ है। सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि 2014-15 से 2025 26 के बीच

राज्यों के खनिज राजस्व में 354 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने एमएमडीआर विधेयक से झारखंड सरकार को लाभ लेने के लिए कई बिंदुओं पर सलाह दी। सांसद ने कहा कि नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों का समयबद्ध परिचालन किया जाए, नई खनिज ब्लॉकों को पारदर्शी और तेजी से नीलाम किया जाए। उन्होंने खनिज आधारित उद्योगों में निवेश आकर्षित करने, डीएमएफ फंड की लगभग 19 हजार करोड़ राशि का खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी। सांसद ने कहा कि खनिज संपदा का मूल्य पूरे देश मे एक समान रहे और आयात पर निर्भरता कम रहे, यही इस विधेयक का उद्देश्य है। झारखंड पूरे देश मे सबसे अधिक सेस लगाने वाला राज्य रहा है। यहां अवैध खनन भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर कहा कि इस विधेयक से राज्य को कोई नुकसान नहीं होने वाला है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलन की धमकी देकर रांची में चल रहे छात्रों के आंदोलन को कमजोर करना चाहते हैं। छात्रों के आंदोलन से डरी हुई राज्य की वर्तमान सरकार मुद्दे को दूसरी तरफ मोड़ना चाहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पूरे भारत में जीएसटी की एक कर लागू है। वैसे ही अब मिनरल्स रॉयल्टी पर राज्य सरकार कर नहीं लगा पाएगी, यह कर केंद्र की तरफ से तय किया जाएगा। जो सभी राज्यों में मान्य होगा एवं उसी के हिसाब से रॉयल्टी राज्य को दी जाएगी। भारत एक संघ प्रधान देश है और इस प्रकार की बयानबाजी राज्य के मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वर्तमान सरकार के द्वारा अफवाह फैलाया जा रहा है कि मंईयां सम्मान योजना के साथ-साथ कई विकास योजनाओं पर इसका प्रभाव पड़ेगा तो ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्र आंदोलन से डरकर मुद्दे को बदलने के लिए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं।

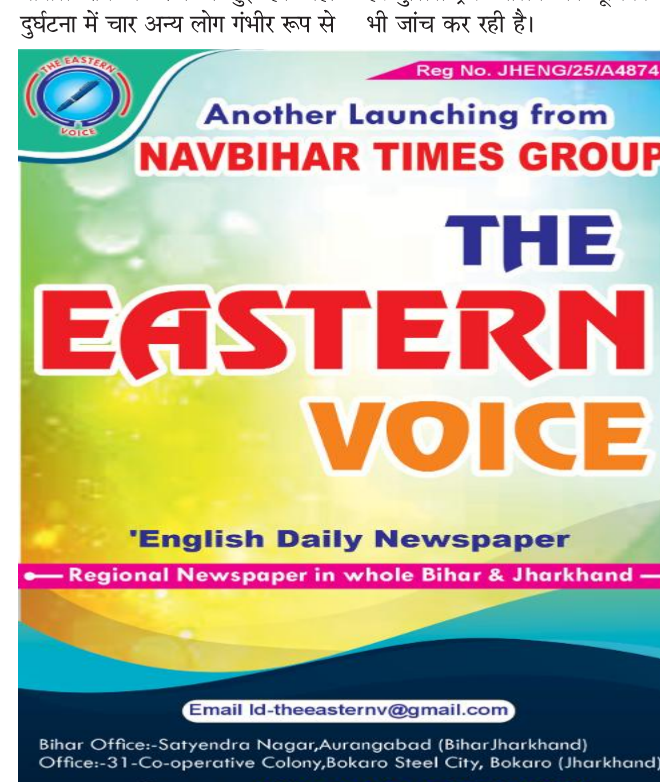

C M Y K

29 से 31 अगस्त तक छह खेलों में 1288 खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

खेलों के महाकुंभ में जुटेंगे सात जिलों के खिलाड़ी, हजारीबाग में पहली बार होगा प्रमंडलीय नॉकआउट टूनार्मेंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। एक बैनर और एक मंशा के साथ हजारीबाग में खेल और खिलाड़ियों को प्रमोट करते हुए उनमें उत्साह का संचार करने की दिशा में पहली बार अद्भुत रोमांच से भरे उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय नॉकआउट टूनार्मेंट का आयोजन जिला मुख्यालय में होने जा रहा है। उपायुक्त हेमंत सती की अगुवाई में 29, 30 और 31 अगस्त तक चलने वाले इस वृहद आयोजन में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के अधीन आने वाले हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, चतरा, बोकारो, धनबाद और गिरिडीह जिले के बड़ी संख्या में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और पानी की व्यवस्था जिला प्रशासन की ओर से की जा रही है। पहली बार आयोजित हो रहे इस खेल महोत्सव की शुरूआत छह खेलों आर्चरी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल और एथलेटिक्स से की गई है। प्रतियोगिता का सबसे बड़ा आकर्षण 8.30 लाख रुपये की नगद पुरस्कार राशि है। इसके अलावा मेडल और शील्ड देकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया जाएगा। यह वृहद आयोजन हजारीबाग ओलंपिक संघ की देखरेख में आयोजित हो रहा है। संघ के अध्यक्ष जिले के सभी खेल संघों के साथ समन्वय स्थापित कर आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। इसके लिए 11 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें उपाध्यक्ष सह मेयर अरविंद कुमार राणा, सचिव हर्ष अजमेरा, राकेश रंजन, करण जायसवाल, आलोक कुमार, भैया मुरारी, नीलेंदु जयपुरियार,

प्रोफेसर राखो हरि, चंद्रशेखर सिंह, परिमल और मंसूर आलम को शामिल किया गया है इसके अलावा जिला खेल पदाधिकारी के नेतृत्व में तकनीकी कमिटी बनाई गई है। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गई हैं, जबकि सीके दास को आयोजन के लिए समन्वय बनाने की जवाबदेही सौंपी गई है। हर काम के लिए जवाबदेही तय करते हुए प्रभार सौंपा गया है और कई सब कमिटियों को भी सक्रिय किया गया है। आयोजन को लेकर सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उपाध्यक्ष सह मेयर अरविंद राणा ने कहा कि 25 अगस्त को ओलंपिक मशाल और बैंड के साथ सभी खेल संघों और इस आयोजन से जुड़े लोगों की ओर से शहर में प्रभातफेरी निकाली जाएगी। इसके साथ मार्चपास्ट भी होगा। 29 अगस्त को भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें कस्तूरबा विद्यालय की बच्चियों की प्रतिभा भी नजर आएगी। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में 12 स्टैंड हैं, जिन्हें महापुरुषों के नाम से किया जा रहा है। वर्ष 1967 में कर्जन ग्राउंड का नामकरण बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर किया गया था, लेकिन इसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका था। इस बार न केवल वीर कुंवर सिंह के नाम का नामकरण दिखाई देगा, बल्कि इसे अगले बोर्ड में भी पारित कराया जाएगा। स्टेडियम में महापुरुषों और खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगाई जाएंगी। मेयर अरविंद राणा और ओलंपिक संघ के जिलाध्यक्ष हर्ष अजमेरा आयोजन को सफल बनाने के लिए स्वयं सक्रिय होकर तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन को केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रखते हुए हजारीबाग को खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने की तैयारी की जा रही है। स्टेडियम से लेकर शहर को सजाने की तैयारी है, ताकि हजारों की संख्या में आने वाले खिलाड़ी हजारीबाग और इस आयोजन को लेकर सुखद यादें लेकर जाएं। आयोजकों का मानना है कि यह न केवल सभी खेल संघों, बल्कि पूरे शहरवासियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है।

संगठन सृजन की प्रगति की समीक्षा, पंचायत चुनाव को लेकर कार्यकताओं से मांगी सूची

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक अध्यक्ष सतीश केडिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में संगठन सृजन अभियान के तहत पिछले माह से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गई इस दौरान सभी प्रखंड अध्यक्षों एवं संबंधित जिला पदाधिकारियों से संगठन विस्तार की को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि चुनाव पार्टी के सिंबल पर हो या नहीं संगठन ने आगामी पंचायत चुनाव के लिए खुद को पूरी तरह तैयार कर लिया है पार्टी के कार्यकर्ता भी चुनाव लड़ने को लेकर तैयारी में जुटे हैं बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मोहम्मद अली खान देवरी प्रखंड अध्यक्ष मनोज राय डुमरी

रिपोर्ट ली गई बैठक में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में हुई त्रुटियों नाम काटे जाने तथा नए नाम जोड़ने को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यकताओं से कहा गया कि वे आम लोगों को दावा-आपत्ति दर्ज कराने और पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में सहयोग करें वहीं आगामी पंचायत चुनाव को लेकर भी संगठन ने अपनी तैयारियां तेज करने का निर्णय लिया सभी प्रखंड अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अपने अपने क्षेत्र की सभी पंचायतों में चुनाव लड़ने के इच्छुक कांग्रेस कार्यकताओं की सूची तैयार कर एक सप्ताह के भीतर जिला कांग्रेस कार्यालय में जमा करें जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पंचायत चुनाव अध्यक्ष नागेश्वर मंडल पीरटांड़ अध्यक्ष धनंजय गोस्वामी सदर प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन जमुआ अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी गांवा अध्यक्ष रणधीर चौधरी धनवार अध्यक्ष निरंजन तिवारी बगोदर अध्यक्ष गुलाम सरवर बेंगाबाद अध्यक्ष मोतीलाल शास्त्री गांडेय अध्यक्ष अकबर अंसारी बिरनी अध्यक्ष इतवारी वर्मा नगर अध्यक्ष सरफराज अंसारी युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद सोहेल अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अहमद राजा नूरी सहित अशोक निराला रतन चौधरी बिलाल अहमद हुसैनी शाहनवाज आलम प्रेमचंद यादव मोहम्मद एजाज जुनेद आलम अनिल कुमार चौधरी भुनेश्वर मंडल सोहराब अली अंसारी दिनेश विश्वकर्मा ओवैस अहमद प्रमोद कुमार राय समेत कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सारेगामा गीत प्रतियोगिता से बच्चों में गायन के प्रति रुचि बढ़ी : पंकज ताह

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कला संगम द्वारा आयोजित स्व. नंदकिशोर प्रसाद स्मृति सारेगामा गीत प्रतियोगिता के ऑडिशन कार्यक्रम का उद्घाटन कला संगम के अध्यक्ष पंकज ताह ने स्व. नंदकिशोर प्रसाद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर पंकज ताह ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से आयोजित हो रही यह गीत प्रतियोगिता गिरिडीह में एक बेहतर सांगीतिक माहौल तैयार कर रही है। इससे बच्चों में संगीत और गायन के प्रति रुचि बढ़ी है कला संगम के सचिव सतीश कुंदन ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में गिरिडीह के अलावा सरायकेला-खरसावां कोडरमा और मधुपुर से कुल 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया प्रतिभागियों ने अपनी पसंद के गीत प्रस्तुत किए निर्णायक मंडली में नयन दीप सिन्हा अरित चंद्रा और राजीव रंजन दीवानंद शामिल रहे निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रतिभा और प्रस्तुति के आधार पर अंक प्रदान किए जूनियर वर्ग में दो कलाकार निर्धारित चयन प्रक्रिया में बाहर हो गए थे हालांकि कला संगम ने उन्हें ग्रेस देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आगामी 12 और 13 सितंबर को आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम का मंच संचालन मनोज कुमार मुन्ना और नीतीश आनंद ने किया मौके पर डॉ. अनुज कुमार अशोक कुमार रविश आनंद शुभम कुमार 9विकास रंजन आकाश रंजन अशोक गुप्ता दया शंकर सिंह आयुष कुमार सिन्हा अकील अहमद रातू अभिनीत मिश्रा रिंकू साव समेत कला संगम के मीडिया प्रभारी सुनील मंथन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बिरनी में खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, पीएम का पुतला दहन

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो द्वारा गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में सोमवार को बिरनी प्रखंड में बैठक आयोजित कर केंद्र सरकार के प्रस्तावित खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ व्यापक आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया बैठक के बाद झामुमो कार्यकताओं ने प्रखंड मुख्यालय के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध जताया बैठक में वक्ताओं ने कहा

कि खनिज संशोधन विधेयक झारखंड के हितों के खिलाफ है बिरनी प्रखंड की सभी 28 पंचायतों के गांव गांव तक इस विधेयक की जानकारी पहुंचाने और केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया गया झामुमो केंद्रीय कमेटी के सदस्य दिलीप मंडल ने कहा कि केंद्र सरकार खनिज संशोधन विधेयक लाकर संघीय व्यवस्था पर प्रहार कर रही है उन्होंने आरोप लगाया कि इसके माध्यम से राज्यों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कानून से केंद्र और राज्यों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न होगी और झारखंड की जनता इसके खिलाफ सड़क पर उतरने को बाध्य होगी झारखंड युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कोलेश्वर सोरेन ने कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने झारखंड पर एक और काला कानून थोपने का प्रयास किया है उन्होंने कहा कि झारखंड का इतिहास संघर्षों का रहा है और जनता अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आंदोलन करेगी जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक लागू होने से झारखंड सरकार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है इसका सीधा असर राज्य में संचालित जनहित की योजनाओं पर पड़ेगा उन्होंने कहा कि सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं पर आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है झामुमो नेता नारायण पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार के इस विधेयक के खिलाफ पूरे प्रखंड में जोरदार आंदोलन किया जाएगा वहीं मनोज सिंह ने कहा कि झारखंड के हित में भाजपा के सांसदों और विधायकों को भी इस विधेयक का विरोध करना चाहिए बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मजीद अंसारी ने की जबकि संचालन प्रखंड सचिव कृष्ण मुरारी प्रसाद सिन्हा एवं राजू अंसारी ने किया कार्यक्रम में प्रखंड कोषाध्यक्ष बहादुर कुशवाहा संतोष पासवान फागू मांझी रिजवी अंसारी प्रमोद सिंह तैयब अली नौशाद अंसारी युगन मंडल सेवा दास हैदर अंसारी मोहन पासवान गौरव पांडेय सीताराम पासवान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद थे।

कोढ़ा पंचायत में जलभराव के बीच कागजी मजदूरों का खेल

कोढ़ा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के कोढ़ा पंचायत में वीबी जी राम जी योजना के तहत सरकारी राशि की डकैती का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है। धरातल पर योजना स्थलों पर या तो धान लगा हुआ है या लबालब पानी भरा हुआ है और काम की जगह सिर्फ सन्नाटा पसरा है, लेकिन कागजों और सरकारी पोर्टल पर मजदूरों' की फर्जी उपस्थिति दर्ज कर अधिकारियों और बिचौलियों की सांठगांठ से लाखों रुपये की अवैध निकासी की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जिन जगहों पर मजदूर का एक कदम पड़ना नामुमकिन है, वहां 16 अगस्त 2026 की तारीख में पोर्टल पर दर्जनों मजदूरों को 'उपस्थित' दिखाकर सरकारी खजाने को सरेआम लूटा जा रहा है। रुबी खातून की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बंधन कार्य कार्य कोडः 0524002004/आइएफ /21481425, माहेनूर की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बंधन कार्य कार्य कोडः 0524002004 आइएफ/21481316, तैयब की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बांध निर्माण कार्य कार्य कोडः 0524002004/आइएफ/21483161, राहत खातून की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बंधन कार्य कार्य कोडः 0524002004/आइएफ/21481331, महनाज खातून की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बांध निर्माण कार्य कार्य कोडः 0524002004/आइएफ/21483162 एवं सुलेसा खातून की निजी जमीन पर खेत पोखर सह मेढ़ बांध निर्माण कार्य कोडः 0524002004/आइएफ/21483165 है।

प्रवासी मजदूर की मौत पर फॉरवर्ड ब्लॉक ने मांगी सहायता राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने बेंगाबाद प्रखंड के बड़कीटांड़ निवासी प्रवासी मजदूर भगलु पुजहर की राजस्थान में हुई मौत के मामले में सरकार से पीड़ित परिवार को सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के बेंगाबाद प्रखंड अध्यक्ष शिवनंदन यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने श्रम अधीक्षक दीपिका कुमारी से मुलाकात कर आवेदन सौंपा आवेदन के दौरान मृतक मजदूर की मां सुलेखा देवी भी मौजूद थीं बताया गया कि भगलु पुजहर की पिछले जून माह में राजस्थान के राजसमंद जिले में तबीयत खराब हो गई थी इसके

बाद उसे उदयपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई शिवनंदन यादव ने बताया कि 25 जून को भगलु की मौत की सूचना मिलने के बाद वे परिजनों के साथ सहायता राशि की मांग को लेकर श्रम अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे हालांकि उस दिन कार्यालय में अवकाश होने के कारण श्रम अधीक्षक से फोन पर बातचीत कर उन्हें वापस लौटना पड़ा था। अब सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ मृतक की मां द्वारा दोबारा आवेदन सौंपा गया है उन्होंने श्रम अधीक्षक से मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए सरकार द्वारा प्रवासी मजदूरों के लिए निर्धारित सहायता राशि पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराने की मांग की यादव ने कहा कि मृतक का परिवार बेहद गरीब है और आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय है कि राजस्थान से भगलु पुजहर का शव गांव लाने के लिए भी परिजनों को कर्ज लेना पड़ा फॉरवर्ड ब्लॉक ने प्रशासन से मानवीय आधार पर मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

श्री गुरु नानक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। श्री गुरु नानक विद्यालय परिवार की ओर से देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास उमंग और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर तिरंगे और देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया समारोह में मुख्य अतिथि सहित विभिन्न प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर पूरे परिसर में तालियों की गूंज सुनाई देती रही मुख्य अतिथि सरदार मनजीत सिंह सलूजा ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की आजादी वीर शहीदों के त्याग संघर्ष और बलिदान का

के रूप में सरदार मनजीत सिंह सलूजा उपस्थित रहे अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सचिव कुंवरजी सिंह दुआ तथा विशिष्ट अतिथि भारत विकास परिषद गिरिडीह जिला के अध्यक्ष अजय कुमार ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई कार्यक्रम का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन विद्यालय की प्राचार्या स्वप्ना कुमार ने किया जबकि संचालन अमित कुमार स्वर्णकार ने किया ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरूआत हुई राष्ट्रगान के बाद विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट प्रस्तुत किया मार्च पास्ट ने उपस्थित अतिथियों अभिभावकों और शिक्षकों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल कर दिया इसके बाद छात्र छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए देशभक्ति गीत नृत्य कविता भाषण परिणाम है उन्होंने विद्यार्थियों से देश की एकता अखंडता और सम्मान को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सचिव कुंवरजी सिंह दुआ एवं विशिष्ट अतिथि अजय कुमार ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में देशप्रेम अनुशासन आत्मविश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करते हैं प्राचार्या स्वप्ना कुमार ने सभी अतिथियों अभिभावकों शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना प्रदान करना है।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन का स्थापना समारोह संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन का वर्ष 2026-27 का स्थापना समारोह रविवार को संगम गार्डन में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया समारोह में सेवा सामाजिक सरोकार और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दोहराया गया कार्यक्रम में जिला गवर्नर पीएमजेएफ लायन शुभ्रा मजूमदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं पीएमजेएफ लायन सिद्धार्थ मजूमदार ने इंस्टॉलेशन ऑफिसर की भूमिका निभाई जबकि लायन अरुण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे समारोह के दौरान लायन अनिल अग्रवाल ने अध्यक्ष लायन साहिल कुमार ने सचिव तथा लायन अंकित

सरावगी ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया नवगठित टीम को क्लब के सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं और आगामी वर्ष में सेवा गतिविधियों को और व्यापक बनाने का संकल्प लिया नवनियुक्त अध्यक्ष लायन अनिल अग्रवाल ने कहा कि क्लब जल्द ही सेवा के लिए अपना स्थायी सेवा प्रकल्प शुरू करेगा उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में क्लब की गतिविधियों को नई दिशा और व्यापकता प्रदान की जाएगी सचिव लायन साहिल कुमार ने कहा कि सेवा कार्यों को प्रभावी एवं परिणामदायी बनाने के लिए क्लब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर सेवा कार्यों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का आह्वान किया समारोह में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही गिरिडीह की मेयर प्रमिला मेहरा उपमेयर सुमित कुमार जनसेवक राजकुमार राज एवं दिनेश यादव की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई इसी अवसर पर लायंस क्लब गिरिडीह जागृति एवं लायंस क्लब गिरिडीह सनशाइन का संयुक्त स्थापना समारोह भी आयोजित किया गया बड़ी संख्या में लायंस सदस्यों और उनके परिवारजनों की मौजूदगी से पूरा कार्यक्रम उत्सवी माहौल में बदल गया कार्यक्रम के अंत में क्लब के सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सेवा का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया समारोह की सफलता में क्लब के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पदमा में किराना दुकानों की आड़ में अवैध बीयर बिक्री का खुलासा,

दो युवक रंगेहाथ गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। पदमा ओपी क्षेत्र के कुटीपिसी गांव में किराना दुकानों की आड़ में अवैध रूप से बीयर की बिक्री किए जाने का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने दो अलग-अलग किराना दुकानों में छापेमारी कर कुल 75 बोतल बीयर बरामद की है। इस मामले में दो युवकों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त 2026 को शाम करीब छह बजे पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि कुटीपिसी गांव में किराना दुकानों के माध्यम से अवैध रूप से विदेशी शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं बरही अंचल के पुलिस निरीक्षक के निर्देश पर पदमा ओपी प्रभारी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कुटीपिसी गांव में विभिन्न दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान बादल कुमार (20 वर्ष), पिता बालदेव प्रसाद मेहता, निवासी नावाडीह और उपेन्द्र कुमार (20 वर्ष), पिता गणेश प्रसाद मेहता, निवासी कुटीपिसी को अपनी-अपनी किराना दुकानों में अवैध रूप से बीयर बेचते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। पुलिस ने बादल कुमार की दुकान से 30 बोतल तथा उपेन्द्र कुमार की दुकान से 45 बोतल, कुल 75 बोतल बीयर बरामद की। जब्त शराब में गॉडफादर बीयर, गॉडफादर कैन बीयर, किंगफिशर बीयर और किंगफिशर कैन बीयर शामिल हैं। बरामद बीयर का विवरण इस प्रकार है— गॉडफादर बीयर 650 मिलीलीटर की 12 बोतल, गॉडफादर कैन बीयर 500 मिलीलीटर की 16 बोतल, किंगफिशर बीयर 650 मिलीलीटर की 26 बोतल तथा किंगफिशर कैन बीयर 500 मिलीलीटर की 21 बोतल। इस संबंध में बरही (पदमा ओपी) थाना कांड संख्या 289/2026, दिनांक 16 अगस्त 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 274, 275 एवं 292 तथा उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। छापामारी दल में पदमा ओपी प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक श्रवण कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार हाजरा, पुलिस अवर निरीक्षक संदीप कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक आलोक कुमार सोरेन तथा पदमा ओपी के रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

अजय रंजन सिंह को एचआईएल के बोर्ड में गैर सरकारी निदेशक की जिम्मेदारी

तीन वर्षों के लिए हुई नियुक्ति भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने जारी किया आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है गिरिडीह जिले के राजधनवार थाना क्षेत्र अंतर्गत जेरूडीह गांव निवासी अजय रंजन सिंह को भारत सरकार ने हिंदुस्तान इन्सेक्टिसाइड्स लिमिटेड एचआईएल इंडिया एलटीडी के बोर्ड में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक पार्ट टाइम नॉन ऑफिसियल डायरेक्टर नियुक्त किया है इस संबंध में भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग की ओर से आधिकारिक आदेश जारी किया गया है भारत सरकार के आदेश के अनुसार अजय रंजन सिंह की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है उनकी नियुक्ति इस आदेश की अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होगी। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि इससे पहले कोई अन्य आदेश जारी होता है तो नियुक्ति उसी के अनुसार समाप्त मानी जाएगी 13 अगस्त 2026 को जारी हुआ नियुक्ति आदेश भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग की ओर से यह आदेश 13 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन से जारी किया गया आदेश में कहा गया है कि लोक उद्यम विभाग डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रपति ने अजय रंजन सिंह को एचआईएल इंडिया एलटीडी. के बोर्ड में अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक नियुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की है आदेश में अजय रंजन सिंह का पता ग्राम जेरूडीह डाकघर अंबाटांड़ थाना राजधनवार जिला गिरिडीह झारखंड

825412 दर्ज किया गया है एचआईएल के बोर्ड में निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका हिंदुस्तान इन्सेक्टिसाइड्स लिमिटेड भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है जो कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न उत्पादों के निर्माण एवं आपूर्ति से संबंधित कार्य करती है ऐसे में कंपनी के बोर्ड में गैर सरकारी निदेशक के रूप में अजय रंजन सिंह की नियुक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के तौर पर देखा जा रहा है गैर सरकारी निदेशक के रूप में बोर्ड की बैठकों में कंपनी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों नीतिगत मामलों प्रबंधन और संचालन से संबंधित मुद्दों पर विचार विमर्श में उनकी भूमिका होगी साथ ही कंपनी के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए बोर्ड स्तर पर अपने सुझाव और अनुभव रखने का अवसर भी उन्हें मिलेगा गिरिडीह के लिए गौरव का विषय अजय रंजन सिंह की इस नियुक्ति से गिरिडीह जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। जिले के एक ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले व्यक्ति को भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की महत्वपूर्ण कंपनी के बोर्ड में जिम्मेदारी मिलना स्थानीय स्तर पर भी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है राजधनवार क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह नियुक्ति न केवल अजय रंजन सिंह के लिए बल्कि पूरे गिरिडीह जिले के लिए गौरव का विषय है लोगों को उम्मीद है कि वह बोर्ड में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करेंगे तथा कंपनी के हित में महत्वपूर्ण योगदान देंगे तीन साल की अवधि के लिए नियुक्ति भारत सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक अजय रंजन सिंह का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा उनका कार्यकाल नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी होने की तिथि से प्रभावी माना जाएगा हालांकि केंद्र सरकार द्वारा भविष्य में जारी किए जाने वाले किसी आदेश के प्रावधान इस नियुक्ति पर लागू होंगे केंद्र सरकार के इस आदेश के बाद अजय रंजन सिंह को बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि वह हिल के बोर्ड में गिरिडीह का प्रतिनिधित्व करते हुए कंपनी की कार्यप्रणाली को और मजबूत बनाने में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।

स्कूल से गांव तक साइबर सुरक्षा की पाठशाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। बदलते दौर में साइबर अपराध का दायरा लगातार बढ़ रहा है। ठग नए-नए तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसी चुनौती से निपटने और आम लोगों को साइबर ठगी के प्रति सतर्क करने के लिए धनबाद पुलिस ने व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। सोमवार को पुलिस केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ हुआ। 17 से 21 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के जरिए जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में लोगों को साइबर अपराध के नए तरीकों, ठगी से बचाव और शिकायत की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने का संदेश

अभियान की शुरुआत के मौके पर धनबाद पुलिस की ओर से तैयार की गई साइबर जागरूकता पुस्तक का विमोचन उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया। पुस्तक को खास तौर पर इस तरह तैयार किया गया है कि बच्चे और युवा साइबर अपराध को आसानी से समझ सकें। कॉमिक शैली में तैयार सामग्री के माध्यम से ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के खतरे, बैंकिंग फ्रॉड और सोशल मीडिया से जुड़े साइबर अपराधों के प्रति सावधान रहने का संदेश दिया गया है।

विद्यार्थी और शिक्षक कार्यक्रम में शामिल हुए

कार्यक्रम में डीएफओ विकास पालीवाल, रेल एसपी धनबाद मोमल राजपुरोहित, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस। मोहम्मद याकूब, डालसा सचिव मयंक तुषार टोपनो, धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, फेडरेशन ऑफ जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका और सचिव अजय नारायण लाल सहित जिले के डीएसपी, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौजूद रहे। विभिन्न स्कूल-कॉलेजों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

एलईडी वाहनों से गांव-गांव पहुंचेगा साइबर सुरक्षा का संदेश

जागरूकता पुस्तक के विमोचन के बाद एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित दो प्रचार वाहनों को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जाकर वीडियो संदेशों के जरिए लोगों को साइबर अपराध से बचने के तरीके बताएंगे। इसके साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग और फ्लेक्स लगाए गए हैं। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा से जुड़े संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। अभियान का दायरा सिनेमाघरों तक भी बढ़ाया गया है। आइनॉक्स मल्टीप्लेक्स की स्क्रीन पर अगले एक महीने तक फिल्मों के शो के दौरान साइबर अपराध से बचाव से जुड़े वीडियो संदेश दर्शकों को दिखाए जाएंगे।

कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि साइबर अपराध के मुकाबले में जागरूकता सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने धनबाद पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों और युवाओं को शुरुआत से ही सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि साइबर जागरूकता पुस्तक को जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को साइबर अपराध के तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए जाएंगे।

स्कूल समय में कोचिंग-ट्यूशन पर रोक, शिक्षा पदाधिकारी ने दिया सख्त आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज। सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में निजी कोचिंग एवं ट्यूशन संस्थानों के संचालन पर अब सख्ती बरती जाएगी। रफीगंज के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमर कुमार ने सोमवार को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सुबह 9:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक किसी भी कोचिंग या ट्यूशन संस्थान का संचालन नहीं किया जाएगा। शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि सरकारी स्कूलों के समय में यदि कोई कोचिंग या ट्यूशन संस्थान संचालित पाया गया, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान संस्थान खुला पाए जाने पर उसे बंद कराने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कोचिंग एवं ट्यूशन संचालकों से आदेश का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। शिक्षा विभाग के इस सख्त आदेश के बाद कोचिंग संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग ने साफ कर दिया है कि स्कूल अवधि में नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पंजाब को हराकर क्वार्टर फाइनल में झारखंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। महाराष्ट्र के पुणे में चल रही 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 में झारखंड महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 12 से 23 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में झारखंड ने अपने दूसरे मुकाबले में हॉकी पंजाब को 3-1 गोल से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ झारखंड ने अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

इस मुकाबले की शुरुआत झारखंड के लिए चुनौतीपूर्ण रही। पहले क्वार्टर के सातवें मिनट में पंजाब की टीम ने फील्ड गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बावजूद झारखंड की खिलाड़ियों ने धैर्य नहीं खोया और लगातार आक्रामक खेल जारी रखा। 23वें मिनट में कप्तान रजनी केरकेट्टा ने शानदार फील्ड गोल करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद झारखंड ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी।

तीसरे क्वार्टर में झारखंड को 36वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर मिला। इस मौके को पुष्पा डांग ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदलते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। बढ़त मिलने के बाद झारखंड की खिलाड़ियों ने रक्षात्मक और आक्रामक दोनों मोर्चों पर संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। पंजाब की टीम ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन झारखंड की डिफेंस ने उसके प्रयासों को सफल नहीं होने दिया।

मुकाबले के अंतिम चरण में 58वें मिनट में सलोमी नाग ने शानदार फील्ड गोल कर झारखंड की बढ़त को 3-1 कर दिया। इसके बाद पंजाब की टीम वापसी नहीं कर सकी और झारखंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की डिफेंडर जिरेन सोय को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इससे पहले झारखंड ने प्रतियोगिता के अपने पहले मुकाबले में हॉकी चंडीगढ़ को एकतरफा अंदाज में 6-0 से हराया था। लगातार दो जीत के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब उसकी नजर क्वार्टर फाइनल मुकाबले पर है। इस जीत के बाद हॉकी झारखंड और खेल विभाग के पदाधिकारियों ने पूरी टीम को बधाई दी और आगामी मुकाबले के लिए शुभकामनाएं दीं।।

हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज प्रसाद ने कहा कि टीम ने दबाव के बावजूद शानदार वापसी की। खिलाड़ियों ने एकजुट होकर बेहतर खेल दिखाया और लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि पंजाब के खिलाफ शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कायम रहा और टीम ने मुकाबले को अपने पक्ष में किया। क्वार्टर फाइनल में भी टीम से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है। झारखंड टीम में गंगी बरला, सोनाली तिर्की, सरोज कुमारी, जिरेन सोय, एस्थर होरो, संगीता कुमारी, अनीषा कुल्लू, सलोमी नाग, गुलजन कुमारी, रजनी केरकेट्टा, पुष्पा डांग, अनुप्रिया सोरेंग, रीना कुल्लू, स्वीटी डुंगडुंग, सरोज मुंडरी, सुकरमनी मुंडू, लियोनी हेमरोम और जमुना कुमारी शामिल हैं। टीम के कोच विकास पंत, सहायक कोच अभिषेक कुमार, मैनेजर दिव्या डुंगडुंग और फिजियो स्वीटी खातून हैं।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

दाउदनगर (औरंगाबाद) /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आजाद-ए-सैयदना फाउंडेशन के तत्वावधान में पुराना शहर वार्ड संख्या पांच हुसैनी बाजार स्थित आस्ताना हुजूर गाजी-ए- दौरां में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। खानकाह आलिया कादरिया के सज्जादानशी हजरत सैयद शाह तेहामी उल कादरी तथा सेक्रेट्री एंड फाउंडर हजरत सैयद अहमद अता हुसाम कादरी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में जनरल फिजिशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं बाल रोग विशेषज्ञ ने चिकित्सकों ने लगभग सात सौ से भी अधिक लोंगो की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की। दवाएं भी उपलब्ध कराई। वरिष्ठ नेत्रो रोग विशेषज्ञ डॉ विनोद कुमार, वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रंजू, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनमोल कुमार, डॉ. रजनीश अरुण एवं दांत एवं मुख रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु राय,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. वसीम रजा ने शिविर में पहुंचे लोगों का निशुल्क इलाज किया और आवश्यक चिकित्सीय सलाह दिए गए। स्वास्थ्य जांच शिविर की शुरुआत के अवसर पर मुख्य पार्षद अंजलि कुमारी, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गणेश प्रसाद, वार्ड पार्षद बसंत कुमार, भाजपा जिला प्रवक्ता अश्विनी कुमार तिवारी, भाजपा के शमशेर नगर मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, मोहम्मद अनवर फहीम सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की देख-रेख मो ताहिर कादरी एवं कार्यक्रम का संचालन मुन्ना अजीज ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वकार अंसारी, शहाबुद्दीन खान, अशरफ खान, सरफराज खान, मेहरबान आलम, मोनू खान, नेहाल शेख, मोबीन खान ,कुमकुम खान सहित अन्य ने योगदान दिया।

तीन पंचायतों में होने वाले सहयोग शिविर का बीडीओ ने लिया जायजा

दाउदनगर (औरंगाबाद) । प्रखंड के तीन पंचायतों में मंगलवार को लगने वाले सहयोग शिविर की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। तरार,सिंदुआर और करमा पंचायतों में सहयोग शिविर मंगलवार को आयोजित किया जा रहा है। बीडीओ मो जफर इमाम ने आयोजन स्थल का निरीक्षण करते हुए तैयारी का जायजा लिया। बताया कि सिंदुआर और करमा पंचायत में प्रथम सत्र में और तरार पंचायत में द्वितीय सत्र में सहयोग शिविर लगाया जाना है। तीनों पंचायतों में आम जनता की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों के 30-30 काउंटर बनाए गए हैं। सभी काउंटर पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी प्रतिनियुक्ति रहेंगे, जिनके द्वारा ग्रामीणों का आवेदन दिया जाएगा। पहले से भी ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए जा रहे हैं और शिविर के दौरान भी आवेदन लिया जाएगा। त्वरित निष्पादन करने योग्य आवेदनों का निष्पादन तुरंत कर दिया जाएगा और शेष बचे आवेदनों का भी निष्पादन निर्धारित समयावधि के दौरान कर दी कर दिया जाएगा।

सीजीएल परीक्षा रद्द नहीं करने की अभ्यर्थियों ने लगाई गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य सरकार पर सीजीएल परीक्षा रद्द करने को लेकर बढ़ रहे छात्रों के दबाव के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार देर शाम तक धुर्वा स्थित झारखंड मंत्रालय में मंत्रियों के साथ बैठक की। कई घंटे चली बैठक में छात्रों के आंदोलन और उनकी मांगों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान मंत्रालय के बाहर जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के जरिए नियुक्त 2025 सफल अभ्यर्थी मानव श्रृंखला बनाकर परीक्षा रद्द नहीं करने की गुहार लगाते रहे। उन्होंने मीडिया के माध्यम से सरकार से अपने पक्ष पर विचार करने की अपील की। झारखंड सरकार के उद्योग निदेशालय में कार्यरत श्याम सुंदर मंडल ने कहा कि सरकार की ओर से परीक्षा को लेकर नकारात्मक विचार की जानकारी मिलने के बाद वे यहां अपनी बात रखने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक सफल अभ्यर्थी से पूछताछ करे और किसी तरह की गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई करे। गव्य निदेशालय में कार्यरत संजय कुमार ने कहा कि सीजीएल परीक्षा रद्द नहीं होनी चाहिए। सरकार किसी भी निर्णय से पहले दोनों पक्षों की बात सुने। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से नौकरी मिली है। संजय ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नियुक्तियां सही तरीके से हुई हैं। इसके बावजूद सरकार एकतरफा निर्णय लेती है तो यह उचित नहीं होगा।

श्रावणी मेला 2026: सावन की तीसरी सोमवारी के मौके पर उमड़ा आस्था का सैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका/गिरिडीह/कोडरमा/सिमडेगा/रांची। सावन माह की तीसरी सोमवारी को बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जलार्पण किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन सोमवारी और नाग पंचमी का विशेष महत्व होने की वजह से पहले बाबाधाम देवघर और बाद में बासुकीनाथ में भक्तों ने जलार्पण किया।

सतर्क है जिला प्रशासन

इस दौरान श्रद्धालु भागलपुर के बरारी घाट से गंगाजल भरकर हंसडीहा के रास्ते सीधे बासुकीनाथ पहुंचे। इधर, कांवरियों की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

रात 2 बजे से जारी है कांवरियों का मंदिर में आगमन

मंदिर प्रवेश एवं निकास द्वार समेत मेले क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थलों पर पुलिस प्रशासन का सख्त पहरा है। रात 2 बजे मंदिर का पट खुलते ही 'बोल बम' के साथ कांवरियों का मंदिर में आगमन शुरू हुआ, जो लगातार जारी है। 'हर-हर महादेव' एवं 'बोल बम' के जयकारे से मंदिर परिसर गुंजायमान है।

शिवगंगा से पवित्र जल लेने के लिए मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालु

दरअसल, दर्शनियाटीकर हाईवे के पास तारा मंदिर रोड स्थित प्रवेश द्वार से श्रद्धालु शिवगंगा पहुंच रहे हैं और पवित्र शिवगंगा में डूबकी लगाकर कतारबद्ध होकर क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए संस्कार मंडप के रास्ते मंदिर प्रांगण में पहुंच रहे हैं, जहां से उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर में प्रवेश कराकर अरघा के माध्यम से जलाभिषेक कराया जा रहा है। वहीं डाक बम श्रद्धालुओं से टोकन प्राप्त कर उन्हें जलाभिषेक के लिए सीधे मंदिर में प्रवेश कराया जा रहा है।

ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों से गतिविधियों पर नजर

बासुकीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के सुगमतापूर्वक जलार्पण को लेकर प्रशासन देर रात से ही अलर्ट मोड में है। दुमका SDM कौशल कुमार ने बताया कि संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व से ही तैयारी कर ली गई थी। मेला क्षेत्र के सभी प्वांइट पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल पूरी तरह से चौकस है तथा ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे से सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसका खासा ख्याल रखा जा रहा है। सावन माह की तीसरी सोमवारी के मौके पर बासुकीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

हरिहरधाम शिव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

गिरिडीह में पवित्र सावन महीने की तीसरी सोमवारी पर बगोदर के प्रसिद्ध हरिहरधाम शिव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर के पट खुलते ही जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की भीड़ आनी शुरू हो गई।

आस्था में डूबे शिव भक्त

सोमवारी के साथ आज नाग पंचमी भी है। ऐसे में बाबा भोले पर जलाभिषेक करने से बाबा की कृपा शिवभक्तों पर रहती है। "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इधर, भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन को भी तैनात किया गया है। कोडरमा में भी सावन की तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालु विभिन्न शिवालयों में भगवान शिव को जल अर्पण कर रहे हैं। वहीं कोडरमा के ध्वजाधारी आश्रम में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। शिवभक्त यहां पूरी आस्था और भक्ति के साथ पहुंच रहे हैं और 777 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ की चोटी पर बसे भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं।

एमएमडीआर संशोधन बिल से झारखंड को नहीं होगा कोई नुकसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू/हजारीबाग। लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 को लेकर झारखंड में सियासी बयानबाजी तेज है। झामुमो, कांग्रेस समेत अन्य पार्टियां केंद्र सरकार के इस विधेयक के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दे रही हैं तो वहीं भाजपा सांसदों का कहना है कि इस बिल से राज्य को कोई नुकसान नहीं होने वाला। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने विपक्षी सांसदों पर निशाना साधा है। **विपक्षी सांसदों को संसद में रखनी चाहिए थी बात- पलामू सांसद** पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने सोमवार को पलामू में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास और विनियम) संशोधन विधेयक 2026 पर बहस होनी चाहिए थी, लेकिन क्यों नही हुई, यह भी एक बहुत बड़ा मुद्दा है। लोकसभा में जब बिल पेश हो रहा था तो विपक्ष के सांसद चुप थे। खासकर के झारखंड के सांसदों को बोलना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि इसे केंद्र और राज्य के बीच विवाद के रूप में सिर्फ नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि देशहित सर्वोपरि होनी चाहिए। सांसद ने कहा कि खनिज का सिर्फ मालिक नहीं होना चाहिए बल्कि इसका लाभार्थी होना चाहिए। झारखंड में पिछले 11 वर्षों में 11 खनिज ब्लॉक की नीलामी हुई है, लेकिन एक भी ब्लॉक शुरू नहीं हुआ है। ओडिशा में 79 ब्लॉक नीलाम हुए हैं जिसमें से 35 शुरू हो गया है। ओडिशा में 2020-21 से 2025-26 तक में 87 हजार करोड़ राजस्व प्राप्त हुआ है। सांसद विष्णुदयाल ने कहा कि 2014-15 से 2025 26 के बीच राज्यों के खनिज राजस्व में 354 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने एमएमडीआर विधेयक से झारखंड सरकार को लाभ लेने के लिए कई बिंदुओं पर सलाह दी। सांसद ने कहा कि नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों का समयबद्ध परिचालन किया जाए, नई खनिज ब्लॉकों को पारदर्शी और तेजी से नीलाम किया जाए। उन्होंने खनिज आधारित उद्योगों में निवेश आकर्षित करने, डीएमएफ फंड की लगभग 19 हजार करोड़ राशि का खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी। सांसद ने कहा कि खनिज संपदा का मूल्य पूरे देश मे एक समान रहे और आयात पर निर्भरता कम रहे, यही इस विधेयक का उद्देश्य है। झारखंड पूरे देश मे सबसे अधिक सेस लगाने वाला राज्य रहा है। यहां अवैध खनन भी एक बड़ा मुद्दा रहा है।

निर्धारित लक्ष्य के 53 प्रतिशत नए राशन कार्ड का कार्य पूर्ण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार सरकार के मुख्य सचिव द्वारा खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारियों के साथ की गई। बैठक के दौरान विशेष अभियान के तहत नए राशन कार्ड के लिए प्राप्त आवेदनों के सत्यापन, डेटा एंट्री, ई-केवाईसी एवं राशन कार्ड निर्गमन की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण एवं सीएमआर आपूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि राज्य में कुल 13,93,704 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 11,83,792 आवेदनों को सत्यापन के उपरांत पात्र पाया गया है। कुल 4,13,079 आवेदनों की डेटा एंट्री पूर्ण की जा चुकी है, जो पात्र आवेदनों का 35 प्रतिशत है। औरंगाबाद जिले की प्रगति की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले में कुल 69,546 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 52,446 आवेदन सत्यापन के उपरांत पात्र पाए गए हैं। 16 अगस्त तक 26,963 आवेदनों की डेटा एंट्री पूर्ण की जा चुकी थी तथा 17 अगस्त को पूर्वाह्न 09:35 बजे तक 732 अतिरिक्त आवेदनों की डेटा एंट्री पूर्ण की गई। इस प्रकार जिले में कुल 27,695 आवेदनों की डेटा एंट्री पूर्ण हो चुकी है, जो पात्र आवेदनों का 53 प्रतिशत है। जिला में 133 आवेदन ई-केवाईसी हेतु सक्षम किए गए हैं, जिनमें से 7 आवेदनों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है तथा 27,462 आवेदन ई-केवाईसी हेतु लंबित हैं। वहीं 01 आवेदन में एसडीओ लॉगिन के माध्यम से राशन कार्ड जनरेट किया गया है। मुख्य सचिव द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि पात्र आवेदनों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब न हो तथा डेटा एंट्री, ई-केवाईसी एवं राशन कार्ड निर्गमन की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का नियमित एवं सुचारू वितरण सुनिश्चित करने तथा सीएमआर आपूर्ति से संबंधित कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राशन कार्ड से संबंधित लंबित आवेदनों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करते हुए डेटा एंट्री एवं ई-केवाईसी की प्रगति में तेजी लाई जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान औरंगाबाद से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के साथ सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्वेतांक लाल, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, वरीय उपसमाहर्ता रितेश कुमार यादव सहित संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रक्तदान कर एनसीसी कैडेटों ने युवाओं को दिया सकारात्मक संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रामलखन सिंह यादव कॉलेज, बिहारशरीफ में सोमवार को महाविद्यालय प्रशासन एवं सदर अस्पताल बिहारशरीफ के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के सचिव डॉ. अनिल कुमार एवं प्राचार्य प्रो. अवधेश कुमार ने किया।महाविद्यालय के एनसीसी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट गोपाल कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त की एक बूंद किसी जरूरतमंद मरीज की जान बचा सकती है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।प्रो. वीरेंद्र कुमार एवं प्रो. शंभू कुमार के प्रेरित करने पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें प्रमाण पत्र एवं जलपान देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रोत्साहन राशि देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। प्राचार्य प्रो. अवधेश कुमार ने सदर अस्पताल की ब्लड डोनेशन टीम एवं पूरी मेडिकल टीम के प्रति आभार जताया। नालंदा के यूथ आइकन रितेश कुमार ने सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्रो. दिनेश महतो, प्रो. संगीता सिन्हा, प्रो. प्रतिमा रॉय, प्रो. प्रियंका कुमारी, प्रो. डॉ. दिनेश चंद्रा सहित कई शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। शिविर के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स ने युवाओं को समाजसेवा और रक्तदान के प्रति सकारात्मक संदेश दिया।

करंट लगने से 63 वर्षीय किसान की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव में सोमवार की अहले सुबह धान की खेत में पटवन करने गए एक वृद्ध किसान की करंट लगने से मौत हो गई। इस हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। मृतक की पहचान चितरकोली निवासी दुखन महतो के 63 वर्षीय पुत्र ब्रह्मदेव यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार ब्रह्मदेव यादव सुबह धान की खेती में पटवन के लिए खेत में लगे मोटर को चालू करने गए थे। इसी दौरान करंट की चपेट में आने से उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। शव मोटर के पास ही पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही रजौली थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने थाने में पदस्थापित एएसआई जयप्रकाश चौधरी और एएसआई वीरेंद्र ओझा को पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर भेजा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। इस संबंध में अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि बिजली करंट से हुई मौत की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की दुर्घटना में मुआवजा बिजली विभाग द्वारा ही पीड़ित परिजनों को दिया जाएगा। ब्रह्मदेव यादव की मौत से परिवार में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-21, दिनांक: 14.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-21, कार्य का नाम: (क)** आसनसोल मंडल के अण्डाल-सांइथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर जंक्शन-हंसडीहा खंडों में 10,000 से ज़्यादा टीवीयू वाले लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग। **(ख)** अण्डाल-बाराबनी, अण्डाल/एलसी-बख्तारनगर, मधुपुर-गिरिडीह खंड में 10,000 से ज़्यादा टीवीयू वाले लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग। **(ग)** आसनसोल मंडल-वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में सीतारामपुर और बराकर स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(घ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में कालुबथान स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ङ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/IV/आसनसोल के खंड में चिनपाई और कचूजोर स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(च)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/III/आसनसोल के खंड में वारिया स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(छ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के खंड में कुलटी और मुगमा स्टेशनों पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ज)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/III/आसनसोल के खंड में राजबांध स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **(झ)** आसनसोल मंडल - महेशमुंडा (एमएमडी) स्टेशन पर रैंप और शेड के साथ फुट ओवरब्रिज बनाना। **(ञ)** आसनसोल मंडल - वरिष्ठ डीईएन/IV/आसनसोल के खंड में भीमगड़ा जंक्शन स्टेशन पर प्रतिस्थापन के आधार पर नया फुट ओवरब्रिज बनाना। **निविदा मूल्य** : रु. 3,21,29,273.47, **बयाना राशि:** रु. 6,42,600/-, **कार्य की समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 (बारह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 60 दिन। **खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 15.09.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: www.ireps. gov.in में देखा जा सकता है। ASN-218/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: सीओएम/पीआरएस/यूटीएस/एएमसी/एएसएन, दिनांक 14.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** वरिष्ठ डीसीएम/पूर्व रेलवे/आसनसोल के अधीन आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे के तहत पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम, पीआरएस-कम-यूटीएस, अनरिजर्व्ड टिकटिंग, रिटायरिंग रूम बुकिंग सिस्टम और एनटीईएस स्थानों आदि के सभी इक्विपमेंट के लिए 02 (दो) वर्ष की अवधि हेतु रखरखाव अनुबंध के लिए निविदा। **निविदा मूल्य:** रु.24,32,249/-जीएसटी @ 18% सहित। **बयाना राशि जमा की जाएगी:** रु.48,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य, **कार्य की अवधि:** कार्य शुरू होने की तिथि से दो वर्ष। **स्थान जहाँ से निविदा कागजात का क्रय किया जा सकता है:** ई-निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से एनआईटी में वर्णित तिथि और समय पर या उससे पूर्व बेची जाएगी/जारी की जाएगी। **निविदा जमा करने की तिथि और समय एवं निविदा का खुलना:** हर पहलू एवं सभी कागजातों से संपूर्ण निविदा प्रस्ताव एनआईटी (निविदा आमंत्रण सूचना) में वर्णित अनुसार इस निविदा की अंतिम तिथि/समय से पूर्व वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-निविदा प्रक्रिया के जरिए ऑनलाइन जमा किया जाएगा। निविदा की अंतिम तिथि/समय तक निविदाकार बोली में चाहे जितनी बार संशोधन कर सकते हैं। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा और निविदा का खोला जाना वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से किया जाएगा। **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in **द्रष्टव्य:** (1) निविदाकारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि जमा के लिए केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन पेमेंट गेटवे/मॉड्युल्स जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से भुगतान करने की अनुमति है। **डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपॉजिट रिसीट, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान करने की अनुमति नहीं है।** अनुबंध के विस्तृत नियम और शर्तें एवं निविदा कागजात भी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध हैं। (2) बिना कोई कारण बताए किसी भी समय किसी भी निविदा/सारी निविदाओं को अस्वीकार/रद्द करने का अधिकार रेल प्रशासन के पास सुरक्षित है। ASN-217/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल के द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं., निविदा सूचना सं. और कार्य का नाम** निम्नानुसार हैं : **(1) एसएनटी_ई_निविदा _एडीए _26_27_24,** आद्रा मंडल के एलसी नं. केए-132, केए-79 और केए-59 के स्थान पर सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के संबंध में एस एंड टी कार्य । **निविदा मूल्य:** रु.57,53,935.90, **(2) एसएनटी_ई_निविदा _एडीए _ 26_27_25,** आद्रा मंडल में एसएसई(पी.वे)/जयचंडीपहाड़ के कार्यक्षेत्र में यार्ड के सुधार के संबंध में एस एंड टी कार्य । **निविदा मूल्य:** रु.40,79,333/-, **(3) एसएनटी_ई_निविदा _एडीए _ 26_27_26,** आद्रा मंडल में छह गुड्स शेड (अर्थात राधानगर, भागा, रुकनी, चौराशी, बांकुड़ा (नया) एवं बीकेईसी) में सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का प्रावधान । **निविदा मूल्य:** रु.1,56,19,486.26, **निविदा की अंतिम तिथि और समय** 07.09.2026 को 11.00 बजे है। विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (PR-625)

एमडीएम में कीड़ा मिलने से भड़के लोग

अभिभावकों ने बच्चों से थाली साफ कराने का भी लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय गोविंदपुर में सोमवार को अव्यवस्था, मध्याह्न भोजन में भारी गड़बड़ी और शिक्षकों के आपत्तिजनक व्यवहार को लेकर ग्रामीणों का भारी आक्रोश फूट पड़ा। स्कूली बच्चों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों के सामने ही बच्चों की आपबीती सुनी। बच्चों ने भोजन में कीड़े निकलने, बर्तन धुलवाने, नाली साफ कराने और पढ़ाई ठप रहने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए। आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और पूरे मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विद्यालय पहुंचे ग्रामीणों के सामने बच्चों ने रोते हुए अपनी पीड़ा बयां की। बच्चों का आरोप है कि मध्याह्न भोजन में कई बार कीड़े निकल चुके हैं और गुणवत्ता बेहद खराब रहती है। शिकायत करने पर प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह द्वारा कथित रूप से अपमानजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें डांटकर चुप करा दिया जाता है।

इसके अलावा बच्चों ने गंभीर आरोप लगाया कि उनसे स्कूल परिसर की गंदी नालियां साफ कराई जाती हैं, भोजन के बाद थालियां और बड़े बर्तन धुलवाए जाते हैं तथा शौचालयों में पानी डलवाया जाता है। विद्यालय में सफाई एजेंसी 20 मई से नहीं आ रही है, जिसका खामियाजा नौनिहालों को भुगतना पड़ रहा है। पढ़ाई महज एक-दो घंटी कराकर बाकी समय शिक्षक बैठे रहते हैं। ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं ने विद्यालय की एक शिक्षिका पर भी गंभीर आरोप जड़े हैं। बच्चों के अनुसार, उक्त शिक्षिका कक्षाओं में बच्चों की उम्र के प्रतिकूल आपत्तिजनक और अशोभनीय बातें करती हैं तथा अमर्यादित प्रश्न पूछती हैं। अभिभावकों ने इसे छात्र-छात्राओं के मानसिक विकास पर कुठाराघात बताते हुए शिक्षा विभाग से तत्काल जांच कर शिक्षिका को हटाने की मांग की है। उपस्थिति पंजी के अनुसार सोमवार को कक्षा 1 से 5 तक 136 और कक्षा 6 से 8 तक 117 सहित कुल 253 बच्चे उपस्थित थे। सरकारी मापदंड के अनुसार 253 बच्चों के लिए 31.150 किलोग्राम चावल और 6.230 किलोग्राम दाल बननी चाहिए थी। ग्रामीणों ने पाया कि निर्धारित मात्रा की जगह महज करीब 20 किलो चावल और 5 किलो दाल ही बनाई गई थी। सीधे तौर पर बच्चों के निवाले में कटौती बताया जाता है।

अस्पताल में अपनों को तलाशते दिखे लोग

चीख-पुकार से मचा कोहराम ❑प्रशासन की निगरानी रही सख्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। सावन की तीसरी सोमवारी को इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोकधाम में हुई भगदड़ के बाद सदर अस्पताल का माहौल पूरी तरह गमगीन और अफरातफरी भरा रहा। हादसे में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत और 27 श्रद्धालु के जख्मी होने से कोहराम मच गया। घायलों में 26 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

जख्मी श्रद्धालु और शव के सदर अस्पताल पहुंचते ही वहां चीख-पुकार मच गई। अपनों की मौत की खबर सुनकर पहुंचे स्वजन शवों से लिपटकर रोते-बिलखते रहे। किसी को अपनी पत्नी की तलाश थी तो कोई मां, बेटी या बहन को ढूंढता रहा।

सदर अस्पताल परिसर में एक साथ कई परिवारों के पहुंचने से स्थिति बेहद भावुक हो गई। अस्पताल के हर तरफ रोने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दे रही थी। अपने परिजनों की जानकारी लेने के लिए लोग इधर-उधर भटकते नजर आए।

घायलों को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में स्वजन और परिचित अस्पताल पहुंच गए, जिससे परिसर में भीड़ बढ़ती चली गई। इस दौरान कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी रही और लोगों को अपने स्वजनों के बारे में जानकारी लेने में परेशानी हुई।

अशोकधाम से मृत महिला श्रद्धालुओं के शव एक-एक कर सदर अस्पताल पहुंचने लगे तो वहां मौजूद स्वजनों का धैर्य जवाब दे गया। अपनों के शव देखते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। अस्पताल परिसर में चारों ओर मातम पसरा रहा। कई स्वजन बार-बार अपने प्रियजन को पुकारते रहे।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ देर पहले तक जो परिवार सावन की सोमवारी पर पूजा-अर्चना के लिए निकले थे, उनके स्वजन अब अस्पताल में शव की पहचान करने के लिए मजबूर थे।

भगदड़ में घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में 25 महिला श्रद्धालुओं को भर्ती कराया गया। इनमें तीन की हालत गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। 22 महिला श्रद्धालुओं का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

रेफर की गई तीनों गंभीर रूप से जख्मी महिलाओं का स्थानीय निजी क्लीनिक में इलाज कराया जा रहा है। घायल एक पुरुष श्रद्धालु का भी इलाज कराया गया।

तलाक के विवाद में पत्नी को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मसौढ़ी अनुमंडल के पिपरा थाना क्षेत्र के सैदपुर लोदीपुर गांव में रविवार शाम पति-पत्नी के बीच तलाक को लेकर हुआ विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पति सूरज कुमार ने अपनी पत्नी रंजू कुमारी को जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। गोली लगने से रंजू कुमारी घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज तीन घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त की शाम सैदपुर लोदीपुर गांव में पति-पत्नी के बीच तलाक को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान आरोपी सूरज कुमार ने कथित तौर पर अपनी पत्नी रंजू कुमारी पर गोली चला दी। गोली लगने से वह घायल हो गईं। घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घटना के बाद पिपरा थाना पुलिस ने घायल रंजू कुमारी के फर्दबयान के आधार पर पिपरा थाना कांड संख्या 110/26 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2)/109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने मानवीय सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते वारदात के करीब तीन घंटे के भीतर आरोपी सूरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा और बाइक भी बरामद कर ली। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मसौढ़ी-2 कन्हैया सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मौलवी की चाकू मारकर हत्या

गोपालगंज। जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। उचकागांव थाना क्षेत्र के अरना बाजार स्थित मस्जिद के अंदर मौलवी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों में आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान भोरे थाना क्षेत्र के सिसई गांव निवासी शफीक अहमद के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोज की तरह निर्धारित समय पर मस्जिद से अजान की आवाज नहीं आई। इससे आसपास के लोगों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। कुछ स्थानीय लोग जब स्थिति का जायजा लेने के लिए मस्जिद के अंदर पहुंचे तो वहां मौलवी शफीक अहमद का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। शव देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के कई थानों की पुलिस को भी मौके पर तैनात किया गया है, ताकि इलाके में शांति व्यवस्था बनी रहे और किसी तरह की अप्रिय स्थिति न पैदा हो।

दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। बैलदौर थाना क्षेत्र के एनएच-107 स्थित उसराहा पुल पर करीब रात 12 बजे दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा डाक बम सेवा के दौरान हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान काजो शर्मा (27), नीतीश कुमार (19) और नीरज कुमार (21) के रूप में हुई है।

मौके पर अफरातफरी

जानकारी के अनुसार, पिपरा वासा निवासी काजो शर्मा, पिता महादेव शर्मा, मजदूरी के साथ टेंट लगाने का काम करते थे। डाक बम सेवा के दौरान वह बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान उसराहा पुल पर सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, काजो शर्मा उसराहा पुल से अपने घर बैलदौर थाना क्षेत्र के पिपरा वासा लौट रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर सवार नीतीश कुमार और नीरज कुमार बैलदौर से उसराहा पुल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल ट्रेन सेवा हुई बहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-खगड़िया-मानसी-सहरसा-बनमनखी के रास्ते पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के बीच गाड़ी संख्या 03216/03215 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का सप्ताह में पांच दिन परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 1, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 3, शयनयान श्रेणी के 10 और साधारण श्रेणी के 4 कोच के साथ एसएलआर के 2 कोच समेत कुल 20 कोच होंगे।

गाड़ी संख्या 03216 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल का परिचालन 17 अगस्त से 16 सितंबर 2026 तक सप्ताह में पांच दिन, बुधवार और शनिवार को छोड़कर किया जाएगा।

यह ट्रेन पाटलिपुत्र से रात 11 बजे रवाना होकर 23:30 बजे सोनपुर, 23:42 बजे हाजीपुर, अगले दिन 00:55 बजे मुजफ्फरपुर, 02:00 बजे समस्तीपुर, 03:53 बजे खगड़िया, 04:10 बजे मानसी, 05:55 बजे सहरसा और 07:38 बजे बनमनखी रुकते हुए सुबह 08:30 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 03215 पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का परिचालन 18 अगस्त से 17 सितंबर 2026 तक सप्ताह में पांच दिन, गुरुवार और रविवार को छोड़कर किया जाएगा।

ट्रेन पूर्णिया कोर्ट से 09:10 बजे रवाना होकर बनमनखी, मुरलीगंज, दौरम मधेपुरा, सहरसा, सिमरी बख्तियारपुर, मानसी, खगड़िया, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और सोनपुर रुकते हुए 17:45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी।

जमशेदपुर के शोधार्थियों ने खोजा बैटरी रिसाइकिलिंग का नया तरीका

बैटरी कचरे से मूल्यवान धातुओं की होगी रिकवरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। एनआईटी जमशेदपुर के मेटलर्जी एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी अभिलाष मिश्रा ने लिथियम-आयन बैटरियों के टिकाऊ और किफायती रीसाइक्लिंग में महत्वपूर्ण शोध कार्य पूरा किया है। उन्होंने अपने शोध-प्रबंध पर सफलतापूर्वक अपनी पीएचडी का बचाव किया।

यह महत्वपूर्ण शोध कार्य एनआईटी जमशेदपुर के मेटलर्जी एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीना साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पीएचडी डिफेंस के दौरान प्रो. पी.के. झा ने ऑनलाइन बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर विभागीय शोध समिति के चेयरमैन व विभागाध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर चौधरी, पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रंजीत प्रसाद, डॉ. रामा कृष्णा, डॉ. बिनय कुमार, डॉ. मोनालिसा मंडल और डॉ.

रेणु कुमारी सहित संस्थान के कई शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों, पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के बढ़ते उपयोग के कारण इस्तेमाल हो चुकी लिथियम-आयन बैटरियों का निपटान एक बड़ी पर्यावरणीय चुनौती बन गया है। अभिलाष मिश्रा के इस शोध का मुख्य उद्देश्य ऐसी बैटरियों से लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज जैसी मूल्यवान एवं सामरिक धातुओं को सुरक्षित और किफायती तरीके से रिकवर करना है।

यह प्रस्तावित प्रक्रिया बैटरी कचरे को पुनः उपयोग योग्य कच्चे माल में बदलने में सक्षम है, जिससे पारंपरिक खनन पर निर्भरता कम होगी। शोध के परिणामों से एक ऐसी क्लोज्ड-लूप रीसाइक्लिंग प्रणाली विकसित करने में मदद मिलेगी, जिसके तहत बैटरियों से निकाली गई धातुओं को पुनः बैटरी निर्माण की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल किया जा सकेगा।

यह तकनीक न केवल संसाधनों की अधिकतम रिकवरी सुनिश्चित करती है, बल्कि कचरे की मात्रा में भारी कमी लाती है।

इसके अतिरिक्त, यह मॉडल भारत की सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत करने और महत्वपूर्ण कच्चे माल की टिकाऊ आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पीएचडी की उपाधि पूरी होने पर अभिलाष मिश्रा ने अपने माता-पिता, शोध मार्गदर्शक डॉ. रीना साहू, एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक डॉ. गौतम सुत्रधर, डॉ. मसूद खाजेनूरी डॉ. रंजीत प्रसाद, विभागाध्यक्ष डॉ. सी.एस. चौधरी और अपने सभी सहयोगियों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया।

पैसे के विवाद में लाइन होटल में खूनी खेल, दो घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। महुआ थाना क्षेत्र के कुशहर पेट्रोल पंप के पास स्थित एक लाइन होटल में रविवार देर रात खाने के पैसे को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ा कि 6 से 7 राउंड फायरिंग कर दी गई। गोली लगने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किए हैं। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार घायलों की पहचान छतवारा गांव निवासी सतीश कुमार गुप्ता 56 वर्ष, पिता स्व. रामपरीछन साह और राजीव कुमार 33 वर्ष, पिता स्व. प्रफुल साह के रूप में हुई है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि देर रात कुछ लोग होटल में खाना खाने आए थे। खाना खाने के बाद पैसे के भुगतान को लेकर होटल संचालक और ग्राहकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और उसके बाद अंधाधुंध फायरिंग की गई। होटल के पास दुकान चलाने वाले रंजन कुमार ने बताया कि कुछ लोग खाना खाने के बाद रुपए को लेकर झगड़ा करने लगे।

मारपीट के दौरान ही फायरिंग शुरू हो गई जिसमें उनके चाचा और भाई जख्मी हो गए। रंजन ने कहा कि फायरिंग करने वाले युवकों को वह चेहरे से पहचानते हैं, लेकिन नाम नहीं जानते।

फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।महुआ पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि होटल संचालक और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है।

दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर बाइक रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। कानून बनाने और उसका पालन कराने की जिम्मेदारी जिन जनप्रतिनिधियों पर होती है, जब वही सार्वजनिक कार्यक्रम में यातायात नियमों की अनदेखी करें तो कई सवाल खड़े होते हैं। पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि पर गयाजी से निकली बाइक रैली में बड़ी संख्या में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बिना हेलमेट सफर किया। पूरे रास्ते पुलिस की मौजूदगी रही, लेकिन किसी ने नियमों का पालन कराने की कोशिश नहीं की। अमर उजाला के सवाल पर बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने माना कि सभी को हेलमेट पहनना चाहिए।

गयाजी के भुसंडा खेल मैदान से पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गहलौर घाटी के लिए विशाल बाइक रैली निकाली गई। हर वर्ष की तरह इस बार भी रैली का नेतृत्व हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने किया। बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन, अतरी विधायक रोहित कुमार समेत कई नेताओं ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली शुरू होते ही यातायात नियमों की अनदेखी साफ दिखाई दी। एक-दो लोगों को छोड़ दें तो अधिकांश बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था। बाइक पर सवार नेताओं और कार्यकर्ताओं का काफिला शहर की सड़कों से होकर गुजरा। यह दृश्य उस समय देखने को मिला, जब सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

रैली के दौरान जगह-जगह पुलिस बल तैनात था। इसके बावजूद बिना हेलमेट चल रहे किसी भी बाइक सवार को न तो रोका गया और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई। इससे सवाल उठने लगा कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में यातायात नियमों के पालन को लेकर प्रशासन अलग रवैया अपनाता है।

शहर को सुंदर बनाने में खर्च होंगे 220 करोड़

22 एकड़ में डंपिंग यार्ड, पार्क, रोशनी और जलापूर्ति पर भी फोकस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। नगर निगम की मेयर डा. बसुंधरा लाल ने स्वतंत्रता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 15 अगस्त महज एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी आजादी का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की बाजी लगा दी। आजादी के 80वें वर्ष के सफर में भागलपुर ने बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी प्रगति की है।

उन्होंने ये बातें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को नगर निगम कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद कहीं। इससे पूर्व वंदे मातरम गीत के कुछ छंद प्रस्तुत किए गए।

मेयर ने आगे कहा कि भागलपुर को स्वच्छ, सुंदर और सर्वांगीण रूप से विकसित करने के लिए निगम लगातार प्रयास कर रहा है। शहर की मलिन बस्तियों को मुख्यधारा में लाने के लिए निगम ने करीब 32 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। अब मलिन बस्तियों को निर्मल बस्ती के रूप में विकसित किया गया है।

उन्होंने बताया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 220 करोड़ रुपये की निविदा की गई है। इसके तहत प्रत्येक घर से कचरा उठाकर सीधे डंपिंग ग्राउंड ले जाकर उसका प्रसंस्करण किया जाएगा।

डंपिंग ग्राउंड के लिए निगम को 22 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। यहां एमआरएफ, बायोगैस प्लांट के साथ आवारा कुत्तों के इलाज की व्यवस्था भी मुहैया कराई जाएगी।

मेयर ने कहा कि शहर के गेंदखाना, टीएनबी कालेजिएट स्कूल परिसर और हाउसिंग बोर्ड परिसर में पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। तिलकामांझी चौक का सुंदरीकरण और चौड़ीकरण भी किया जा रहा है।

शहर में रोशनी की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 5000 लाइटें लगाई जाएंगी। शहर में 410 प्याऊ बनाए गए हैं। कई डीप बोरिंग का निर्माण भी कराया गया है।

गंगा की अविरल धारा के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा बरारी वाटर वर्क्स में नए जलशोधन प्लांट का निर्माण हुआ है। वर्तमान में नौ जलमीनारों से लोगों को पानी मिल रहा है। आने वाले दिनों में सभी जलमीनारों से जलापूर्ति शुरू की जाएगी।

बारिश से मौसम हुआ सुहाना

पटना। बिहार में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। सावन के तीसरे सोमवार को पटना समेत कई जिलों में जमकर बारिश हुई। पटना में आज सुबह से ही धूप छांव का खेल जारी था। दोपहर 12 बजते ही झमाझम बारिश होने लगी। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने मंगलवार को राज्य के 12 जिलों के कुछ हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो से तीन घंटे के दौरान इन इलाकों में मध्यम दर्जे का गरज-चमक वाला तूफान, आकाशीय बिजली और बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के तत्कालिक मौसम चेतावनी बुलेटिन के अनुसार बेगूसराय, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, समस्तीपुर, सारण, शिवहर, सीतामढ़ी और वैशाली जिले के कुछ हिस्सों में मौसम खराब रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में वैशाली जिले के सभी 16 प्रखंड शामिल हैं।

तीसरी सोमवारी को शिवालयों में उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। सावन की तीसरी सोमवारी पर भोर करीब चार बजे मंगला आरती के बाद भोले भंडारी के दरबार श्रद्धालुओं के लिए खुलते ही हर-हर महादेव और बोलबम के जयघोष से शिवालय गूंज उठे।

सुबह हुई श्रावणी फुहार को देखकर ऐसा लगा, मानो इंद्रदेव भी देवों के देव महादेव का जलाभिषेक कर रहे हों। बारिश के बावजूद विभिन्न शिवालयों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए पौराणिक एवं प्रसिद्ध रामरेखाघाट स्थित श्री रामेश्वर नाथ मंदिर, चरित्रवन स्थित श्री आदिनाथ अखाड़ा (नाथ बाबा घाट) के महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

इसी तरह जेल रोड स्थित सोमेश्वर नाथ मंदिर, वामनेश्वर महादेव मंदिर, सोहनीपट्टी स्थित श्री गौरीशंकर मंदिर, सिविल लाइन स्थित सिद्धेश्वरनाथ मंदिर तथा अंबेडकर चौक के निकट स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली।

मंदिरों के पुजारियों ने शिवलिंग का विभिन्न रंगों के फूल-मालाओं, बिल्वपत्र और चंदन आदि से मनोहारी शृंगार किया। रामेश्वर नाथ मंदिर के पुजारी विक्की बाबा ने बताया कि संध्या आरती के दौरान भी बाबा का विशेष शृंगार किया जाएगा।

भोले भंडारी का जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। कतारबद्ध होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

श्रद्धालुओं के उल्लास से मंदिर परिसर पूरी तरह शिवमय नजर आया। हाथों में पूजन सामग्री लिए भक्तों के मुख से 'ओम नमः शिवाय', 'हर-हर महादेव' और 'बोलबम' के जयघोष लगातार गूंजते रहे।

श्रद्धालुओं के चेहरों पर शिवदर्शन की आतुरता साफ झलक रही थी। पुजारी गोवर्धन पांडेय ने कहा कि श्रद्धालुओं ने दूध और जल से शिवलिंग का अभिषेक करते हुए अपनी अटूट आस्था अर्पित की।

सावन की चौथी एवं अंतिम सोमवारी 24 अगस्त को होगी। अंतिम सोमवारी होने के कारण उस दिन श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

राज्य में 725 स्थानों पर बनेंगे ग्रामीण हाट : श्रवण कुमार

सभी जिलों से जल्द प्रस्ताव भेजने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग और नाबार्ड के बीच विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अभिसरण की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में राज्य में ग्रामीण हाट बाजार के निर्माण समेत ग्रामीण विकास, आजीविका संवर्धन, आधारभूत संरचना, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने से जुड़े कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि राज्य में ग्रामीण हाट बाजार विकसित करने के लिए 725 स्थान चिन्हित किए गए हैं। उन्होंने चिन्हित स्थलों की समुचित समीक्षा कर निर्माण प्रक्रिया जल्द शुरू करने तथा सभी जिलों से प्रस्ताव तैयार कर नाबार्ड को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ग्रामीण हाट के लिए 20 डिसमिल, 50 डिसमिल और एक एकड़ क्षेत्रफल वाले तीन मॉडल को अंतिम रूप से मंजूरी दी गई है जिससे हाटों के निर्माण में एकरूपता बनी रहेगी। नाबार्ड की वित्तीय सहभागिता से प्रथम चरण में 20 से 49 डिसमिल क्षेत्रफल वाले एक-एक ग्रामीण हाट के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सभी जिलों को स्थान की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए गूगल शीट जारी की गई है। 20 डिसमिल से अधिक क्षेत्रफल वाले हाटों के निर्माण के लिए अररिया, बांका, भागलपुर, कटिहार, मधेपुरा, सुपौल और समस्तीपुर से प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। श्रवण कुमार ने कहा कि ग्रामीण हाट के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 40 लाख रुपये प्रस्तावित हैं। राशि बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को भेजा गया है। योजना में पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों, अनुसूचित जनजाति और बकरी पालन को लेकर विशेष प्रावधान किए गए हैं। दूधारू बकरी पालन को प्रोत्साहित करने की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि हाटों के निर्माण से जीविका दीदियों को अपने उत्पाद सीधे बाजार तक पहुंचाने और बेचने में सुविधा होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलेगा तथा दीदियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नाबार्ड बिहार क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने ग्रामीण विकास को मजबूत करने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता दोहराते हुए तकनीकी, वित्तीय और संस्थागत सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, गौतम कुमार सिंह तथा विभाग और नाबार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशांत किशोर को अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दिलायी शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधान सभा क्षेत्र के उपचुनाव में निर्वाचित सदस्य प्रशांत किशोर ने बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के समक्ष उनके कार्यालय कक्ष में शपथ ग्रहण किया। शपथ ग्रहण के उपरांत अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रशांत किशोर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा जनप्रतिनिधि के रूप में उनके सफल कार्यकाल की कामना की। अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित प्रत्येक जनप्रतिनिधि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्हें अपने क्षेत्र की जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को सदन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाने तथा राज्य के विकास में सकारात्मक योगदान देने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर सभा सचिवालय की प्रभारी सचिव सहित वरीय पदाधिकारीगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आवाज उठाने के कारण बाबू देवशरण सिंह को जेल की यातनाएं सहनी पड़ी : मंत्री श्रवण कुमार

महान स्वतंत्रता सेनानी और विधान परिषद के पूर्व सभापति बाबू देवशरण सिंह की 126 वीं जयंती मनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। महान स्वतंत्रता सेनानी और बिहार विधान परिषद के पूर्व सभापति बाबू देवशरण सिंह की 126 वीं जयंती सोमवार को विधानसभा परिसर में मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री और जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिएउ अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर सेनानी देव शरण बाबू की जयंती पर हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि आज के दिन एक महान व्यक्तित्व को याद करने का दिन नहीं है बल्कि उस संघर्ष, त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन करने का दिन है, जिसके बदौलत हमारा देश स्वतंत्र हुआ। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि देव शरण बाबू का जीवन भारत की स्वतंत्रता की उस गौरवशाली गाथा का हिस्सा ह, जिसमें हजारों, लाखों देश भक्तों ने अपने सुख, परिवार और व्यक्तिगत जीवन की चिंता किए बिना मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। उन्होंने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए असहयोग आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आवाज उठाने के कारण उन्हें जेल की यातनाएं सहनी पड़ी। अंग्रेजों ने उन्हें वर्फ की सीली पर लिटाकर अमानवीय यातनाएं दी, लेकिन देवशरण बाबू ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने शरीर की पीड़ा से उपर भारत की स्वतंत्रता के लक्ष्य को रखा था। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए देव शरण बाबू का जीवन विशेष रूप से प्रेरणादायी है। आज हमारे सामने स्वतंत्रता आंदोलन जैसी परिस्थितियां नहीं है, लेकिन देश और समाज के माने नई चुनौतियां अवश्य है।

बाबू देवशरण सिंह का व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

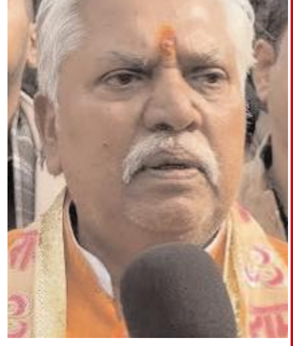

पटना। बाबू देवशरण सिंहकी 126वीं जयंती समारोह के अवसर पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उन्हें भावपूर्ण नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबू देवशरण सिंह का संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र और जनसेवा के प्रति समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व सादगी, समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति और सामाजिक सरोकारों का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने जीवनभर समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के हितों के लिए आवाज उठाई तथा सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी महापुरुष की वास्तविक पहचान उनके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उनके विचारों, कर्मों और समाज पर पड़े सकारात्मक प्रभाव से होती है। बाबू देवशरण सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देता है कि समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निष्ठा, ईमानदारी और त्याग की भावना आवश्यक है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने 'दैनिक दिनचर्या' पुस्तक का किया विमोचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

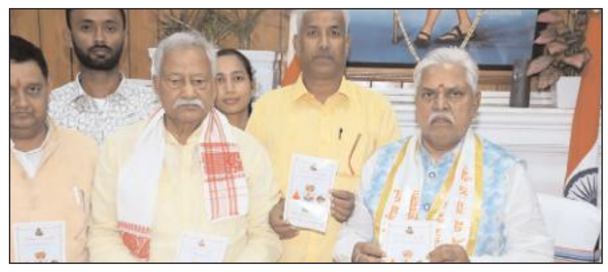

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में कृषि-शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. अभय नाथ सिंह द्वारा लिखित पुस्तक 'दैनिक दिनचर्या (हर घर के लिए एक उपयोगी पुस्तक)' का विमोचन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक हर घर के दैनिक उपयोग के लिए अत्यंत उपयोगी और अनुकरणीय सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि पुस्तक में जीवनशैली, अनुशासन और दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न उपयोगी विषयों को शामिल किया गया है जो समाज के सभी वर्गों के लिए मार्गदर्शक साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यवस्थित और अनुशासित दिनचर्या का विशेष महत्व है। ऐसे में दैनिक जीवन से जुड़े उपयोगी विषयों को सरल रूप में प्रस्तुत करने वाली यह पुस्तक आम लोगों के लिए लाभकारी हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, पुस्तक के लेखक डॉ. अभय नाथ सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने भी पुस्तक को जनोपयोगी बताते हुए लेखक को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में लेखक डॉ. अभय नाथ सिंह ने पुस्तक के विमोचन के लिए विधानसभा अध्यक्ष एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक समृद्धि के अवसर पहुंचाएं बैंककर्मी : मुकुल सहाय

बिहार ग्रामीण बैंक के प्रधान कार्यालय में ध्वजारोहण, अध्यक्ष ने ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश की आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिहार ग्रामीण बैंक के प्रधान कार्यालय, पटना में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैंक के अध्यक्ष मुकुल सहाय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बैंक के सभी महाप्रबंधक, अधिकारी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद अध्यक्ष मुकुल सहाय ने उपस्थित बैंककर्मियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने कहा कि बैंक कर्मियों का दायित्व है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक समृद्धि के अवसर पहुंचाए जाएं, ताकि समाज के चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने बैंककर्मियों को अपने कार्यों के माध्यम से देश सेवा के महत्व को समझने और पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। श्री सहाय ने कहा कि बिहार ग्रामीण बैंक को महात्मा गांधी की सादगी और सरलता के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए ग्रामीण और जरूरतमंद लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक अपने स्थापना के मूल उद्देश्य 'ग्रामीण विकास हमारी प्रतिबद्धता' के अनुरूप लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए दृढ़ संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि बिहार ग्रामीण बैंक वर्तमान में बिहार के सभी 38 जिलों में 2101 शाखाओं के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने के साथ-साथ उनके आर्थिक विकास में प्रभावी भूमिका निभाना है। कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और विकास में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।

पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर- खगड़िया-मानसी-सहरसा-बनमनखी के रास्ते पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के मध्य गाड़ी सं. 03216/03215 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का सप्ताह में पांच दिन परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 10 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 20 कोच हैं। गाड़ी सं. 03216 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल का परिचालन 17 अगस्त, 2026 से 16 सितम्बर, 2026 तक सप्ताह में पांच दिन बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर किया जाएगा।

केवाइपी केंद्रों पर शीघ्र प्रशिक्षण शुरू करने की मांग

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित मंत्री व अधिकारियों से मिला प्रतिनिधिमंडल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/वैशाली। कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) बचाव अभियान के तहत केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा के नेतृत्व में केवाईपी केंद्र संचालकों के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, बिहार कौशल विकास मिशन के निदेशक मनीष शंकर सहित कई अधिकारियों से मुलाकात कर केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में इं. राहुल कुमार, विजय कृष्ण, सुमित कुमार, सन्नी कुमार, स्वाति सहित कई केवाईपी केंद्र संचालक शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात के दौरान केवाईपी केंद्रों के वर्तमान स्थिति से संबंधित विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से रखा।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण कार्य लंबे समय से प्रभावित होने के कारण बड़ी संख्या में युवाओं की कौशल शिक्षा बाधित हो रही है। ऐसे में केंद्रों को अविलंब चालू कर प्रशिक्षण एवं नामांकन की प्रक्रिया पुनः शुरू करना आवश्यक है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि कुशल युवा कार्यक्रम बिहार के युवाओं को कंप्यूटर, संचार एवं व्यवहार कौशल से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण योजना है। इसके माध्यम से लाखों युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण का अवसर मिला है। इसलिए केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, बिहार कौशल विकास मिशन के निदेशक मनीष शंकर सहित संबंधित अधिकारियों से केवाईपी केंद्रों को अविलंब सक्रिय करने और प्रशिक्षण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के लिए ठोस पहल करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल को उम्मीद है कि सरकार एवं विभाग द्वारा युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण व्यवस्था शीघ्र बहाल की जाएगी।

ऊर्जा योजना की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव का अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में राज्य में संचालित प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष राशन कार्ड अभियान तथा ऊर्जा विभाग की 'पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना' की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया गया। विशेष अभियान के तहत राशन कार्ड आवेदन निष्पादन की स्थिति - खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने राशन कार्ड निर्गमन की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे और तेज करने का निर्देश दिया। विशेष अभियान के तहत राज्य भर में 13,93,704 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से जांच के उपरांत 11,83,792 आवेदन पात्र पाए गए हैं।

बिहार के सभी हृदय शल्य चिकित्सकों को एक मंच पर लाने के लिए संगठित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के चिकित्सा इतिहास में पहली बार राज्य के सभी हृदय शल्य चिकित्सकों को एक मंच पर लाते हुए 'एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जन्स, बिहार' का गठन किया गया। पटना के होटल मौर्या में 14 अगस्त की शाम आयोजित कार्यक्रम में संगठन की औपचारिक स्थापना हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट सचिवालय विभाग के विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव तथा आयुष्मान भारत, बिहार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कुमार वर्मा थे। संगठन का उद्देश्य हृदय शल्य चिकित्सा के लिए बिहार से मरीजों के दूसरे बड़े शहरों की ओर पलायन रोकना और राज्य को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाना है। संगठन के सचिव डॉ. धीरज शांडिल्य ने बताया कि करीब 12 करोड़ आबादी वाले बिहार में केवल 15 से 20 हृदय शल्य चिकित्सक हैं। विश्व में इनकी संख्या लगभग 15 से 16 हजार और भारत में करीब 1500 से 1600 है। उन्होंने कहा कि बिहार की आर्थिक तंगी के कारण गरीब हृदय रोगियों की स्थिति और कठिन हो जाती है। ऐसे में आयुष्मान भारत योजना उनके लिए संजीवनी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा 'बिहार का हृदय आयुष्मान भारत योजना के बिना स्वस्थ नहीं हो सकता।' संगठन के अध्यक्ष और एम्स पटना के हृदय शल्य चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि बिहार में अब पटना के अलावा बेगूसराय में भी हृदय शल्य चिकित्सा शुरू हो चुकी है। एम्स पटना और आईजीआईएमएस में हृदय शल्य चिकित्सा की एमसीएच पढ़ाई भी शुरू हो गई है। अरविंद कुमार वर्मा ने चिकित्सकों को बधाई देते हुए आयुष्मान भारत योजना से अधिक लोगों को जोड़ने का आहवान किया। उन्होंने चिकित्सकों से कर्मचारियों को दस्तावेजीकरण की सही प्रक्रिया का प्रशिक्षण देने और अपने स्वास्थ्य सुविधा प्रतिष्ठान का पंजीकरण कराने की अपील की। संगठन में डॉ. संजीव कुमार अध्यक्ष, डॉ. मनमोहन उपाध्यक्ष, डॉ. धीरज शांडिल्य सचिव, डॉ. कुणाल कृष्णा और डॉ. प्रगति कपूर उपसचिव तथा डॉ. संतोष पांडे कोषाध्यक्ष चुने गए। डॉ. लक्ष्मी सिन्हा और डॉ. प्रगति कपूर बिहार की दो महिला हृदय शल्य चिकित्सक हैं तथा दोनों एम्स पटना में सहायक प्रोफ़ेसर हैं। कार्यक्रम में आईजीआईएमएस के डॉ. सील अवनीश, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. कुमार आदित्य, डॉ. बीरबल झा, डॉ. आमिर काज़मी, डॉ. एस.एस. चटर्जी, जीवक अस्पताल के डॉ. अरविंद, डॉ. तुषार, डॉ. माधव, डॉ. प्रवीर और आईजीआईएमएस के डॉ. आंद्रे समेत कई चिकित्सक उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

राजद ने मनाई दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में सोमवार को पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के दीपक कुमार मांझी ने की, जबकि संचालन मंटू मांझी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष एवं राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने दशरथ मांझी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी ने दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति के बल पर पहाड़ काटकर रास्ता बनाया और समाज के सामने मिसाल कायम की। उनका जीवन संघर्ष और संकल्प की प्रेरणा देता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि दशरथ मांझी के योगदान को सम्मान देने के लिए पटना के किसी प्रमुख चौराहे पर उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए।

आइटीएल ग्रेटर नोएडा में बनाएगा 25 एकड़ का ग्लोबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 25 एकड़ का नया ग्लोबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आईटीएल मैनेजमेंट के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया। यह ग्रीनफील्ड सुविधा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप टेक्नोलॉजी और किसानों पर केंद्रित इनोवेशन के लिए ग्लोबल एडवांस्ड इंजीनियरिंग हब के रूप में विकसित की जाएगी। यहां इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और किसानों के व्यावहारिक अनुभव को जोड़कर भारतीय एवं वैश्विक बाजारों के लिए उन्नत कृषि समाधान विकसित किए जाएंगे। यह नया केंद्र उच्च-मूल्य इंजीनियरिंग, कौशल विकास, रोजगार सृजन और तकनीक-संचालित औद्योगिक प्रगति के माध्यम से उत्तर प्रदेश के इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूती देने में भूमिका निभाएगा। रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा ग्रेटर नोएडा में आईटीएल की नई 25 एकड़ की ग्लोबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फैसिलिटी कृषि इनोवेशन के अगले दौर को आकार देने की दिशा में एक अहम कदम है।

आरसीएम ने मनाया नारी शक्ति, उपलब्धि और आत्मनिर्भरता का उत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में 15 और 16 अगस्त को आयोजित स्पेशल वूमेन्स एकेडमी 2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। 'हर नारी सम्मान की अधिकारी' की थीम पर आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ स्वास्थ्य, नेतृत्व, आत्मविश्वास, खेल भावना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह की शुरुआत पथ संचलन और ध्वजारोहण से हुई जिसमें स्कूली बच्चियों की प्रस्तुति और देशभर की विविध संस्कृतियों को दर्शाती सांस्कृतिक प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहीं। स्पेशल वूमेन्स एकेडमी के पहले दिन आयोजित सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आरसीएम के संस्थापक टी.सी. छाबड़ा और मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। संस्थापक टी.सी. छाबड़ा ने कहा आरसीएम ने अपनी शुरुआत से ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी पहचान बनाने के अवसर मिले।

टिकट चेकिंग अभियान में 245 बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्री पकड़े गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल उचित टिकट/प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत है। इस संबंध में बिना टिकट/उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध दानापुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग कार्य सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर के निर्देशनुसार दानापुर मंडल के पटना-पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के बिहटा स्टेशन पर वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ की एक विशेष टिकट चेकिंग टीम बनाकर एक विशेष टिकट चेकिंग स्पेशल ट्रेन (लाल गाड़ी) के साथ एक सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान इस स्टेशन से गुजरने वाली लगभग सभी ट्रेनों को प्रमुखता से चेक किया गया। इस विशेष लाल गाड़ी टिकट चेकिंग अभियान में 245 बिना टिकट/अनियमित टिकट वाले यात्रियों से जुर्माने के रूप में 162795/- रुपए रेल राजस्व अर्जित किया गया। इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप पटना-पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के सभी स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की बढी हुई भीड़ देखी गई और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए।

संपादकीय

नेताओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल, हिंसक हमलों ने बढ़ाई सियासी चिंता

सुखबीर सिंह बादल पर उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में एक गुरुद्वारे के पास हमले के बाद, अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल को अपने दाहिने हाथ पर कपड़ा लपेटे हुए एक इमारत के अंदर जाते देखा गया। एक सप्ताह के भीतर अलग-अलग राजनीतिक दलों के दो नेताओं पर जिस तरह से हिंसक हमले हुए हैं, उससे सियासी गलियारों में एक अलग तरह की चिंता पैदा हो गई है। हाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार पर भीड़ का हमला और अब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर किरपाण से वार करने की घटनाओं ने प्रमुख नेताओं की निजी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सरकार की ओर से ऐसे नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाती है, लेकिन सुरक्षा का यह घेरा क्या इतना कमजोर होता है कि कोई भी उसमें सेंध लगा सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हिंसा या प्रतिशोध से किसी समस्या का समाधान हो सकता है? किसी भी राजनीतिक दल या उसके नेता के विचारों एवं कार्यों से असहमति व्यक्त की जा सकती है, लेकिन इसे तभी उचित ठहराया जा सकता है, जब यह नियम-कानून की सीमा के दायरे में हो।गौरतलब है कि सुखबीर सिंह बादल पर बीते गुरुवार को उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। एक शख्स ने अचानक किरपाण से उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। हालांकि बाद में पुलिस कर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन हैरत इस बात की है कि सुखबीर को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? यह पहली बार नहीं है जब उन पर इस तरह का हमला हुआ है, वर्ष 2024 में भी स्वर्ण मंदिर में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, नांदेड़ गुरुद्वारे में हमले का आरोपी वहां दो साल से सेवादार के रूप में काम कर रहा था। इस घटना को लेकर पुलिस जांच में तेजी और गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन बाद भी हमले के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है।पंजाब में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं और ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से भी यह घटना बेहद संवेदनशील है। राज्य में अलगाववादी ताकतें फिर से सिर न उठा पाएं, इसकी जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों की है।

तप- धैर्य, साधना और श्रेष्ठता की अनदेखी ताकत

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं।

(सदाशिव श्रेत्रिय)

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं। ऐसे अनेक तपस्वी भी हुए हैं, जिन्हें व्यापक प्रसिद्धि नहीं मिली, पर जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। सोने को तपाने से जैसे उसकी चमक बढ़ती है, वैसे ही तप मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारता है। संगीत, योग, साहित्य, भक्ति और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता का आधार भी दीर्घकालीन तप ही रहा है। पंडित रविशंकर ने अपनी आत्मकथा में अपने गुरु उस्ताद अलाउद्दीन खां के कठोर अभ्यास का जो वर्णन किया है, वह बताता है कि किसी क्षेत्र में सिद्धि बिना तप के संभव नहीं।

तप के ऐसे पक्ष जिन पर कम ध्यान दिया जाता

तप के दो ऐसे पक्ष हैं जिन पर आज कम ध्यान दिया जाता है। पहला, तप के लिए समय चाहिए, जबकि आज अधिकांश लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। दूसरा, तप का सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्ति के भीतर होता है, जो बाहर से तुरंत दिखाई नहीं देता। आज सफलता का मूल्यांकन लोकप्रियता, धन और बाजार की कसौटी पर होने लगा है। जबकि श्रेष्ठता और लोकप्रियता हमेशा एक-दूसरे की पर्याय नहीं होतीं। पतंजलि के योगसूत्र में तप को 'नियम' का आवश्यक अंग माना गया है और क्रियायोग के तीन प्रमुख तत्वों- तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान में उसको स्थान दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय चिंतन में तप केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि आत्म-विकास का अनिवार्य साधन रहा है।

तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा

हमारे समाज में तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा। उपवास, व्रत, सेवा, अनुशासन और त्याग उसी के रूप हैं। माता-पिता बच्चों को दूसरों के लिए कष्ट उठाने की शिक्षा देते थे, शिक्षक अपने शिष्यों को विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करते थे और विद्यार्थी आज की तरह किन्हीं दर्ज बिंदुओं पर आश्रित न रह कर मूल ग्रंथों का अध्ययन करते थे। सेवा को भी तप का रूप माना जाता था।

एक परिचित ने अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा को जीवन का प्रमुख दायित्व माना जबकि उसके अन्य भाइयों ने उसमें विशेष रुचि नहीं ली। यह सेवा-तप का एक प्रेरक उदाहरण था। किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण और उसके लिए धैर्य का धारण भी तप ही है। कई लोग किसी लक्ष्य का निर्धारण तो कर लेते हैं, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए जिस मार्ग पर चलना पड़ता है, उस पर चलने का धैर्य नहीं रखते। ऐसे में मन में जिस तरह की हड़बड़ी या जल्दी मचती है, उसके नतीजे में या तो लक्ष्य की ओर का यह सफर अधूरा रह जाता है या फिर व्यक्ति रास्ता भटक कर कहीं और पहुंच जाता है।

आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता जा रहा

इसके बाद एक समस्या और आती है। अपनी चूक पर गौर नहीं करने के बाद या तो लक्ष्य को या फिर रास्ते को कठघरे में खड़ा किया जाता है। जबकि सच यह है कि आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता दिखाई देता है। आलस्य, आरामतलबी और त्वरित सफलता की इच्छा बढ़ रही है। विद्यार्थी गहन अध्ययन के स्थान पर संक्षिप्त रास्ता खोजते हैं। त्याग, सादगी, मितव्ययिता और तप जैसे मूल्य पहले जितने आदरणीय नहीं रहे। जीवन का आदर्श अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त करना बनता जा रहा है। इस सुविधा-प्रधान जीवनशैली को ही प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है।

कुछ लोग तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और परिवार-संरचना में परिवर्तन को इसका कारण मानते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था व्यक्ति को इतना धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य में बिना श्रम के जीवनयापन संभव हो सके।परिणामस्वरूप सुखवाद और आरामतलबी बढ़ती है और तप का महत्त्व घटता जाता है। बिना परिश्रम अधिक आय प्राप्त करने के प्रलोभन देने वाली अनेक योजनाएं इसी मानसिकता का उदाहरण हैं।

गीता में क्या है राजसी तप?

आज अगर व्यक्ति कठिन परिश्रम भी करता है तो आमतौर पर उसका उद्देश्य धन, पद या सत्ता प्राप्त करना होता है। गीता की भाषा में इसे राजसी तप कहा जा सकता है, पर यह सात्विक तप नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किया गया कठोर श्रम भी अक्सर भविष्य के व्यक्तिगत लाभ का निवेश होता है। उसमें आत्मिक उन्नति, चरित्र-निर्माण या लोक-कल्याण का भाव अनिवार्य रूप से उपस्थित नहीं होता।

तप के अभाव में मनुष्य की गुणवत्ता का भी ह्रास होता है। केवल आर्थिक सफलता के लिए किया गया परिश्रम किसी व्यक्ति को संयमी, इंद्रियनिग्रही और निस्वार्थ नहीं बना सकता। जब समाज में तप का आदर्श कमजोर पड़ता है, तब मनुष्य स्वयं भी अधिक उपयोगी और संवेदनशील नहीं रह जाता। यह भी विचारणीय है कि कहीं हमारी दुनिया इतनी असंवेदनशील तो नहीं होती जा रही कि किसी के त्याग और कष्ट से न प्रेरणा मिलती है, न करुणा।

अगर समाज को दीर्घकालीन नैतिक और मानवीय शक्ति चाहिए, तो तप को फिर से एक आदर्श मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा।

तप केवल कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने और व्यापक हित के लिए समर्पित करने की वह साधना है, जिसके बिना व्यक्ति और समाज दोनों का वास्तविक उत्थान संभव नहीं।

क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

(कमलेश पांडे)

ऐसे में सीधा सवाल है कि आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया? वस्तुतः इसके मुख्यतः चार कारण सामने आए हैं- पहला, पीएम मोदी के वीडियो को हटाना – जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री का युवाओं से जुड़ा वीडियो अस्थायी रूप से फेसबुक से हट गया। मेटा ने इसे आपरेशन एरर बताया, लेकिन सरकार ने स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना।

भारत सरकार ने इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक का संचालन करने वाली कंपनी मेटा की मनमानी को अब नियंत्रित करने का निर्णय लिया है। इसी के दृष्टिगत उसे यह चेतावनी भी दी है कि उसे भारतीय कानूनों का पालन करना ही होगा। यही नहीं, सरकार ने मेटा से अपने एल्गोरिदम को लेकर भी जवाब तलब किया है।

इसका तात्पर्य है कि अब मेटा को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस सरकारी निर्देश का वास्तव में पालन हो, क्योंकि मेटा अथवा अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियां एलगोरिदम का मनमाना उपयोग करती हैं। एआइ के आगमन के बाद उनके लिए ऐसा करना और आसान हो गया है। इसलिए सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

वस्तुतः वैश्विक इंटरनेट कंपनियां एक विशेष एजेंडे का प्रचार-प्रसार करती हैं। अब इंटरनेट मीडिया कंपनियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग क्या देखें और क्या नहीं? मसलन, ऐसा करके वे लोगों के स्वस्थ चिंतन को प्रभावित कर रही हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि यह सब काम प्रायः संकीर्ण अंतर्राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है ताकि भारतीय हित प्रभावित होता रहे और कम्पनियों के लिए लाभदायक स्थिति निर्मित होती रहे।

यह एक तथ्य है कि इंटरनेट कंपनियां कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने का काम कर चुकी हैं। वे ऐसा भारत में भी कर चुकी हैं और इसका पता कैंब्रिज एनालिटिका मामले से चलता है। वैसे तो इंटरनेट मीडिया कंपनियां अपने को-सोशल मीडिया कहती हैं, लेकिन सच यह है कि वे असामाजिक और अराजक तत्वों को भी प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वे ध्रुवीकरण के साथ ही सामाजिक विभाजन की खाई भी चौड़ी कर रही हैं।

अलबत्ता, कई बार वे अपने गलत इरादों की पूर्ति करती हुई पाई गई हैं। पहले हर बार वे माफी मांगकर बच निकलती हैं। लेकिन इस बार भारत सरकार ने उनकी नकेल कसी है। लिहाजा सरकार को अब केवल माफी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि यदि कोई इंटरनेट मीडिया कंपनी अनुचित कार्य करती पाई जाए तो उसे वैसे ही कठोर दंड का भागीदार बनाया जाना चाहिए जैसे अनेक पश्चिमी देश समय-समय पर बनाते हैं और उन पर भारी जुर्माना लगाते हैं। अभी हाल में अमेरिका ने मेटा पर भारी जुर्माना लगाया। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने भी, हाल में मेटा ने प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने को लेकर जो माफी मांगी, उसे खारिज कर उचित ही किया। दरअसल, समस्या केवल यह नहीं कि मेटा ने किसी खास एजेंडे के तहत शरारतपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री के वीडियो को हटाया, बल्कि यह भी है कि उसने यह माना कि उसके प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के साथ-साथ डीपफेक वीडियो को बढ़ावा दिया गया। यह भी स्वीकारा कि उसने पैसे लेकर हानिकारक सामग्री को बढ़ावा दिया। मसलन, ये सब ऐसी हरकतें हैं, जिनके लिए मेटा अथवा अन्य इंटरनेट कंपनियों को जवाबदेह बनाना अनिवार्य है।

अब यह सही समय है कि भारत सरकार मेटा एवं अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाने के साथ ही इस पर भी विचार करे कि आखिर विदेशी इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर निर्भर रहना कहां तक उचित है? चूंकि सोशल मीडिया दुनिया भर में लोगों को लती/बीमार भी बना रही हैं, इसलिए इनकी बढ़ती प्रवृत्ति पर पुनर्विचार की जरूरत तो है ही!

इसी के मद्देनजर भारत सरकार की ताजा चेतावनी को लिया जाना चाहिए, जिसका का तत्काल कारण मेटा,फैसबुक द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटाया जाना है। लिहाजा, सरकार ने मेटा की यह सफाई कि वीडियो गलती से हट गया था, स्वीकार नहीं की और कहा कि मामला अभी सुलझा हुआ नहीं है।

आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया?

ऐसे में सीधा सवाल है कि आखिर सरकार ने मेटा को क्यों चेताया? वस्तुतः इसके मुख्यतः चार कारण सामने आए हैं- पहला, पीएम मोदी के वीडियो को हटाना – जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री का युवाओं से जुड़ा वीडियो अस्थायी रूप से फेसबुक से हट गया। मेटा ने इसे आपरेशन एरर बताया, लेकिन सरकार ने स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना। दूसरा, भारतीय कानून बनाम मेटा की ग्लोबल पालिसी – सरकार का स्पष्ट संदेश है कि भारत में काम करने वाली मेटा को अपनी वैश्विक नीतियों से ऊपर भारतीय कानूनों और नियामकीय निर्देशों का पालन करना होगा। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, रेड कॉरिडोर से रेड कारपेट पर रैंप वाक करने लगीं पूर्व नक्सली महिलाएं

(नीरज कुमार दुबे)

इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने भी इसे बस्तर के बदलते चेहरे की असाधारण तस्वीर बताया। कई यूजर्स ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक ऐसी तस्वीर की कल्पना करना भी कठिन था। किसी ने इसे सशक्तिकरण का वास्तविक रूप बताया तो किसी ने सवाल उठाया कि ऐसी कहानियों को व्यापक प्रचार क्यों नहीं मिलता। दरअसल, रैंप पर चलती ये महिलाएं उस बदलाव की प्रतिनिधि हैं, जो दशकों तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे जमीन पर आकार ले रहा है। बस्तर में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर खेल के मैदानों से भी सामने आई है। बस्तर ओलंपिक 2025 में 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि 700 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली और हिंसा से प्रभावित ग्रामीण 'नियो बात' यानी 'नया रास्ता' टीम के तहत खेलों में शामिल हुए। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी भी लगभग तीन गुना बढ़ी। यानी जिन इलाकों में कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब खेलों की तालियां सुनाई दे रही हैं।

कभी हथियार उठाकर चलने वाली इन महिलाओं ने आत्मसमर्पण के बाद हिंसा का रास्ता छोड़ा और समाज में लौटने का फैसला किया। आज इनमें से कई महिलाएं सामाजिक संगठनों के साथ काम कर रही हैं, नई आजीविका तलाश रही हैं और उन अवसरों को हासिल कर रही हैं, जो कभी उनके लिए दूर की बात थे।

रेड कॉरिडोर पर चलने वाले कदम अब रेड कार्पेट पर अपने जलवे बिखेर रहे हैं। कभी नक्सलियों की साथी रहने के दौरान हाथों में बंदूक थामकर बस्तर के घने जंगलों में भटकने वाली महिलाएं अब उसी आत्मविश्वास के साथ रैंप पर चल रही हैं, जहां उनके स्वागत में गोलियों की आवाज नहीं, तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही है। रायपुर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित ट्राइबल फैशन शो में पूर्व महिला माओवादियों ने हाथ से बुने परिधानों में रैंप वॉक कर एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसकी कुछ साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। यह सिर्फ फैशन शो नहीं था, बल्कि बंदूक से मुख्यधारा, हिंसा से विकास और भय से आत्मविश्वास तक बस्तर की बदलती कहानी का जीवंत प्रतीक था।

कभी बस्तर के जंगलों में हथियार उठाकर चलने वाली इन महिलाओं ने आत्मसमर्पण के बाद हिंसा का रास्ता छोड़ा और समाज में लौटने का फैसला किया। आज इनमें से कई महिलाएं सामाजिक संगठनों के साथ काम कर रही हैं, नई आजीविका तलाश रही हैं और उन अवसरों को हासिल कर रही हैं, जो कभी उनके लिए दूर की बात थे। रैंप पर उनका आत्मविश्वास इस बात का संकेत है कि पुनर्वास केवल हथियार छीन लेने का नाम नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन का रास्ता खोलने की प्रक्रिया है।

इस आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने भी इसे बस्तर के बदलते चेहरे की असाधारण तस्वीर बताया। कई यूजर्स ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक ऐसी तस्वीर की कल्पना करना भी कठिन था। किसी ने इसे सशक्तिकरण का वास्तविक रूप बताया तो किसी ने सवाल उठाया कि ऐसी कहानियों को व्यापक प्रचार क्यों नहीं मिलता। दरअसल, रैंप पर चलती ये महिलाएं उस बदलाव की प्रतिनिधि हैं, जो दशकों तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में धीरे-धीरे जमीन पर आकार ले रहा है।

बस्तर में बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीर खेल के मैदानों से भी सामने आई है। बस्तर ओलंपिक 2025 में 3.91 लाख से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि 700 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली और हिंसा से प्रभावित ग्रामीण 'नियो बात' यानी 'नया रास्ता' टीम के तहत खेलों में शामिल हुए। महिलाओं और बेटियों की भागीदारी भी लगभग तीन गुना बढ़ी। यानी जिन इलाकों में कभी बंदूकों की गूंज सुनाई देती थी, वहां अब खेलों की तालियां सुनाई दे रही हैं।

शिक्षा के मोर्चे पर भी बदलाव साफ दिखाई देता है। माओवादियों द्वारा ध्वस्त या बंद कराए गए कई स्कूल फिर खुले हैं और जंगलों के बीच बच्चों की पढ़ाई दोबारा शुरू हुई है। आदिवासी युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए 259 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, 46 आईटीआई और 49 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार अब विकास को बस्तर के आखिरी छोर तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत सुरक्षा बलों के कैंपों को 'सेवा डेरा' के रूप में इस्तेमाल कर ग्रामीणों तक राशन, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। 'हर गांव रोशन' जैसी पहलों के जरिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व जैसे दुर्गम इलाकों के 70 से अधिक गांवों तक पहली बार बिजली और सोलर लाइटिंग पहुंची है। डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड की राशि से आदिवासी गांवों में पक्के मकान और बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है।

साथ ही कनेक्टिविटी भी इस बदलाव की रीढ़ बन रही है। बस्तर के दुर्गम इलाकों में 11 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों और 1,300 से ज्यादा मोबाइल टावरों का विस्तार हुआ है। इससे ग्रामीण बाजारों, प्रशासन और देश-दुनिया से जुड़ रहे हैं। उधर, माओवाद के कमजोर पड़ने के बाद सुरक्षा बल अब जंगलों में छिपे आईईडी को भी नष्ट कर रहे हैं और 'आईईडी मुक्त पंचायत' की दिशा में काम हो रहा है।

इस बदलते माहौल की पुष्टि राजनीतिक स्तर पर भी हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर बस्तर में सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजनाओं के मानकों में विशेष छूट की मांग की है। उनका कहना है कि चार-पांच दशकों के बाद बस्तर माओवाद के प्रभाव से बाहर निकलने की स्थिति में पहुंचा है, लेकिन दूर-दराज बिखरी आबादी के कारण सामान्य जनसंख्या आधारित नियमों के तहत सड़क निर्माण में दिक्कत आती है। अब चुनौती है कि शांति को स्थायी विकास में बदला जाए।

सबसे प्रतीकात्मक बदलाव तिरंगे को लेकर है। बस्तर संभाग के 92 से अधिक ऐसे सुदूर गांवों में स्वतंत्रता के बाद पहली बार राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराया गया है। साथ ही पुनर्वास नीति 2025 के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को घर, जमीन, मासिक सहायता और रोजगार के अवसर देकर मुख्यधारा में सम्मानजनक जीवन की राह दी जा रही है।

बहरहाल, बस्तर की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां बदलाव केवल सुरक्षा बलों की सफलता की कहानी नहीं है। यह उस सामाजिक परिवर्तन की कहानी है, जिसमें बंदूक की जगह खेल, जंगल के डर की जगह स्कूल, अलगाव की जगह सड़क और हिंसा की जगह रोजगार ने लेना शुरू किया है। साथ ही जिस छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों को कभी 'रेड कॉरिडोर' के नाम से जाना जाता था, वहां अब रेड कार्पेट पर आत्मविश्वास से चलती पूर्व महिला माओवादियों की तस्वीर यही संदेश दे रही है कि राज्य का भविष्य अब भय नहीं, बल्कि शांति, सम्मान और संभावनाओं के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

बरंडी नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। फलका थाना क्षेत्र के मोरसंडा गांव में सोमवार को बरंडी नदी में स्नान करने गए सात बच्चों में से तीन की डूबने से मौत हो गई। घटना शिव मंदिर के समीप की है। मृतकों की पहचान मोरसंडा वार्ड संख्या 15 निवासी मनोज साह के पुत्र अमन कुमार(12), विजय साह के पुत्र दिव्यांशु कुमार(10) और चिरंजीव साह के पुत्र सत्यम कुमार (14) के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार सावन के तीसरी सोमवारी पर्व को लेकर सात बच्चे बरंडी नदी में स्नान करने गए थे। बताया जाता है कि सभी बच्चे एक ही वार्ड के रहने वाले थे और आपस में चचेरे भाई व सहपाठी थे। स्नान करने के दौरान सभी बच्चे नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों के शोर की आवाज सुनकर नदी के दूसरे किनारे पर मौजूद नाविक मो. दाऊद मौके पर पहुंचे। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालने का प्रयास किया। इसी बीच आसपास के ग्रामीण भी वहां पहुंच गए और चार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तीन बच्चे गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों और परिजनों ने काफी प्रयास के बाद तीनों बच्चों को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए कोढ़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में दो चचेरे भाई और एक पड़ोस का बालक बताया गया है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय मुखिया अजहरुद्दीन उर्फ राजू नायक,उप प्रमुख प्रतिनिधि मो. इरशाद और पार्षद प्रतिनिधि मनोज मंडल ने प्रशासन को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस अवर निरीक्षक विवेक कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार भेज दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मृत बच्चों के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। ग्रामीणों ने घटना के करीब तीन घंटे बाद भी अंचल और प्रखंड मुख्यालय से किसी पदाधिकारी के नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने सावन की सोमवारी के दौरान नदी घाटों पर गोताखोरों की व्यवस्था कराने की मांग प्रशासन से की है। उनका कहना है कि इससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

सांसद ने दिया हरसंभव सहयोग का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (कटिहार)। जन्म से दोनों हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद अपने हौसले और मेहनत के दम पर पढ़ाई कर रही हसनगंज प्रखंड क्षेत्र की छात्रा लक्ष्मी कुमारी के सपनों को अब जनप्रतिनिधियों का साथ मिलने लगा है। लक्ष्मी की तस्वीर सामने आने के बाद जिला प्रशासन की ओर से सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की पहल के बाद सोमवार को सांसद तारिक अनवर भी छात्रा का हौसला बढ़ाने उसके विद्यालय पहुंचे। सांसद तारिक अनवर ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय भतौरिया पहुंचकर कक्षा चार की छात्रा लक्ष्मी कुमारी से मुलाकात की और उसकी पढ़ाई तथा भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। लक्ष्मी ने शिक्षक बनने की इच्छा जताई। छात्रा के जज्बे से प्रभावित सांसद ने उसके सपने को साकार करने के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

एसटी आयोग सदस्य ने अधिकारियों संग की योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

भूमिहीन परिवारों के बीच बांटे बासगीत पर्चे, बाढ़ पूर्व तैयारियों का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय सभागार में एसटी आयोग के सदस्य तल्लू बास्की ने अधिकारियों के साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी मनिहारी त्रिलोकी नाथ सिंह, डीसीएलआर रंजीत कुमार, राजस्व पदाधिकारी

सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे ।समीक्षा के दौरान श्री बास्की ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक के बाद श्री बास्की ने प्रखंड क्षेत्र में चयनित पात्र भूमिहीन परिवारों के बीच बासगीत पर्चे का वितरण किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की एनडीए सरकार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में ह्यसबका साथ, सबका विकासह्ण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। भूमिहीन परिवारों का सर्वेक्षण कराकर उन्हें भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार प्रयासरत है, ताकि गरीब परिवारों को भी अपना घर बनाने का अवसर मिल सके। एसटी आयोग सदस्य ने अधिकारियों से बाढ़ पूर्व की गयी तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सहाय्य सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रशासन को पूरी तत्परता के साथ लोगों की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए। श्री बासकी ने सावन मास में मनिहारी गंगातट पर गंगास्नान के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने नगर कार्यपालक पदाधिकारी को गंगातट पर पर्याप्त साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा-संरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर विकास एवं आवास विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के दौरान मुख्यमंत्री तथा नगर विकास एवं आवास मंत्री की तस्वीरयुक्त बैनर लगाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है तथा ह्यमाल महाराज का, मिर्जा खेले होलीह्ण वाली नीति किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ के जिलाध्यक्ष के आवास पर ध्वजारोहण

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चित्तौरिया पंचायत के बड़ी बथना में बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महासंघ के जिलाध्यक्ष भारती सिंह के आवास पर स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष भारती सिंह ने ध्वजारोहण किया। कहा कि हर साल की तरह इस साल भी अपने आवास पर स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण किए । हमारा देश आजाद होने 79 वर्ष पूरे हुए। इस वर्ष हम लोग 80 वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं और आजादी दिलाने में हमारे वीर सपूतों को जिन्होंने हिंदुस्तान को आजाद कराया और आज हम लोग आजादी से जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम रक्षा दल के नाम से अभी फ्रोड चल रहा हैं 4152 /12 बिहार राज्य दलपति एवं ग्राम रक्षा दल महा संघ का रजिस्ट्रेशन नंबर हैं। कोई भी व्यक्ति अगर इससे जुड़ना चाहते हैं इसी रजिस्ट्रेशन नंबर से जुड़ सकते हैं। इस अवसर पर जिला सचिव अमित कुमार,कुरसेला प्रखंड अध्यक्ष निर्दोष कुमार,सचिव बूटटन राम,आजमनगर प्रखंड अध्यक्ष संजीव मंडल,मनसाही प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार चौधरी,ग्राम रक्षा दल बड़ी बथना के हकीम राम,लक्ष्मी प्रसाद मंडल,प्रभात शर्मा आदि उपस्थित थे। वहीं मनसाही रेलवे स्टेशन परिसर पर प्रदीप कुमार पासवान ने ध्वजारोहण किए।

सरस्वती विद्या मंदिर में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अरुण चौधरी सरस्वती विद्या मंदिर में 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, संस्कार एवं राष्ट्रप्रेम के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सदर विधायक शतारकिशोर प्रसाद के द्वारा ध्वजारोहण किया गया । विद्यालय के सचिव अमित कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता ने कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं एवं तैयारियों पर विशेष ध्यान देते हुए आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व जिला अध्यक्ष लक्खी प्रसाद महतो एवं भाजपा प्रदेश मंत्री सीमा झा की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता पूजन एवं दीप ज्योति प्रज्वलन से हुआ। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के बाद नन्हे भैया-बहनों ने ह्यसंदेशे आते हैंह्ण सहित विभिन्न देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।सहसचिव श्रीमती चंदा सिंह, वीरेंद्र कुमार, शेखर कुमार, कोषाध्यक्ष संजीव कुमार सुरेका एवं जनार्दन जी की सक्रिय सहभागिता रही। संघ प्रचारक अभिषेक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, समिति सदस्यों,आचार्य-दीदी अभिभावकों एवं भैया-बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित रंजन भारद्वाज ने मंच संचालन करते हुए पूरे कार्यक्रम को क्रमबद्ध एवं प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया तथा बच्चों एवं आचार्य-दीदीजनों के प्रयासों की सराहना की।ह्यभारत माता की जयह्ण, ह्यवंदे मातरम्ह्ण एवं ह्यजय हिंदह्ण के नारों से पूरा विद्यालय परिसर गूंजता रहा। शांति मंत्र के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

सावन सकरात सिंह नक्षत्र में दो दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा का शुभारंभ

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के घासीटोला में सावन सकरात सिंह नक्षत्र में दो दिवसीय बिहूला विषहरी पूजा का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मंदिर में बिहुला विषहरी की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा पाठ पंडित नवल किशोर झा के द्वारा किया गया। जबकि भगत बलराम कुमार ततमा पूजा में तल्लीन दिखे। मौके पर बिहुला विषहरी पूजा समिति घासी टोला के रतनलाल ततमा पिता दासों ततमा ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी बिहुला विषहरी स्थान घासीटोला में प्रतिमा स्थापित कर पूजा पाठ किया जा रहा हैं। इस मंदिर में पूर्वजों से हर वर्ष सावन सकरात सिंह नक्षतर में बिहुला विषहरी की प्रतिमा स्थापित की जाती हैं एवं दो दिवसीय मेला का भी आयोजन किया जाता हैं,जहां पर आसपास के लोग मंदिर में जो मन्नत मांगते हैं पूरा होने पर प्रसाद चढ़ाने आते हैं। और जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं उसका मन्नत पूरा होता हैं और बिहुला विषहरी स्थान घासीटोला पहुंचकर पूजा अर्चना कर प्रसाद भी चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि बिहुला विषहरी स्थान घासीटोला में प्रतिमा स्थापित की जाती हैं धूमधाम के साथ पूजा पाठ किया जाता हैं एवं दो दिवसीय मेला का भी आयोजन किया जाता हैं। इस पूजा में काफी भीड़ भाड़ होती हैं,कुंवारी कन्याएं एवं महिलाएं सुबह से ही मंदिर परिसर पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के कृष्ण कुमार ततमा,विक्रम कुमार ततमा, सत्यम कुमार ततमा,सोनू कुमार ततमा, मंजू देवी,पूजा देवी आदि उपस्थित रहे ।

शहीद जगदेव चौक उदामारखा का नामकरण

कटिहार नगर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सदर प्रखंड के उदामारखा गांव के फोरलेन चौराहे को अब शहीद जगदेव चौक उदामारखा के नाम से जाना जाएगा। स्थानीय लोगों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस चौक का नामकरण करते हुए न सिर्फ वहां शहीद जगदेव चौक का बोर्ड लगाया बल्कि वहां स्थानीय ग्रामीण रामचंद्र सिंह के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया गया। इस अवसर पर इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शहीद जगदेव दबे कुचले शोषित वंचितों दलितों पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों की आवाज थे और उन्होंने इसके लिए कई आंदोलन भी किए ऐसे में उनके नाम से इस चौक का नाम होने से उन्हें सच्चे श्रद्धांजलि होगी और इसके लिए समाज के तमाम लोगों का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर लोगों ने सहित जगदेव अमर रहे के नारे भी लगाए। मौके पर पंचायत जनप्रतिनिधियों के अलावे ग्रामीण धर्मेन्द्र कुमार सिंह,उत्तम यादव, नरेश यादव, संजय सिंह,चन्दन सिंह, विद्यासागर सिंह, रामनाथ पासवान,सतीश सिंह, गंगासागर सिंह,अरविन्द सिंह, दसई सिंह, सुनील साह,राजेश साह,टनटन कुमार आदि उपस्थित रहे ।

रेल प्रशासन से फुटपाथ दुकानदारों के लिए बैंडिंग जोन बनाने की मांग : कुणाल

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रेल प्रशासन से फुटपाथ दुकानदारों के लिए बैंडिंग जोन बनाने की माँग तेज हो गयी। राजद के निवर्तमान प्रदेश महासचिव समरेंद्र कुणाल ने सैकड़ों स्टेशन दुकानदारों के साथ बैठक कर रेल प्रशासन से बैंडिंग जोन अंतर्गत दुकान लगाने की प्रक्रिया शुरू करने की माँग की है।उन्होंने कहा कि बीस दिनों पहले कटिहार मंडल रेल प्रबंधक ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया था कि फुटपाथ दुकानदारों के लिए वैकल्पिक तौर पर बैंडिंग जोन के तहत दुकानें लगाने के लिए विचार किया जाएगा इस दिशा में संबंधित रेल अधिकारियों से विचार कर रूप रेखा तैयार किया जाएगा।

तीसरी सोमवारी को भक्तों की उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सावन की तीसरी सोमवारी के अवसर पर मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध गोरखनाथ धाम मंदिर में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।इस अवसर पर एसडीओ राजु कुमार, थानाध्यक्ष कुमारी जुली दल-बल के साथ उपस्थित होकर श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिये।यहां दुर दराज से पश्चिम बंगाल सहित पड़ोसी देश से भी शिवभक्त पहुंचते हैं। मंदिर कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने जानकारी दिया कि इस सोमवारी पर करीब दो लाख शिव भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। विधि व्यवस्था के लिए प्रशासन के साथ साथ कमेटी द्वारा व्यापक व्यवस्था की गयी थी। पूजा अर्चना को लेकर महिलाओं एवं युवतियों में खासा उत्साह देखा गया। नवविवाहिता अपने पति की लंबी आयु एवं सुख शांति एवं युवतियां सुंदर वर के लिए सोमवार को सुबह से अपनी मनोकामना पूर्ण होने के लिए आशीर्वाद मांगा। ओम नमः शिवाय एवं बोल बम के जयकारे के बीच भक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। तीसरी सोमवारी को लेकर बाबा गोरखनाथ धाम में करीब दो लाख की संख्या में शिवभक्तों ने जल अर्पित किया। रविवार के शाम से ही शिवभक्तों का जत्था आना शुरू हो गया था। सोमवार को दिन भर गोरखनाथ धाम में जल चढ़ाने को लेकर शिव भक्तों का जनसैलाब जारी रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने मनिहारी से गंगाजल लाकर बाबा गोरखनाथ धाम पर जलाभिषेक किया।इस अवसर पर कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, निरंजन यादव, फन्नी सिंह, देवनारायण नुनिया, सन्नी यादव, पंचा यादव, लालू दास, मिथुन यादव, राधाकांत घोष, राजू घोष, प्रशांत सिंह, बिट्टू सिंह, रामबिलास शर्मा, चन्दन यादव, गुड्डू शर्मा, कार्तिक साह,शंकर राय, शौरभ यादव,अंकित यादव, फनी दास, मिथुन साह आदि कमेटी के अन्य सदस्य सहित प्रशासन की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त देखी गयी।

बाबा गोरखनाथ धाम में कमेटी सदस्यों ने सांसद का किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सांसद तारिक अनवर के बाबा गोरखनाथ धाम पहुंचने पर मंदिर कमेटी की तरफ से स्वागत किया गया। कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने कहा की बाबा गोरखनाथ धाम आस्था का केंद्र है। यहां जो भी सच्चे दिल से बाबा का आशीर्वाद लेते हैं। उनकी मनोकामना पूरी होती है। सावन के तीसरी सोमवारी को कटिहार सांसद तारिक अनवर के गोरखनाथ धाम पहुंच कर श्रद्धापूर्वक दर्शन किये। इस अवसर पर कमेटी की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर विधि व्यवस्था का जायजा ले कर अनुमंडल प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने बताया की अंतिम

सोमवारी एवं श्रावण पूर्णिमा के लिए किसी तरह की कमी नहीं रहे। कांवरियों को हर तरह की सुविधा मिले। यहां पड़ोसी देश के श्रद्धालु भी पहुंचता है। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर न्यास समिति के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह ने उन्हें बूके देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सुनील यादव, नगीना यादव सहित अन्य कार्यकर्ता एवं मंदिर कमेटी के सदस्य मौके पर उपस्थित रहे।

स्थानांतरण को लेकर ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही के लैब टेक्नीशियन के स्थानांतरण को लेकर ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर स्थानीय ग्रामीण भोला पासवान, दीपक पासवान, विनय यादव, सूरज कुमार, संगीता कुमारी, मुकेश साह, कुमोद शर्मा, गुलशन खातून, रुमा देवी, विकास कुमार पासवान, करण कुमार पासवान, मोहम्मद खुशबूर, उपेंद्र ऋषि, मुकेश साह, अमित कुमार पासवान ने संयुक्त रूप से एक ज्ञापन जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी को सौंपा हैं। इस मौके पर ग्रामीण भोला पासवान ने बताया कि लैब टेक्नीशियन राजीव रमण लगातार 22 वर्षो से सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में नौकरी कर रहे हैं। इनका ड्यूटी रविवार को छोड़कर प्रत्येक दिन सुबह के आठ बजे से लेकर दोपहर के दो बजे तक हैं लेकिन यह 12:30 बजे आते हैं और चाय पीने चौक पर निकल जाते हैं और 1:30 बजे पहुंचते हैं आधा घंटा बैठकी, गुटबाजी इधर-उधर की बातों को करके निकल जाते हैं। इनका बायोमेट्रिक उपस्थिति कोई और व्यक्ति के माध्यम से की जाती हैं। साथ ही जो भी लोग ब्लड जांच, टीबी जांच एवं एक्सरे के लिए आते हैं उन्हें बरगलाकर निजी अस्पताल में जांच करने के लिए भेजते हैं। इनकी मनमानी इतनी हैं कि इन्होंने कई प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, क्लर्क, लेखापाल का स्थानांतरण करा दिए हैं इनका वर्चस्व अस्पताल में बना हुआ हैं। साथ ही अपना जो इंस्टिट्यूट गौशाला कटिहार में खोले हैं अंबेडकर इंस्टीट्यूट वहां की सभी छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में ला कर प्रशिक्षण दिलाते हैं जो कि घोर मनमानी हैं। उन्होंने कहा कि जिला पदाधिकारी अपने स्तर से प्रत्येक दिन का लैब टेक्नीशियन का ड्यूटी का सीसीटीवी फुटेज एवं बायोमेट्रिक मिलान करे तथा लगातार 22 वर्षो से अस्पताल में हैं इनका स्थानांतरण अन्य अस्पताल में किया जाए साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति कटिहार के पदाधिकारीगण से और असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी से पूर्णतः मिलीभगत हुआ हैं। जिला पदाधिकारी अविलंब जांच कर इनका स्थानांतरण अन्य अस्पताल में किया जाय।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मनिहारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन की तीसरी सोमवारी पर सोमवार को मनिहारी गंगातट पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। अहले सुबह से ही हजारों श्रद्धालु एवं कांवरिया गंगाघाट पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर कांवर में गंगाजल भरा और अपने-अपने गंतव्य स्थित शिवालयों की ओर रवाना हुए। इस दौरान पूरा गंगातट और आसपास का क्षेत्र ह्यहर-हर महादेवह्ण और ह्यबम-बम भोलेह्ण के जयघोष से गुंजायमान रहा।जलभरण के बाद कांवरियों के जत्थे विभिन्न मार्गों से शिवालयों की ओर जाते दिखे। जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में भी सुबह से श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की और सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। कई शिवालयों में रुद्राभिषेक, भजन - कीर्तन, हवन-पूजन एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षित स्नान,भीड़ नियंत्रण, यातायात एवं सुगम आवागमन को लेकर व्यापक इंतजाम किए। रविवार देर शाम अधिकारियों ने गंगाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया था।

करंट की चपेट में आए युवक को जनप्रतिनिधि व मीडियाकर्मियों ने पहुंचाया अस्पताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी घाट परिसर में सोमवार दोपहर करीब दो बजे सजावट का काम करने के दौरान एक निजी बिजली मिस्त्री विद्युत करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मनसाही निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए राहुल को तत्काल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। भाजपा नेता गुड्डू यादव ने बताया कि तीसरी सोमवारी

को लेकर घाट परिसर में तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान बिजली से संबंधित कार्य करते समय राहुल अचानक करंट की चपेट में आ गया। उसे करंट से छुड़ाने के लिए तत्काल सुरक्षित तरीके से प्रयास किया गया। इसके बाद मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों और अन्य लोगों ने घायल राहुल को गोद में उठाकर वाहन तक पहुंचाया। अस्पताल ले जाते समय उसकी हालत बिगड़ने पर लोगों ने सीपीआर देकर उसे प्राथमिक सहायता दी। इसके बाद उसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसटी आयोग के सदस्य तल्लू बास्की ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि घायल युवक के प्रति उनकी संवेदना है और वह जल्द स्वस्थ हो, यही कामना है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में तत्परता दिखाकर युवक की जान बचाने वाले जनप्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों को साधुवाद दिया जाना चाहिए। उन्होंने नगर पंचायत को विद्युत कार्यों में लापरवाही नहीं बरतने तथा सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी। घटना के बाद घाट परिसर में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

देसी पाठ्यक्रम की वार्षिक परीक्षा का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कृषि विज्ञान केंद्र कटिहार में सोमवार को देशी पाठ्यक्रम के आगामी वार्षिक परीक्षा कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के प्रमाण पत्रों के मूल्यांकन तथा प्रायोगिक परीक्षा के आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने परीक्षा से संबंधित तैयारियों और

प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता की जानकारी ली।कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी -सह-परियोजना निदेशक आत्मा कटिहार राजीव कुमार,उप परियोजना निदेशक आत्मा कटिहार शशिकांत झा मौजूद रहे। अधिकारियों ने परीक्षा में शामिल होने वाले प्रशिक्षणार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और तकनीकी जानकारी को कृषि क्षेत्र में बेहतर तरीके से उपयोग करने की अपील की।अधिकारियों ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों और कृषि से जुड़े युवाओं को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौके पर संबंधित अधिकारी, कर्मी एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

वंदे मातरम का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान : भाजपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कांग्रेसियों की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वंदे मातरम के अपमान किए जाने के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में शहर के शहीद चौक पर आक्रोश मार्च एवं कैंडल जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर आक्रोश मार्च में भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय, प्राणपुर विधायक सह महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष निशा सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, सौरभ कुमार मालाकार, जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी,शोभा जयसवाल, मुख्य रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्राणपुर विधायक सहित सभी उपस्थित नेता कार्यकताओं ने विरोध व्यक्त कर कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ण के गायन को बीच कामें ही रोके जाने की देश विरोधी मानसिकता के विरोध में आक्रोश व्यक्त किया। सभी ने हाथों में केंडिल थामे युवा शक्ति ने कांग्रेस की इस तुष्टिकरण और राष्ट्रविरोधी राजनीति के खिलाफ जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। सभी ने एक और में कहा कि राष्ट्र के स्वाभिमान और अमर बलिदानियों के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर अपमान का मुहतोड़ जवाब लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर भी दिया जाएगा। इस दौरान कार्यकताओं ने राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष लक्खी महतो, वीरेंद्र यादव, जिला मंत्री गौरव पासवान, युवा मोर्चा के जिला महामंत्री जंक्शन यादव, सोनू सिन्हा, श्वेता राय, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह, शांति जायसवाल रंजन झा, भास्कर सिंह, टनटन ठाकुर, आरती चौधरी, प्रमोद महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं युवा मोर्चा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, मंगलवार 18 अगस्त 2026

संक्षिप्त समाचार

सरसों तेल 240 और चीनी 50 के पार, आटा-दाल, चावल के भी जान लें हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। किचन का बजट सरसों, सोया, मूंगफली, सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों के दाम में लगी आग की वजह से बिगड़ रहा है। अब तो चीनी भी कड़वी होने लगी है। कई शहरों में यह 50 रुपये किलो के पार पहुंच गई है। दिल्ली में सरसों तेल की कीमत 209 रुपये किलो पर पहुंच गई। मुंबई में 231, चेन्नई में 247 रुपये है। वहीं, रांची में 197 रुपये। यह हम नहीं कह रहे बल्कि भारत सरकार के उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़े कह रहे हैं। आइए देखें आवश्यक वस्तुओं के दाम पिछले एक साल में कितना बदले हैं... रोजमर्रा की रसोई में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतों की ताजा तस्वीर महंगाई का बदला हुआ चेहरा दिखा रही है। 16 अगस्त 2026 के अखिल भारतीय दैनिक औसत खुदरा कीमतों के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक साल में चीनी, प्याज और खाद्य तेलों के दाम में तेजी आई है, जबकि टमाटर और आलू काफी सस्ते हुए हैं। दालों में भी राहत और तेजी दोनों का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है।

चीनी ने बढ़ाई सबसे यादा

उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, चीनी की औसत खुदरा कीमत 51.51 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। एक साल पहले यह 46.38 रुपये थी। यानी सालाना आधार पर चीनी 11.06 प्रतिशत महंगी हो चुकी है।

चीनी के भाव में तूफानी तेजी आते ही रॉकेट बने शुगर स्टॉक्स। चार बड़े शहरों में भी चीनी के दाम अलग-अलग हैं। 16 अगस्त को रांची में चीनी 57 रुपये किलो, चेन्नई में 54 रुपये, मुंबई में 53 रुपये और दिल्ली में 50 रुपये किलो दर्ज की गई। यानी इन प्रमुख शहरों में रांची में चीनी सबसे महंगी रही।

प्याज भी एक साल में 27.63 प्रतिशत महंगा प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 35.85 रुपये प्रति किलो रही। एक साल पहले यह 28.09 रुपये थी। इस तरह प्याज के दाम में सालाना 27.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि शहरों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। दिल्ली में प्याज 45 रुपये, चेन्नई में 50 रुपये, रांची में 37 रुपये और मुंबई में 33 रुपये किलो दर्ज किया गया।

टमाटर ने दी बड़ी राहत; जहां प्याज महंगा हुआ है, वहीं टमाटर ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 36.91 रुपये प्रति किलो रही, जबकि एक साल पहले यह 53.43 रुपये थी। यानी टमाटर 30.92 प्रतिशत सस्ता हुआ है। थोक बाजार में भी गिरावट और तेज है। टमाटर की अखिल भारतीय औसत थोक कीमत 16 अगस्त को 2,841.50 रुपये प्रति क्विंटल रही, जो एक साल पहले 4,300.82 रुपये थी। यानी थोक भाव में करीब 33.93 प्रतिशत की गिरावट आई है। चार शहरों में टमाटर की कीमत दिल्ली में 45 रुपये, मुंबई में 38 रुपये, चेन्नई में 38 रुपये और रांची में 43 रुपये किलो रही।

आलू भी सालभर में 15 प्रतिशत से यादा सस्ता; आलू की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 21.75 रुपये प्रति किलो रही। एक साल पहले यह 25.72 रुपये थी। यानी आलू के दाम में 15.44 प्रतिशत की कमी आई है। चार शहरों में आलू दिल्ली में 23 रुपये, मुंबई में 25 रुपये, चेन्नई में 40 रुपये और रांची में 20 रुपये किलो रहा।

खाने के तेल ने बढ़ाया रसोई का बजट; खाद्य तेलों में सबसे यादा तेजी सूरजमुखी तेल में दिखाई देती है। इसकी अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 190.79 रुपये प्रति किलो है, जो एक साल पहले 161.09 रुपये थी। यानी कीमत 18.44 प्रतिशत बढ़ी है। पाम 14.02 प्रतिशत, सोया 11.92 प्रतिशत और मूंगफली तेल 10.06 प्रतिशत महंगा हुआ है। सरसों तेल की कीमत भी एक साल में 4.56 प्रतिशत बढ़ी है। मूंगफली तेल की खुदरा औसत कीमत 206.49 रुपये, सरसों तेल की 197.39 रुपये और सोया तेल की 164.67 रुपये प्रति किलो रही।

दालों में बड़ी राहत नहीं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में; दालों की तस्वीर अपेक्षाकृत संतुलित है। अरहर दाल की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 121.82 रुपये किलो रही और सालाना आधार पर इसमें 3.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उड़द दाल 6.60 प्रतिशत महंगी हुई है। इसके उलट चना दाल करीब 2 प्रतिशत, मूंग दाल 0.38 प्रतिशत और मसूर दाल 1.15 प्रतिशत सस्ती हुई है।

मुझे नहीं लगा डॉक्टरेट करने के लिए, पीएचडी छोड़ पकड़ा अलग रास्ता

अब 45 लाख सालाना का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना मिश्रा मूल रूप से कानपुर की हैं। पीएचडी की पढ़ाई और अकादमिक करियर में बाधाएं आईं तो उन्होंने निराश होने के बजाय नया रास्ता चुना। अपनी वैज्ञानिक समझ का इस्तेमाल खेती के क्षेत्र में लगाने का फैसला किया। साल 2022 में उन्होंने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम न्यूट्रीलीफ्ज है। आज मथुरा में यह 3 एकड़ में हाई-टेक हाइड्रोपोनिक फार्मिंग कर रहा है। इस स्टार्टअप का सालाना रेवेन्यू 45 लाख रुपये पहुंच गया है। यह 100 स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें सशक्त बना रहा है। आइए, यहां सोना मिश्रा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। पीएचडी छोड़कर बदला ट्रैक सोना मिश्रा ने बायोटेक्नोलॉजी में मास्टर्स किया है। साल 2012 में उन्होंने गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी से पीएचडी शुरू की थी। हालांकि, अकादमिक प्रक्रियाओं की दिक्कतों के कारण उन्होंने 2015 में यह प्रोग्राम छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने स्वतंत्र रूप से शोध करने और अपनी बायोटेक्नोलॉजी की जानकारी को भारतीय कृषि सुधार में लगाने का फैसला लिया। 2019-20 में उन्होंने नोएडा में एक कमर्शियल बिल्डिंग की छत पर 10 लाख रुपये से 4,000 पौधों का पहला ट्रायल सेटअप शुरू किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उस स्टेज में मुझे नहीं लगा कि डॉक्टरेट करने के लिए और 7 साल बिताना व्यावहारिक था। मथुरा के गांव में लगाया दांव छत के सफल प्रयोग के बाद सोना ने 2021 में नोएडा के सेक्टर-137 में 1 एकड़ जमीन ली। वहां से उन्होंने 6-7 लाख रुपये का रेवेन्यू तो कमाया। लेकिन, खारे पानी और भूमि की खराब क्वालिटी जैसी चुनौतियों के चलते 2022 में इसे बंद कर दिया। इसके बाद वह मथुरा के मथैन खुर्द गांव पहुंचीं। वहां की 15 एकड़ जमीन में से 3 एकड़ पर उन्होंने आरओ प्लांट लगाकर खारे पानी का इलाज किया। फिर बिना मिट्टी वाली हाइड्रोपोनिक खेती शुरू की। गांव की महिलाओं को मिला रोजगार मथुरा के फार्म में सोना मुख्य रूप से खीरा, शिमला मिर्च और चेरी टमाटर की खेती सख्त क्रॉप रोटेशन सिस्टम के तहत करती हैं। फॉर्म में सालाना 30-35 टन खीरा, 15-16 टन शिमला मिर्च और 12 टन चेरी टमाटर का उत्पादन होता है। इस हाई-टेक फार्म के जरिए गांव की करीब 100 महिलाओं को रोजगार मिला है। इन्हें कटाई और छंटाई के काम के लिए 9,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं।

ज़ैगल प्रीपेड का शेयर 20 प्रतिशत लुढ़का, Qv रिजल्ट के बाद बेचने की दिखी होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। ज़ैगल प्रीपेड के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम तिमाही नतीजों के लुढ़क गया। पहले क्वार्टर में कंपनी का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। जिसकी वजह से यह बिकवाली आज सोमवार को देखने को मिल रही है। बता दें, कंपनी के शेयर आज सोमवार को 186 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम लुढ़ककर 160.45 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

कंपनी के नेट प्रॉफिट में गिरावट; स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल 17.50 करोड़ रुपये नेट प्रॉफिट रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 26.10 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी का रेवन्यू जून क्वार्टर के दौरान 423 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान यह 332 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू में 27.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिला है। कंपनी का श्वङ्क्ष्ठ पहली तिमाही में 31 करोड़ रुपये रहा है।

शेयर बाजार में संघर्ष कर रही है कंपनी; पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 38 प्रतिशत लुढ़क चुका है। एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले इनवेस्टर्स को अबतक 56 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। जोकि सेंसेक्स इंडेक्स के 3.44 प्रतिशत की गिरावट की तुलना में काफी अधिक है। पिछले दो साल में कंपनी के शेयरों का दाम 57 प्रतिशत गिर चुका है।

मोदी सरकार की स्कीम में 223 प्रतिशत का रिटर्न, 4,740 का निवेश बना 15,295

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार की स्कीम सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए अछी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एसजीबी2021-22 सीरीज-ङ्क के समय से पहले रिडेम्पशन की घोषणा कर दी है। यह बॉन्ड 17 अगस्त 2021 को जारी किए गए थे और अब पांच साल पूरे होने पर निवेशकों को इन्हें समय से पहले भुनाने का मौका दिया गया है। इस सीरीज के लिए रिडेम्पशन कीमत 15,295 प्रति यूनिट तय की गई है। जिन निवेशकों ने इसे 4,740 प्रति यूनिट की इश्यू कीमत पर खरीदा था, उन्हें करीब 223 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। वहीं 4,790 की मूल इश्यू कीमत के आधार पर रिटर्न करीब 219.31 प्रतिशत है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक एसजीबी को जारी होने की तारीख से पांच साल पूरा होने के बाद समय से पहले रिडीम किया जा सकता है। आरबीआई ने 14 अगस्त को बताया कि इस सीरीज के लिए 17 अगस्त 2026 को समय से पहले रिडेम्पशन की तारीख तय की गई है। 15,295 की कीमत कैसे तय हुई रिडेम्पशन कीमत मनमाने तरीके से तय नहीं की गई है। इसे इंडिया बुलियन एंड वैलर्स एसोसिएशन की 12, 13 और 14 अगस्त 2026 के तीन कारोबारी दिनों की सोने की कीमतों के औसत के आधार पर तय किया गया है। एसजीबी की खासियत यह है कि इसमें सिर्फ सोने की कीमत बढ़ने का फायदा नहीं मिलता, बल्कि सरकार की ओर से 2.5 प्रतिशत सालाना निश्चित ब्याज भी मिलता है। यह ब्याज हर छह महीने में निवेशक के बैंक खाते में जमा किया जाता है। इस तरह निवेशक को दो तरह का फायदा मिलता है, पहला सोने की कीमत बढ़ने से कैपिटल गेन और दूसरा 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज।

टैक्स का क्या नियम है; एसजीबी से मिलने वाला ब्याज आयकर के दायरे में आता है। हालांकि, व्यक्तिगत निवेशकों के लिए इन बॉन्ड के रिडेम्पशन पर होने वाले कैपिटल गेन को टैक्स से छूट प्राप्त है।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड; भारत सरकार ने नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना शुरू की थी। इसका मकसद लोगों को भौतिक सोना खरीदने के बजाय सोने में निवेश का एक वैकल्पिक तरीका देना था। एसजीबी को सरकार की ओर से जारी करता है। इनकी कीमत सोने के बाजार भाव से जुड़ी होती है। निवेशक को सोना अपने पास रखने, उसकी सुरक्षा करने या मेकिंग चार्ज जैसी परेशानियों से भी नहीं जूझना पड़ता।

निवेशकों के लिए सबसे बड़ी बात; 4,740 की इश्यू कीमत से 15,295 का रिडेम्पशन मूल्य यानी करीब पांच साल में सोने की कीमत से मिलने वाला रिटर्न बेहद मजबूत रहा। इसके ऊपर निवेशकों को हर साल 2.5 प्रतिशत ब्याज भी मिला। हालांकि, यह रिटर्न इस खास एसजीबी सीरीज के पिछले प्रदर्शन को दिखाता है। भविष्य में सोने की कीमत इसी गति से बढ़ेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

एसजीबी योजना क्यों बंद की गई; सरकार ने अक्टूबर 2023 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की नई किस्तें जारी करना बंद कर दिया था। सरकार का मानना था कि इस योजना ने अपने यादातर लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। साथ ही, इन बॉन्ड को जारी करने, संभालने और निवेशकों को इसकी सेवा देने का खर्च भी काफी बढ़ गया था। एक और बड़ी वजह यह थी कि अब लोगों के पास सोने में निवेश करने के लिए गोल्ड श्वङ्ग्रस्न और डिजिटल गोल्ड जैसे दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं। ऐसे में सरकार को बार-बार एसजीबी की नई किस्त जारी करने की जरूरत कम महसूस हुई। हालांकि, पहले से खरीदे गए एसजीबी बंद नहीं हुए हैं। जिन लोगों के पास पहले के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड हैं, वे उन्हें उनकी तय अवधि पूरी होने तक रख सकते हैं। इसके अलावा, योजना के नियमों के मुताबिक कुछ मामलों में समय से पहले भी पैसा निकालने (प्रीमैयोर रिडेम्पशन) का विकल्प मिलता है।

घरों में पड़ा है 35,000 टन सोना और कर्ज के लिए विदेशी पूंजी के पीछे भाग रहा भारत, कैसे दूर होगा यह विरोधाभास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पास कम से कम 35,000 टन सोना है, जिसकी कीमत देश की जीडीपी के लगभग 115 प्रतिशत से भी यादा है। दुनिया में एकमात्र देश है जिसके पास इस तरह की खासियत है। फिर भी हम कस्तूरी मृग की तरह व्यवहार करते हैं। कस्तूरी मृग वह हिरण जो उस खुशबू को बेचैनी से बाहर ढूंढता है जो असल में उसके अपने भीतर ही होती है। हम एफडीआई, एफपीआई और एफसीएनआर बी डिपॉजिट जैसे कर्ज के जरिए विदेशी पूंजी के पीछे भागते हैं, जबकि असली खजाना हमारी अपनी तिजोरियों में बंद पड़ा रहता है। इस विरोधाभास की स्थिति ने सोने को एक सांस्कृतिक और मूल्यवान संपत्ति से बदलकर एक कमजोरी बना दिया है। पिछले आठ साल में भारत का चालू खाते के कुल घाटा लगभग 251 अरब रहा। इसी अवधि में सोने का कुल आयात 353 अरब तक पहुंच गया। जब हम चांदी, मोती, हीरे, तस्करी के सोने और यात्रियों द्वारा ग्रीन चैनल के जरिए लाई गई सोने की जूलरी के नेट आयात को जोड़ते हैं, तो इस पर होने वाला कुल खर्च सोने की जूलरी के निर्यात से कहीं यादा हो जाता है। अगर भारत ने इतना सोना आयात न किया होता, तो वह करंट अकाउंट सरप्लस वाला देश होता।

25 साल में आयात; अकेले इस सदी के पहले 25 वर्षों में, नेट सोने का आयात लगभग 507 अरब रहा, जो इस अवधि में भारत को मिले नेट एफडीआई या एफपीआई से कहीं यादा है। भारत हर साल औसतन लगभग 1,000 टन सोना आयात करता है और लगभग 300 टन निर्यात करता है। इससे 700 टन का नेट आयात लगातार बना रहता है। यह मांग अंतरराष्ट्रीय कीमतों को ऊंचा रखती है और विदेशी मुद्रा भंडार को खत्म करती है, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था को उत्पादक निवेश के लिए हर डॉलर की जरूरत होती है। अब समय आ गया है कि हम अपनी बेकार पड़ी बचत को एक रणनीतिक ताकत में बदलें। इसके लिए, यहां चार नए और अनोखे विचार दिए गए हैं।

कैसे निकलेगा बेकार पड़ा सोना; पहला, फिजिकल गोल्ड को डिजिटाइज करके लिक्विडिटी उपलब्ध कराई जा सकती है। साथ ही भारत को टोकनाइड एसेट्स की उभरती दुनिया में एक लीडर के तौर पर स्थापित किया जा सकता है। भारतीय संस्थानों को यूपीआई-लेवल की सेटलमेंट क्षमता वाला गोल्ड-बैक्ड क्रिप्टो लॉन्च करना चाहिए, जो पूरी तरह से भारत की कस्टडी में रखे फिजिकल गोल्ड से समर्थित हो। वे गोल्ड-बैक्ड स्टेबलकॉइन्स भी पेश कर सकते हैं, जिनमें सोने की कीमत में बदलाव का असर जारीकर्ता पर ही रहता है। ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स विदेशी निवेश को आकर्षित करेंगे और साथ ही सोने को देश के भीतर ही बनाए रखेंगे। अल साल्वाडोर की क्रिप्टो टेथर का एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 3 बिलियन है। हमें अपने संस्थानों को 30 बिलियन एसेट अंडर मैनेजमेंट का लक्ष्य हासिल करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए, ताकि बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो के लिए एक भरोसेमंद, हार्ड-एसेट समर्थित विकल्प पेश किया जा सके।

गोल्ड मॉनेटाइजेशन; दूसरा, गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम को नए सिरे से तैयार करना। पिछली कोशिशों में डिजाइन की कमियों के कारण लोगों ने इसमें कम दिलचस्पी दिखाई थी।

नए वर्जन में उन जूलर्स और रिफाइनर्स से सीख लेनी चाहिए जो सफलतापूर्वक पुराने सोने के बदले नई जूलरी वाले एक्सचेंज प्रोग्राम चलाते हैं। हस्श्व के इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके और रीसाइक्लिंग पर लगने वाले दोहरे जीएसटी को खत्म करके, यह स्कीम मौजूदा अनौपचारिक तरीकों को औपचारिक और बड़े पैमाने पर लागू कर सकती है।

लक्ष्मी मित्तल के यूक्रेन प्लांट पर मिसाइल हमला, बुर्ज खलीफा पर लगा है कंपनी का स्टील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी अरबपति लक्ष्मी मित्तल का यूक्रेन में स्थित एक स्टील प्लांट रविवार को रूसी हमलों की चपेट में आ गया। मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल दुनिया की दूसरी बड़ी स्टील कंपनी है। यूक्रेन में इसकी सहयोगी कंपनी आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह के माइनिंग और मेटलर्जिकल प्लांट पर मिसाइल हमला हुआ। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 10 से यादा कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्टर घायल हो गए। साथ ही प्लांट का कामकाज भी आंशिक रूप से रोकना पड़ा। लक्ष्मी मित्तल आर्सेलरमित्तल के चेयरमैन हैं जो चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी स्टील कंपनी है। हाल में वह तब सुर्खियों में आए थे जब उनकी कंपनी ने आईपीएल की टीम राजस्थान रॉयल्स में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी थी। लक्ष्मी मित्तल देश के बड़े कारोबारियों में शामिल हैं। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 31 अरब डॉलर है। दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा में मित्तल ग्रुप के स्टील का इस्तेमाल किया गया है। **साधारण परिवार में जन्म;** स्टील किंग के नाम से

मशहूर लक्ष्मी मित्तल का जन्म 15 जून 1950 को राजस्थान के सादुलपुर में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था। उनका बचपन बेहद साधारण था। उनका परिवार एक छोटे से घर में रहता था। वहां वह फर्श पर सोते थे और मिट्टी के चूल्हे पर खाना पकता था। 1976 में वह 26 साल की उम्र में इंडोनेशिया चले गए। वहां उन्होंने अपना पहला प्लांट पीटी इस्पात इंडो स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने पूरी दुनिया में अपना स्टील कारोबार फैलाया। मित्तल की सबसे बड़ी खूबी घाटे में चल रही स्टील कंपनियों को खरीदकर उन्हें मुनाफे में बदलना रहा। साल 2006 में मित्तल स्टील और आर्सेलर के विलय से आर्सेलरमित्तल बनी जो आज चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी स्टील कंपनी है। साल 2004 में मित्तल ने अपनी बेटी वनिशा मित्तल की शादी पेरिस में की थी। इस शादी में करीब 60 मिलियन डॉलर खर्च हुए थे। उस समय यह दुनिया की सबसे महंगी शादी थी। **15 देशों में फैला है बिजनेस** लंदन के केंसिंग्टन पैलेस गार्डन्स में स्थित उनका निवास दुनिया के सबसे महंगे घरों में से एक रहा है। कहा जाता है कि उनके इस महल में उसी खदान का संगमरमर लगा है, जिससे ताज महल बनाया गया था।

नोएल टाटा और चंद्रशेखरन ने दिल्ली दरबार में लगाई थी हाजिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वह फरवरी में अपने पद से हट जाएंगे। उनकी इस घोषणा ने उद्योग जगत को सकते में डाल दिया और देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने में अंदरूनी उठापटक को एक बार फिर उजागर कर दिया। सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा करने से पहले टाटा के शीर्ष अधिकारियों ने सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को ग्रुप के भीतर चल रही उथल-पुथल के बारे में जानकारी दी थी। सूत्रों ने बताया कि चंद्रशेखरन और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा अलग-अलग सरकारी अधिकारियों से मिले थे। इस बातचीत में रणनीति और गवर्नेंस को लेकर मतभेद, नए बिजनेस वेंचर की दिशा और चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर बनी अनिश्चितता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। चंद्रशेखरन और नोएल टाटा ने सरकारी अधिकारियों से अलग-अलग बातचीत की। हालांकि बातचीत की सही तारीखों और उनमें हुई चर्चा की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। इन मुलाकातों के दौरान कुछ नियुक्तियों से जुड़ी चिंताओं और एयर इंडिया, टाटा के डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेमीकंडक्टर वेंचर को हुए नुकसान पर भी बात हुई। नोएल टाटा वीकेंड पर दिल्ली में थे। यह स्वतंत्रता दिवस और पारसी नव वर्ष की छुट्टियों का समय था। लेकिन सूत्रों ने इस हालिया यात्रा के दौरान सरकारी अधिकारियों के साथ किसी भी बैठक से इनकार किया। उनके करीबी लोगों का कहना है कि यह यात्रा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट से जुड़ी थी और इसका उत्तराधिकार से जुड़े घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं था। नोएल टाटा ट्रेंट के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। ग्रुप की 70 साल की रिटायरमेंट पॉलिसी के तहत वह नवंबर में यह पद छोड़ देंगे। उनकी यात्रा के समय ने लोगों का ध्यान खींचा क्योंकि चंद्रशेखरन की जगह कौन लेगा, इसे लेकर सस्पेंस बढ़ रहा है।

सरकार का रुख; हालांकि सरकारें सिस्टम के लिए अहम बिजनेस के बारे में जानकारी रखती हैं, लेकिन किसी कॉर्पोरेट ग्रुप के अंदरूनी घटनाक्रम के बारे में देश के राजनीतिक नेतृत्व को जानकारी देना आम बात नहीं है। इस मामले में, टाटा ग्रुप के नेतृत्व ने ही अधिकारियों से संपर्क किया था। अधिकारियों ने सिर्फ उनकी बात सुनी और सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि वह किसी भी गुट का पक्ष न ले। हालांकि, टाटा ग्रुप में हो रहे घटनाक्रम में सरकार की दिलचस्पी कोई नई बात नहीं है। 2025 में नोएल टाटा के टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन बनने के बाद से ट्रस्ट्स में तनाव बढ़ गया। इस वजह से नोएल टाटा, चंद्रशेखरन, वेणु श्रीनिवासन समेत अन्य ट्रस्टियों को सरकार के सीनियर अधिकारियों से अलग-अलग बातचीत करनी पड़ी। इन चर्चाओं का मकसद ट्रस्ट्स के अंदर मतभेदों को सुलझाना और टाटा संस के कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर से जुड़े प्रस्तावित नियमों को समझना था।

किस बात की है लड़ाई; जून 2026 में नोएल टाटा ने आरबीआई के सीनियर अधिकारियों से मुलाकात की थी और टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर चिंता जताई। इसे लेकर टाटा ट्रस्ट्स में मतभेद हैं। इसका विरोध करने वालों का कहना है कि इस कदम से कंपनी पर ट्रस्ट्स का कंट्रोल कम हो जाएगा। एक ट्रस्टी ने तर्क दिया कि टाटा संस के चेयरमैन और ट्रस्ट्स के चेयरमैन के बीच बार-बार होने वाला तनाव एक ऐसी व्यवस्थागत समस्या की ओर इशारा करता है जिसके लिए लंबे समय तक चलने वाले समाधान की जरूरत है।

भारत में अमीरों की संख्या बढ़ी, 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाता 576 हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में उच आय वर्ग के करदाताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2026 में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 39 फीसदी बढ़कर 576 हो गई है। एक वर्ष पहले आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 415 थी। यह वृद्धि देश में बढ़ती आय, व्यावसायिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि केवल अति-उच आय वर्ग ही नहीं, बल्कि 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक आय दिखाने वाले करदाताओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आकलन वर्ष 2026 में इस श्रेणी के करदाताओं की संख्या बढ़कर 5,35,672 हो गई। आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 4,71,419 थी। यानी इस वर्ग में सालाना आधार पर 14 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ऊपरी आय वर्ग में वृद्धि की रफ्तार व्यापक उच आय वर्ग की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव के साथ बढ़ी है। आकलन वर्ष 2022 में इस श्रेणी में केवल 142 करदाता थे। इसके बाद आकलन वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 301 हो गई, जो 112 फीसदी की भारी वृद्धि थी। वहीं, आकलन वर्ष 2024 में इसमें मामूली गिरावट आई और संख्या घटकर 284 रह गई। लेकिन इसके बाद फिर तेजी लौटी और आकलन वर्ष 2025 में यह बढ़कर 415 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2026 में यह संख्या 576 तक पहुंच गई। क्या एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या भी बढ़ी है एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या लगातार स्थिर गति से बढ़ती रही है। आकलन वर्ष 2022 में इस वर्ग में 1,93,800 करदाता थे। यह संख्या आकलन वर्ष 2023 में बढ़कर 2,69,184 हो गई। आकलन वर्ष 2024 में यह 3,49,974 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 4,71,419 थी। आकलन वर्ष 2026 में यह बढ़कर 5,35,672 तक पहुंच गई। रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2022 के मुकाबले अब 1 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या दोगुने से भी अधिक हो चुकी है। वहीं, 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या चार गुना बढ़ गई है। देश की अर्थव्यवस्था के लिए क्या अनुमान हैं एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर आठ फीसदी रहने का अनुमान है।

छेड़खानी का विरोध करने पर जिप सदस्य सहित तीन पर हमला

महिला कांवरियों के साथ मनचले कर रहे थे छेड़खानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। हरिणा स्थित मुक्तेश्वर धाम में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं के साथ कैरासाई के समीप मारपीट का मामला सामने आया है।

महिला कांवरियों के साथ की जा रही छेड़खानी का विरोध करने पर जिला परिषद सदस्य सूरज मंडल समेत तीन लोगों पर असामाजिक तत्वों ने जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, परिवार और ग्रामीणों के साथ कांवर लेकर जा रहे दल की महिला श्रद्धालुओं के साथ 15 से 20 युवकों का एक समूह कथित तौर पर छेड़खानी कर रहा था।

जब जिप सदस्य सूरज मंडल और उनके साथियों ने इसका कड़ा विरोध किया, तो मामला बढ़ गया। इसके बाद युवकों ने डंडे, शराब की बोतल और पत्थरों से हमला बोल दिया।

इस हिंसक हमले में जिला परिषद सदस्य सूरज मंडल, घनश्याम मंडल और रवि मोदक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की सहायता से तीनों घायलों को इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस घटना को लेकर स्थानीय क्षेत्र में गहरा आक्रोश व्याप्त है। मामले में फिलहाल कोवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है।

अस्पताल में भर्ती जिप सदस्य सूरज मंडल ने कहा कि श्रावण मास में हरिणा मुक्तेश्वर धाम में जलाभिषेक के लिए प्रतिदिन हजारों कांवरिये जाते हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया है।

देवघर में तीसरी सोमवारी को उमड़ा आस्था का महासमुद्र

10 किमी लगी लंबी कतार, तीन लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

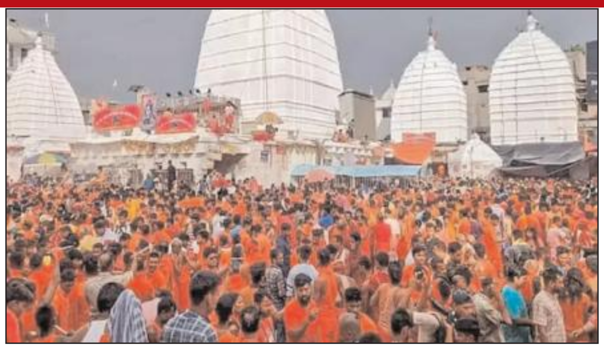

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। देवघर श्रावणी मेला-2026 परवान पर है। भक्ति का रंग शिवभक्ति के संग मिलकर आस्था के समंदर में डुबकियां लगा रहा है। बिहार के सुल्तानगंज से देवघर तक 105 किमी का कांवरिया पथ और बाबा मंदिर बोल बम गूंज रहा है।

आस्था के समंदर का लहर इस कदर उमड़ा है कि सावन की तीसरी सोमवारी पर शिव आंगन भक्तों से खचाखच भरा है। तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलार्पण की पूरी संभावना है। सुबह चार बजे से जलार्पण हो रहा है। जलार्पण के लिए दस किमी की लंबी कतार मंदिर तक लगी है।

सावन मास में पड़ने वाला सोमवार भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। नाग पंचमी का संयोग धार्मिक दृष्टि से सोमवार के महत्व और भी बढ़ा जाता है।

सावन भगवान शिव को समर्पित है और महादेव के गले में नाग देवता विराजमान रहते हैं। ऐसे में सावन सोमवार के दिन शिव आराधना के साथ नाग देवता की पूजा को अत्यंत पुण्यकारी माना गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन सोमवार को भगवान शिव का अभिषेक करने के साथ नाग देवता की पूजा करने से श्रद्धालुओं को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि नाग देवता की आराधना करने से सर्प भय से मुक्ति मिलती है और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहती है।

राहु-केतु से संबंधित बाधाओं और कालसर्प दोष से पीड़ित जातकों के लिए इस दिन नाग देवता की पूजा, शिवलिंग पर जलाभिषेक और भगवान शिव की आराधना को कल्याणकारी माना जाता है।

सावन सोमवार और नाग पंचमी का यह संयोग श्रद्धालुओं के लिए भगवान शिव तथा नाग देवता की संयुक्त आराधना का विशेष अवसर माना जाता है।

उपायुक्त ने की डीसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों की प्रगति, ऋण वितरण, कृषि ऋण, शिक्षा ऋण, स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण, पीएमईजीपी, पीएमएफएमई एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि छोटे उद्यमियों की सबसे बड़ी समस्या कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) एवं ऋण की उपलब्धता है। बड़े ऋण मामलों में समाधान अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं एवं गरीब व्यवसायियों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बैंक केवल एक भवन के भीतर संचालित होने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक कार्यक्षेत्र बाजार और समाज है। बैंक के लिए बड़े व्यवसायी और छोटा सब्जी विक्रेता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए वित्तीय सेवाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए।उपायुक्त ने कहा कि बैंकों को अपने दायरे को बंद कमरों से बाहर निकालकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना होगा। स्वयं सहायता समूहों , छोटे कारोबारियों एवं जरूरतमंद लोगों को ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाओं से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। तभी वित्तीय समावेशन का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।

बैठक में एलडीएम ने बताया कि जिले के सीडी रेशियो में पिछली बैठक की तुलना में सुधार दर्ज किया गया है। राज्य स्तरीय रैंकिंग में बोकारो शीर्ष पांच जिलों में शामिल है। वर्तमान में जिले का सीडी रेशियो 60.28 प्रतिशत है। इस पर उपायुक्त ने सभी बैंकों को और बेहतर करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया।

उपायुक्त ने शिक्षा ऋण के मामलों में जिले के प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए पात्र विद्यार्थियों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने को कहा। उन्होंने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित परियोजनाओं के लिए ऋण वितरण बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया।

बैठक में पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, स्वयं सहायता समूहों की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड एवं अन्य वित्तीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्राथमिक सेक्टर की प्रगति की समीक्षा साप्ताहिक स्तर पर सुनिश्चित करने को एलडीएम को निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि जिले में वित्तीय समावेशन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत अधिकाधिक पात्र लाभुकों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंक एवं जिला प्रशासन को समन्वित रूप से कार्य करना होगा।

उन्होंने बैंक अधिकारियों से लंबित आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं लाभुक हितैषी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार, शिक्षा ऋण, कृषि एवं एमएसएमई क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने से न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा।

मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अग्रणी जिला प्रबंधक प्रकाश चन्द्र मिश्रा, नाबार्ड डीडीएम सुरीना राजन एवं भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि एस. एस. तिर्की सहित विभिन्न बैंकों के समन्वयक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कांवरियों की पीड़ा हर रहा पथ प्रदर्शक

सेवा से पेश कर रहा मानवता की मिसाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला के दौरान सुल्तानगंज-बैद्यनाथधाम कांवरिया पथ पर कांवरियों की सेवा में औरंगाबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक लगातार जुटी हुई है। धावाघाट स्थित निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर में संस्था ने सेवा का 19 वां दिन पूरा करते हुए थके-मांदे और जख्मी कांवरियों को राहत पहुंचाई।

पूरे हिन्दुस्तान में रक्तदान जागरूकता, रक्तदान शिविर एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत पथ प्रदर्शक ने इस वर्ष पहली बार बाबा बैद्यनाथ धाम में एक माह के लिए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर शुरू किया है। शिविर में पैदल यात्रा के दौरान जख्मी कांवरियों को बैंडेज-पट्टी की सुविधा, थके हुए कांवरियों को मालिश एवं पैरों की मसाज तथा प्यासे श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल और नींबू शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है।

पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कांवरियों की सेवा करने से उन्हें सुखद अनुभूति हो रही है। संस्था द्वारा पहली बार शुरू किया गया यह सेवा शिविर आने वाले वर्षों में भी निरंतर जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेवा शिविर में टीम पथ प्रदर्शक की किरण कुमारी, पूजा कुमारी, साबिया परवीन और पूनम देवी लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं। वहीं पटना के मनीष सिंह, देवघर के कमलेश सिंह, जमुई के शैलेश कुमार सिंह, गढ़वा के विवेक कुमार तिवारी और टीम पथ प्रदर्शक के डॉ बासुकीनाथ पाठक,धनंजय कुमार भी समय-समय पर शिविर में पहुंचकर कांवरियों की सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। पथ प्रदर्शक के इस सेवा अभियान से कांवरियों को यात्रा के दौरान राहत मिल रही है। संस्था का यह प्रयास सेवा, समर्पण और हिन्दू-मुस्लिम एकता के साथ मानवता की मिसाल पेश कर रहा है।

पंचायत चुनाव की कवायद तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2027 को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने सभी जिलों के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से पंचायतवार मतदान केंद्रों की स्थापना से संबंधित जानकारी मांगी है।

इसके बाद जामताड़ा जिले में भी प्रशासनिक स्तर पर चुनावी तैयारियों की प्रक्रिया तेज हो गई है। जिला स्तर से जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पत्र भेजकर अपने-अपने प्रखंड की पंचायतों में प्रस्तावित मतदान केंद्रों का विस्तृत ब्योरा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत दावा आपत्ति औश्र सुझावों के लिए भी लोगों को मौका मिलेगाा। झारखंड में पिछला पंचायत चुनाव साल 2022 में हुआ था। इसका कार्यकाल अप्रैल-मई 2027 में समाप्त हो जाएगा।

पंचायत राज पदाधिकारी के अनुसार मतदान केंद्रों की सूची का प्रारूप एक से आठ सितंबर तक प्रकाशित किया जाएगा। इस दौरान आम लोगों से दावा, आपत्ति और सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त दावा-आपत्ति एवं सुझावों का निष्पादन नौ से 12 सितंबर तक किया जाएगा।

इसके बाद मतदान केंद्रों की सूची को राज्य निर्वाचन आयोग से अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। आयोग से सूची का अनुमोदन 15 से 25 सितंबर के बीच कराया जाना है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों की सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर को किया जाएगा। अंतिम रूप से प्रकाशित सूची की एक प्रति पांच अक्टूबर तक राज्य निर्वाचन आयोग को उपलब्ध करानी होगी। प्रशासनिक स्तर पर पंचायतवार बूथों का विवरण जुटाने की प्रक्रिया इसी क्रम में शुरू की गई है।

अनियंत्रित ऑटो पलटा, चालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में चंदवा थाना क्षेत्र के एनएच-75 रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग स्थित शिवा टोली के समीप सोमवार को सड़क पर बनी एक ठोकर ने फिर एक जिंदगी लील ली। तेज रफ्तार में आ रहा ऑटो ठोकर पर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

हादसा इतना भीषण था कि ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसमें सवार करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई। सड़क पर बने ये ठोकर अब वाहन चालकों के लिए सावधानी का संकेत कम और मौत का बुलावा अधिक साबित होते दिख रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, एनएच-75 पर कई जगह सड़क की स्थिति और यातायात व्यवस्था के अनुरूप ठोकर या ब्रेकर बना दिए गए हैं। समस्या यह है कि इनमें से कई स्थानों पर वाहन चालकों को दूर से सचेत करने के लिए पर्याप्त संकेतक नहीं लगाए गए हैं। कई ठोकरों पर श्वेत पट्टियां और चमकीले प्रतिबिंबित चिह्न तक नजर नहीं आते।ऐसे में दिन में तो चालक किसी तरह संभल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में अचानक सामने आई ठोकर वाहन की रफ्तार और संतुलन दोनों बिगाड़ देती है। सोमवार की दुर्घटना ने इसी लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सड़क सुरक्षा मानकों के अनुसार, सड़क पर बने ठोकरों को दूर से स्पष्ट दिखाई देना जरूरी है। इसके लिए श्वेत रंग की पट्टियां, चेतावनी संकेतक और रिफ्लेक्टिव मार्किंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था केवल ब्रेकर बना देने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, उसकी नियमित निगरानी भी जरूरी है।लोगों ने प्रशासन से एनएच-75 समेत जिले की प्रमुख सड़कों पर बने सभी अनावश्यक ब्रेकरों की जांच कराने, जरूरी स्थानों पर स्पष्ट संकेतक व रिफ्लेक्टिव मार्किंग कराने तथा नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

शराब के साथ दो धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। एकमा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नौतन बाजार में छापेमारी कर दस लीटर देसी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष राम बालक यादव ने बताया कि पुलिस टीम ने विशाल कुमार और मुन्ना साह के घर पर छापेमारी की, जहां से दोनों के पास से देसी शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

वारंटी धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)।एकमा थाना क्षेत्र के आमडाढ़ी गांव में सोमवार को पुलिस ने छापेमारी कर एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान छोटन कुमार, पिता बिक्रमा सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पुलिस वाहन पर फायरिंग करने वाला धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। चतरा में सात फरवरी 2024 को सदर थाना क्षेत्र के बैरियों जंगली में पुलिस वाहन पर हुई फायरिंग की घटना में शामिल टीएसपीसी के एक उग्रवादी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी दो पुलिसकर्मियों को बलिदान करने वाली घटना में संलिप्त था। मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। बताते चलें कि पोस्ता खेती विनष्टीकरण अभियान से लौट रही थी पुलिस टीम पर टीएसपीसी के उग्रवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

घटना में दो जवानों की गयी थी जानें

गोली लगने से आरक्षी/1053 सुकन राम और आरक्षी/285 सिकंदर सिंह बलिदान हो गए थे। जबकि आरक्षी/111 आकाश सिंह घायल हुए थे।

एसपी ने बताया कि घटना में टीएसपीसी कमांडर आक्रमण गंझू, शशिकांत गंझू, हरेंद्र गंझू, कुणाल उर्फ कुलदीप गंझू, जेठा उर्फ राजदेव गंझू, हरिवंश उर्फ हरवंश, लक्ष्मण गंझू, छोटू गंझू, सोहन गंझू, भुनेश्वर गंझू, सुरेश गंझू और जीवलाल भुइयां को नामजद किया गया था। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस घटना में शामिल अन्य उग्रवादियों की पहचान और उनकी गतिविधियों से जुड़े सुराग जुटा रही है। मामले में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी कार्रवाई जारी है।

एफएलएन विशेष कक्षाओं का धूमधाम से हुआ शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। विभागीय निर्देश के आलोक में सारण जिले के एकमा प्रखंड एवं नगर पंचायत क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालयों में सोमवार को फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) कार्यक्रम के तहत विशेष कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। कक्षा चार से आठ तक के विद्यालय स्तरीय आकलन में भाषा एवं गणित में अपेक्षाकृत कमजोर पाए गए बच्चों को इन विशेष कक्षाओं में शामिल किया गया है। इन कक्षाओं का उद्देश्य बच्चों की बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को मजबूत करना है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर 17 अगस्त से एफएलएन के लिए नामित शिक्षकों द्वारा प्रथम पाली में प्रतिदिन एक घंटे भाषा (हिंदी) एवं एक घंटे गणित की विशेष कक्षा शुरू की गई है। भाषा में अक्षर, शब्द, अनुच्छेद और कहानी पढ़ने-समझने तथा गणित में अंकों की पहचान, जोड़, घटाव, गुणा और भाग का अभ्यास कराया जाएगा। बच्चों को उनकी सीखने की जरूरत के अनुसार सरल एवं गतिविधि आधारित तरीके से पढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। तीन अगस्त तक हुए आकलन के आधार पर बच्चों का चयन किया गया है। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर, एनपीएस गंगवा, एनपीएस एससी टोला चकमीरा, कन्या मध्य विद्यालय एकमा, आदर्श मध्य विद्यालय हंसराजपुर, प्राथमिक प्राथमिक विद्यालय नवतन कोईरी टोला, पीएस राजापुर, एनपीएस रामपुर मठिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय आमडाढ़ी, उमवि बसंतपुर, प्राथमिक विद्यालय धनाडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनवारी अमनौर, उमवि एकसार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गजियापुर, एनपीएस भरहोपुर कामाख्या मंदिर, एनपीएस भुअरपुर, कन्या प्राथमिक विद्यालय अतारसन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय शिवरी मठिया, एनपीएस फुचटीकला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लाकठ छपरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रीठ, मध्य विद्यालय माने, प्राथमिक विद्यालय अतारसन एससी टोला, कन्या प्राथमिक विद्यालय शोभन छपरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लौवारी, उमवि माणिकपुर, एनपीएस बीच टोला माधोपुर, उमवि देवढ़ियां पंडित टोला, एनपीएस घुरापाली, एनपीएस कोहरगढ़ एससी टोला, एनपीएस अतारसन मठिया, प्राथमिक विद्यालय बंशी छपरा, प्राथमिक विद्यालय फुचटी खुर्द, एनपीएस गलिमापुर, एनपीएस मरवठ, कन्या प्राथमिक विद्यालय कर्णपुरा एवं प्राथमिक विद्यालय रामपुर समेत कई विद्यालयों में विशेष कक्षाएं शुरू हुईं।

जेल में बंद उग्रवादी की मौत से कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। टीएसपीसी उग्रवादी मंटू गंझू की मौत के बाद स्थानीय मंडल कारा एक बार फिर सुर्खियों में है। आर्म्स एक्ट के मामले में करीब दो वर्षों से जेल में बंद टीएसपीसी उग्रवादी मंटू गंझू उर्फ दिलेश सिंह की मौत ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की निगरानी और जेल अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जेल प्रशासन के अनुसार मंटू ने फांसी लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और सदर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, मृतक के परिजनों ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए जेल प्रशासन पर सुनियोजित हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मंटू पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव का रहने वाला था।

घटना के बाद जिला प्रशासन की निगरानी में मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बोर्ड में मजिस्ट्रेट के रूप में हंटरगंज अंचल अधिकारी रितिक कुमार तथा चिकित्सक डॉ. अजहर, डॉ. बिनय मेहता और डॉ. शैलेंद्र कुमार शामिल थे।

मृतक के भाई संटू सिंह ने सदर थाना प्रभारी को आवेदन देकर काराधीक्षक, कक्षपाल समेत अन्य जेलकर्मियों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। उसका आरोप है कि कुछ दिन पूर्व जेल के फोन से मंटू ने उसे बताया था कि उसे प्रताड़ित किया जा रहा है और दो लाख रुपये की मांग की जा रही है।

16 अगस्त को सुबह करीब 9:30 बजे परिजनों को मंटू की तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत की जानकारी मिली। परिजनों का दावा है कि शव देखने पर गले और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान दिखाई दिए।

इसी आधार पर उन्होंने शव लेने से इनकार कर दिया और मानवाधिकार आयोग समेत पुलिस, न्यायपालिका, राज्यपाल व मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है। स्वजन शव लेने से इंकार कर दिया था। बाद में काफी समझाने बुझाने के बाद रविवार की रात शव लेकर गए। मंटू की मौत ने सबसे बड़ा सवाल मंडल कारा की आंतरिक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर खड़ा किया है। यदि जेल प्रशासन के दावे के अनुसार बंदी ने आत्महत्या का प्रयास किया, तो सवाल है कि कड़ी सुरक्षा और लगातार निगरानी के बावजूद उसे ऐसा मौका कैसे मिला?

जेल में प्रतिबंधित वस्तुओं, बंदियों की गतिविधियों और संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी? घटना के समय ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच जरूरी है।

हथियार के साथ चार धराये

मसौढ़ी। धनरुआ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अपराध की साजिश रच रहे चार युवकों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

पुलिस को सूचना मिली थी कि वीर गांव स्थित हैवी ड्राइविंग कॉलेज के पीछे झाड़ीनुमा बगीचे में कुछ युवक बैठकर अपराध की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही धनरुआ थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रौशन कुमार (22), पिता स्व. दीपक सिंह और अभिषेक कुमार उर्फ बब्बी (23), पिता रणजीत कुमार, दोनों निवासी वीर, थाना धनरुआ के रूप में हुई है। वहीं सोनू कुमार (19), पिता रमेश यादव और शिवम कुमार (19), पिता नीतीश कुमार, दोनों निवासी सलेमपुर, थाना कराय परशुराय, जिला नालंदा को भी गिरफ्तार किया गया।

दीक्षांत समारोह में पहुंचे सुपर-30 के आनंद कुमार

उच्च शिक्षा के लिए पलायन पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। अर्का जैन विश्वविद्यालय के नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ रविवार को एक्सएलआरआई स्थित टाटा ऑडिटोरियम में भव्य स्वागत समारोह आरंभ 2026 के साथ हुआ।

बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध शिक्षाविद् और 'सुपर 30' के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार ने शिरकत की। खचाखच भरे ऑडिटोरियम में उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए ज्ञान की भूख जगाने और भारी-भरकम पैकेज के बजाय स्किल्स पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आनंद कुमार ने कहा कि वर्तमान दौर केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि व्यावहारिक हुनर विकसित करने का है।

युवाओं को सिर्फ नौकरी की तलाश करने के बजाय नवाचार (इनोवेशन) पर जोर देना चाहिए। अपने संघर्ष के दिनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन विपरीत हालातों से लड़कर ही वास्तविक सफलता मिलती है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेते हुए ऊंचे लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। आनंद कुमार ने विद्यार्थियों को भटकाव से बचने के लिए सफलता के चार मूल मंत्र- प्रबल प्यास, सकारात्मक सोच, अथक प्रयास और असीम धैर्य बताए।

उन्होंने 'सुपर 30' के पूर्व छात्रों जैसे नालंदा के किसान पुत्र अभिषेक राज (वर्तमान में टेक्सास की कंपनी में कार्यरत) और गूगल वैज्ञानिक शशि नारायण की संघर्षपूर्ण कहानियों को साझा करते हुए कहा कि सीखने की प्रबल जिज्ञासा ही इंसान को बुलंदियों तक पहुंचाती है। समारोह के दौरान उन्होंने झारखंड से उच्च शिक्षा के लिए होने वाले पलायन को रोकने में अर्का जैन विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

इस सत्र में करीब 2400 विद्यार्थियों ने लगभग 35 पाठ्यक्रमों में नामांकन लिया है। इस वर्ष फोरेंसिक साइंस जैसे नए रोजगारपरक कोर्स शुरू किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय का जल्द ही जापान की एक प्रमुख यूनिवर्सिटी के साथ करार होगा, जिससे स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम को बढ़ावा मिलेगा।

समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय गीत और दीप प्रज्वलन से हुई। नव नामांकित विद्यार्थियों ने इनॉग्रल डांस, सेमी क्लासिकल नृत्य, लाइव बैंड और एक आकर्षक फैशन शो प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- भारत की जीत से शुरुआत

हरिहरन-अर्जुन अगले राउंड में पहुंचे, आयरलैंड की जोड़ी ने मैच छोड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत के साथ शुरुआत की है। नई दिल्ली में मेंस डबल्स के पहले राउंड में हरिहरन अम्सकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हरा दिया।

आयरलैंड की जोड़ी मैच से हटी - भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी आयरलैंड की जोड़ी ने चोट की वजह से मैच से हटने का फैसला किया।

भारत में 17 साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप

2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हो रहा है। यह चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक चलेगी। भारत ने आखिरी बार 2009 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

देहरादून में एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी शुरू

चीन-कोरिया समेत 14 देशों के 270+ खिलाड़ी पहुंचे, 20 अगस्त तक होंगे मुकाबले

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में आज से एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2026 शुरू हो गई है। रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हिमाद्री आइस रिंक में हो रही इस प्रतियोगिता में 270 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ओपनिंग सेरेमनी में पहुंच इस टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

14 देशों के खिलाड़ी 20 अगस्त तक अलग-अलग स्पर्धाओं में मुकाबला करेंगे। चीन और दक्षिण कोरिया जैसे मजबूत आइस स्पोर्ट्स देशों के खिलाड़ी भी इसमें शामिल हैं।

उत्तराखंड लगातार दूसरी बार इस एशियाई स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के परिवार और खेल प्रेमी भी पहुंच रहे हैं। दर्शकों के लिए एंट्री निःशुल्क है, जबकि जो लोग रिंक नहीं पहुंच सकते, वो ऑनलाइन ही मुकाबलों का लाइव टेलिकास्ट देख सकेंगे।सीएम पुष्कर धामी भी ओपनिंग सेरेमनी में शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह के बाद प्रतियोगिता की रेस शुरू होंगी। 17 अगस्त को प्रतियोगिता का पहला दिन था। इसके बाद 18 अगस्त को दूसरा दिन और अवॉर्ड सेरेमनी, 19 अगस्त को तीसरा दिन और पुरस्कार समारोह होगा। 20 अगस्त को प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन के बाद अवॉर्ड और क्लोजिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता से पहले 14 से 16 अगस्त तक अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों ने हिमाद्री आइस रिंक में अभ्यास किया। थाईलैंड समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने रिंक पर अभ्यास कर ट्रैक और परिस्थितियों को समझा। अब चार दिन तक यहां अलग-अलग स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे।

भारत को गॉल टेस्ट में 178 रन की बढ़त

● श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट, सोनल दिनूषा ने 100 रन बनाए; जडेजा के 350 विकेट पूरे

गॉल (एजेंसी)। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी में नौवां विकेट गिर गया है। टीम ने 9 विकेट पर 274 रन बना लिए हैं। सोनल दिनुशा 100 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रवींद्र जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट कर टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे और श्रीलंका अभी 188 रन पीछे है। भारत की ओर से जडेजा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए हैं। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। देवदत्त पडिक्कल ने शतक लगाया। उन्होंने 167 रन की पारी खेली।

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने प्रभात जयसूर्या 10 रन बनाकर आउट - श्रीलंका को 77.5 ओवर में आठवां झटका लगा। मानव सुथार ने प्रभात जयसूर्या को 10 रन पर आउट कर दिया। जयसूर्या ने स्लॉग स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। डीप स्क्वायर लेग पर ध्रुव जुरेल ने आगे दौड़ते हुए कैच पकड़ा।

श्रीलंका ने फॉलोऑन बचाया - श्रीलंका ने फॉलोऑन बचा लिया है। 73.3 ओवर में मानव सुथार की गेंद पर प्रभात जयसूर्या ने स्लॉग स्वीप खेलकर चौका लगाया। इस चौके के साथ श्रीलंका ने भारत के 462 रन के स्कोर के मुकाबले 263 रन पूरे कर लिए और फॉलोऑन के लिए जरूरी स्कोर हासिल कर लिया।

नुवानथा आउट, जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे - रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने गॉल टेस्ट के तीसरे दिन 66.4 ओवर में केशरा नुवानथा को 2 रन पर आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। नुवानथा ने जडेजा की टर्न लेती गेंद पर शॉट खेला, लेकिन गेंद शॉर्ट लेग के पास खड़े खिलाड़ी से लगकर हवा में उछल गई। शुभमन गिल ने पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच लपक लिया।

सोनल दिनूषा की पहली टेस्ट सेंचुरी

सोनल दिनुशा ने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा कर लिया है। मानव सुथार की गेंद पर उन्होंने स्वीप शॉट खेलकर एक रन लिया और सेंचुरी पूरी की। श्रीलंका ने 59 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे, लेकिन दिनुशा ने पारी को संभाला। उन्होंने निरोशन डिकवेला के साथ 146 रन की साझेदारी की।

इस श्रीलंकाई बल्लेबाज ने भारत के मंसूबों पर फेरा पानी, यूं शतक से धोया पारी से जीत का मौका!

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गाले में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए। इसके बाद श्रीलंकाई टीम बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी, तीसरे दिन पहले सेशन में ही टीम इंडिया ने श्रीलंका पर अपना दबदबा बनाया और 90 रन पर ही श्रीलंका के 5 विकेट गिर गए। इसके बाद मुश्किल में फंसी श्रीलंकाई टीम को मिला सोनल दिनुशा का साथ। सोनल दिनुशा ने इस मैच में 167 गेंदों में अपना शतक पूरा किया है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 04 चौके और 02 छक्के जड़े।

छठे विकेट के लिए जोड़े 146 रन

भारत के 462 रनों के विशाल स्कोर के जवाब में उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, तीसरे दिन के शुरुआती सेशन तक भारतीय गेंदबाजों के कसे हुए प्रदर्शन के आगे श्रीलंका ने महज 90 रनों पर अपने 5 अहम विकेट गंवा दिए थे। यहां से संकट में फंसी मेजबान टीम को सोनल दिनुशा और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला का सहारा मिला। दोनों बल्लेबाजों ने जुझारू खेल दिखाते हुए छठे विकेट के लिए 213 गेंदों पर 146 रनों की महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी निभाई और श्रीलंका को फॉलोऑन के खतरे से बाहर निकाला।

एशियन गेम्स के लिए अफगानिस्तान की नई टीम

● दरविश कप्तान,6 अनकैप्ड खिलाड़ी

● 5 खिलाड़ियों के पास 10 से कम इंटरनेशनल मैचों का अनुभव

नईदिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम घोषित कर दी है। टॉप ऑर्डर बल्लेबाज दरविश रसूली को कप्तान बनाया गया है। टीम में 6 ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं, 5 खिलाड़ियों के पास 10 से कम इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है।

करीम जनत और नजीबुल्लाह जादरान टीम में - टीम में करीम जनत और नजीबुल्लाह जादरान जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। इनके अलावा नंग्यालिया खरोटे के पास 10 से ज्यादा इंटरनेशनल मैचों का अनुभव है। खरोटे टीम के स्पिन अटैक की अगुआई कर सकते हैं।

घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मौका - अफगानिस्तान ने अपनी घरेलू टी-20 प्रतियोगिता शपगीजा क्रिकेट लीग (एससीएल) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। एससीएल के पिछले सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मोहम्मद अकरम को टीम में जगह मिली है। उनके अलावा टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले खालिद तनीवाल भी टीम का हिस्सा हैं।

अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीम

दरविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), मोहम्मद अकरम, हसन ईसाखिल, खालिद तनीवाल, इमरान मीर, फैसल शिनोजादा, नजीबुल्लाह जादरान, फरमानुल्लाह, इस्मत आलम, करीम जनत, नंग्याल खरोटे, अरब गुल मोमंद, फरीदून दाऊदजई, अब्दुल्लाह अहमदजई।

एससीएल के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी टीम में - दो टेस्ट खेल चुके ऑलराउंडर इस्मत आलम को भी एशियन गेम्स टीम में चुना गया है। वह एससीएल के पिछले सीजन में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने 294 रन बनाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 168 रहा था। गेंदबाजी में उन्होंने 9 विकेट लिए थे और उनका औसत 16.77 रहा।अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले फैसल शिनोजादा को भी टीम में शामिल किया गया है।अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल को भी टीम में जगह मिली है।

श्रीलंका में भारत-ए के खिलाफ सीरीज के प्रदर्शन का फायदा - तेज गेंदबाज फरमानुल्लाह को भी टीम में चुना गया है। वह हाल ही में श्रीलंका में हुई वनडे ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इस सीरीज में श्रीलंका-ए और भारत-ए की टीमें भी शामिल थीं। फरमानुल्लाह ने 10 विकेट लिए थे।

एशियन गेम्स 24 सितंबर से - एशियन गेम्स 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होंगे। अफगानिस्तान की टीम को स्पिन डिपार्टमेंट में नंग्यालिया खरोटे के अलावा लेग स्पिनर अरब गुल मोमंद हैं। तेज गेंदबाजी में फरमानुल्लाह, अब्दुल्लाह अहमदजई और फरीदून दाऊदजई हैं। ऑलराउंडर इस्मत आलम और करीम जनत भी तेज गेंदबाजी में विकल्प देंगे।

गावस्कर ने आईपीएल ट्रेड पर सवाल उठाए,बोले-

खिलाड़ी की डील की रकम पब्लिक हो, तभी सैलरी कैप पर रहेगी नजर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर पूरी फाइनेंशियल डिटेल सार्वजनिक करने की मांग की है। गावस्कर कहा कि जब कोई खिलाड़ी एक फ्रेंचाइजी से दूसरी टीम में ट्रेड होता है, तो उसकी डील की रकम भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। इससे सभी फ्रेंचाइजियों को यह पता रहेगा कि टीमों ने तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं।

गावस्कर बोले- अभी सिर्फ 4 पक्षों को पता चलती है रकम - गावस्कर ने 'मिड-डे' के अपने कॉलम में लिखा कि किसी खिलाड़ी के ट्रेड की रकम की जानकारी दोनों फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और बीसीसीआई को होती है। बाकी टीमों को इस डील की पूरी फाइनेंशियल जानकारी नहीं मिलती।

उनके मुताबिक, इससे दूसरी फ्रेंचाइजियों के लिए यह जांचना मुश्किल हो जाता है कि किसी टीम ने तय सैलरी कैप के भीतर रहकर ट्रेड किया है या नहीं। इसलिए ट्रेड की रकम को सार्वजनिक करना पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

● बोले- यह सिर्फ दो पार्टियों का मामला नहीं - गावस्कर के मुताबिक आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग है, इसलिए इसके कामकाज में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। ट्रेड की रकम सार्वजनिक होने से सभी फ्रेंचाइजियों को एक जैसी जानकारी मिलेगी और लीग के नियमों को लेकर उठने वाले सवालों को कम किया जा सकेगा।

पंत-कुलदीप का भी ट्रेड हुआ - 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुए थे। उनकी लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई थी।2026 सीजन खत्म होने के बाद ऋषभ पंत और कुलदीप यादव का भी ट्रेड हुआ। पंत एलएसजी से दिल्ली कैपिटल्स लौटे, जबकि कुलदीप दिल्ली से एलएसजी चले गए। आईपीएल के मुताबिक पंत की नई फीस 15 करोड़ और कुलदीप की 13.50 करोड़ रुपए है।

सिंकफील्ड कप में वेस्ली सो की एकल बढ़त, दिव्या देशमुख की लगातार दूसरी जीत

सेंट लुईस (एजेंसी)। ग्रैंड चेस टूर 2026 के प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने तीसरे दौर में हमवतन फैबियानो कारुआना को हराकर एकल बढ़त हासिल कर ली है। वहीं भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कर्न्स कप में पूर्व विश्व चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

सिंकफील्ड कप में सो ने काले मोहरों से खेलते हुए कारुआना को मात दी। इसके अलावा विंसेंट कीमर ने प्रज्ञानन्दा को हराकर वापसी की, जबकि सैम सेवियन ने अनीश गिरी को 110 चालों तक चले मुकाबले में

पराजित किया। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन ने क्रमशः जावोखिर सिंदारोव और योर्डन वान फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रॉ खेला।

तीन दौर के बाद वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ एकल शीर्ष पर हैं। कीमर 2 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि वाचियर-लाग्रेव और अरोनियन 2-2 अंकों के साथ सो से आधा अंक पीछे हैं।

दिव्या देशमुख की शानदार जीत

महिला वर्ग के कर्न्स कप में भारत की दिव्या देशमुख ने पूर्व महिला विश्व चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

बैडमिंटन अब शतरंज का खेल बन गया है

कर्स्टी गिल्मोर ने बताया आधुनिक खेल का नया अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा यूरोपीय महिला सिंगल्स चैंपियन कर्स्टी गिल्मोर का मानना है कि आधुनिक दौर में बैडमिंटन सिर्फ शारीरिक क्षमता का खेल नहीं रह गया है। इसमें मानसिक मजबूती की भूमिका भी उतनी ही अहम हो गई है। दुनिया की 35वें नंबर की स्कॉटिश शटलर ने मौजूदा खेल शैली की तुलना शतरंज से की है।

एक साथ मैच और शतरंज का खेल चलता है - गिल्मोर ने कहा कि आज के बैडमिंटन में खिलाड़ी को सिर्फ अपनी शारीरिक क्षमता पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, बल्कि हर शॉट के पीछे रणनीति और मानसिक तैयारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा, एक आमने-सामने का मुकाबला हो रहा होता है और उसी समय शतरंज का खेल भी चल रहा होता है। एक हिस्से को खींचने और दूसरे हिस्से को खोलने की कोशिश होती है। मैं अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम कर रही हूं, जो शारीरिक पक्ष के साथ बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

पहले दौर में हान यू से हारकर बाहर हुईं गिल्मोर - कर्स्टी गिल्मोर को सोमवार से शुरू हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन की पांचवीं

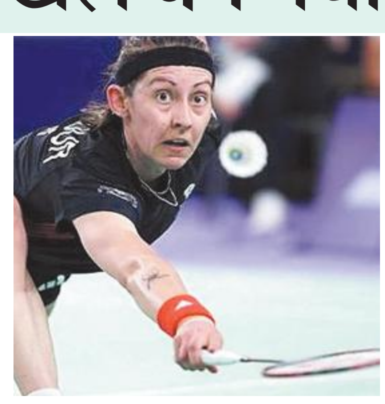

वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हान यू ने 22-20, 13-21, 13-21 से हराया। गिल्मोर ने पहला गेम कड़े मुकाबले में जीत लिया था, लेकिन हान यू ने अगले दोनों गेम में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह गिल्मोर की वर्ल्ड चैंपियनशिप में 10वीं उपस्थिति है। उन्होंने 2013 में पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

इंडिया ओपन के मुकाबले बेहतर हैं इंतजाम - गिल्मोर ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के आयोजन और व्यवस्थाओं की भी तारीफ की। उन्होंने इसे इसी साल इसी स्थान पर हुए इंडिया ओपन की तुलना में काफी बेहतर बताया। खास तौर पर उन्होंने महिला खिलाड़ियों के वॉशरूम में सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता की सराहना की। गिल्मोर ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने शरीर और हार्मोन से जुड़ी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी सुविधाओं की जरूरत होती है।

टॉयलेट की तरह सैनिटरी प्रोडक्ट्स भी होने चाहिए - 32 वर्षीय गिल्मोर ने कहा, हम जितना संभव हो उतनी योजना बनाते हैं, लेकिन कई बार हमारे शरीर की अपनी अलग योजनाएं होती हैं।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार द हंड्रेड चैंपियन

ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया, सीफर्ट के 72 रन, डॉसन ने छक्के से जिताया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेंस कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के टारगेट को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी। जबकि लियम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन बनाए - मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने फिल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरुआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आखिरी गेंदों में रोमांच, डॉसन ने छक्का लगाकर जिताया - सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया।मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे। बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 162/5 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की।

ट्रेंट रॉकेट्स ने बनाए 158 रन - इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंद में 38 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

सीफर्ट को 33 रन पर मिला जीवनदान

सीफर्ट 33 रन पर आउट होने से बच गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड में बाउंड्री की ओर खेला था। फिन एलन ने बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश की और गेंद को मैदान के अंदर वापस फेंक दिया, लेकिन रीप्ले में उनका पैर बाउंड्री रोप को छूता दिखा। थर्ड अंपायर ने इसे छह रन दिया। इसके बाद सीफर्ट ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 72 रन बनाए।

बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए

सीफर्ट और पॉल वॉल्टर ने मैनचेस्टर को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। बटलर के आउट होने के बाद भी सीफर्ट ने रन बनाने की रफ्तार बनाए रखी और टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

मैनचेस्टर ने नाम बदलने के बाद जीता पहला खिताब

मैनचेस्टर की टीम पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से खेलती थी। इस सीजन से फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स किया गया। टीम इससे पहले दो बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दोनों बार उसे हार मिली थी। इस बार टीम ने पहली बार खिताब जीत लिया। ट्रेंट रॉकेट्स की पुरुष टीम के पास एक ही दिन में मेन्स और वुमेंस दोनों खिताब जीतने का मौका था। उसकी महिला टीम इससे पहले फाइनल में सनराइजर्स लीड्स को हराकर चैंपियन बन चुकी थी। पुरुष टीम के हारने के साथ उसका डबल पूरा करने का सपना टूट गया।

पिता-पुत्री की मौत के बाद एनटीपीसी पर उठे सवाल, परिजनों को 16 लाख की सहायता

केरेडारी (हजारीबाग), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एनटीपीसी केरेडारी कोयला खनन परियोजना से जुड़े स्कॉर्पियो वाहन की चपेट में आने से पिता-पुत्री की मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश बना हुआ है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों को एनटीपीसी की ओर से 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, आर्थिक सहायता के बावजूद ग्रामीणों के सवाल कम नहीं हुए हैं।

ग्रामीणों ने दुर्घटना की परिस्थितियों, वाहन की रफ्तार और दुर्घटना के बाद उपलब्ध साक्ष्यों की सुरक्षा को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि दुर्घटना के बाद मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्यों को छिपाने का प्रयास किया गया। उनका दावा है कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर को भी कथित तौर पर छिपाया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन से मांग की है कि घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज तथा डीवीआर को तत्काल अपने कब्जे में लेकर उसकी तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि दुर्घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट हो सकें।

तेज रफ्तार व हाई बीम को लेकर भी नाराजगी

तेज रफ्तार और हाई बीम को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

ग्रामीणों के अनुसार, शाम के समय एनटीपीसी परियोजना से जुड़े कई वाहन अधिकारियों को लेकर हजारीबाग की ओर आते-जाते हैं। आरोप है कि कुछ वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं और रात में हाई बीम का इस्तेमाल करते हैं। इससे सामने से आने वाले छोटे वाहनों और राहगीरों को परेशानी होती है तथा दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने परियोजना से जुड़े वाहनों की गति की नियमित निगरानी, स्पीड गवर्नर और ऋद्धर की जांच तथा चालकों द्वारा यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित कराने की मांग की है।

कोयला परियोजना के साथ सड़क सुरक्षा भी मुद्दा

ग्रामीणों का कहना है कि एनटीपीसी की कोयला खनन परियोजना को लेकर क्षेत्र में पहले से प्रदूषण और भारी वाहनों के परिचालन को लेकर शिकायतें उठती रही हैं।

अब परियोजना से जुड़े वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं ने सड़क सुरक्षा का मुद्दा भी गंभीर बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास परियोजनाओं का संचालन स्थानीय लोगों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं होना चाहिए। परियोजना से जुड़े वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग, गति सीमा, सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाना जरूरी है।

दुर्घटना की पूरी परिस्थितियों की जांच की मांग

ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि जांच में वाहन की वास्तविक गति, चालक की भूमिका, सीसीटीवी फुटेज, डीवीआर और दुर्घटना के बाद की पूरी गतिविधि को शामिल किया जाए। साथ ही डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो। ग्रामीणों का कहना है कि 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मृतक परिवार के लिए तत्काल राहत जरूर है, लेकिन दुर्घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय होना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि यदि किसी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, एनटीपीसी की ओर से सीसीटीवी /डीवीआर छिपाने, तेज रफ्तार और हाई बीम के आरोपों पर आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

बिहार के अरेराज में बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, भक्ति में डूबा धाम

मोतिहारी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज स्थित प्रसिद्ध सोमेश्वर नाथ महादेव धाम में पवित्र श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर सोमवार को आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के सौजन्य से देवाधिदेव बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव एवं उनके दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से भव्य पुष्प वर्षा की गई।

आसमान से बरसते फूलों के बीच पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बाबा सोमेश्वर नाथ के जयघोष से गूंज उठा। हेलीकॉप्टर के मंदिर के ऊपर पहुंचते ही श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। जैसे ही आसमान से पुष्पों की वर्षा शुरू हुई, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हाथ उठाकर इसका स्वागत किया। भक्तों के चेहरों पर आस्था और उल्लास साफ झलक रहा था। पुष्प वर्षा के इस विहंगम दृश्य ने श्रावणी सोमवारी के धार्मिक माहौल को और दिव्य बना दिया। बिहार की काशी के नाम से विख्यात अरेराज की आध्यात्मिक पहचान दो हजार वर्षों से भी अधिक पुरानी पौराणिक परंपरा से जुड़ी बताई जाती है। सोमेश्वर नाथ महादेव धाम को लेकर श्रद्धालुओं में गहरी धार्मिक आस्था है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यहां स्थापित शिवलिंग का संबंध भगवान चंद्रमा की तपस्या और भगवान शिव की आराधना से जुड़ा है।

मंदिर के महंत रविशंकर गिरि के अनुसार, ह्लचंद्रमा ने अपने क्षय रोग (श्राप) से मुक्ति पाने के लिए महर्षि अगस्त्य की प्रेरणा से यहां शिवलिंग की स्थापना कर भगवान शिव की आराधना की थी।ह्व मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना के बाद चंद्रमा को अपने श्राप से मुक्ति मिली। इसी पौराणिक प्रसंग के कारण सोमेश्वर नाथ धाम की महत्ता शिवभक्तों के बीच विशेष मानी जाती है। श्रावण मास में इस पौराणिक शिवधाम की महत्ता और बढ़ जाती है। तीसरी सोमवारी के अवसर पर जिले के विभिन्न हिस्सों के अलावा दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अरेराज पहुंचे। भक्तों ने बाबा सोमेश्वर नाथ का जलाभिषेक और विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हेलीकॉप्टर पुष्प वर्षा ने इस बार श्रावणी आयोजन को खास बना दिया। मंदिर के ऊपर मंडराते हेलीकॉप्टर से गिरती पुष्प पंखुड़ियों और नीचे उमड़े श्रद्धालुओं का दृश्य बेहद मनोहारी रहा। भक्तों ने इस दिव्य क्षण को अपने मोबाइल कैमरों में भी कैद किया। पुष्प वर्षा के दौरान श्रद्धालुओं में ऐसा उत्साह दिखा कि पूरा परिसर जयकारों से गूंजने लगा।

कोई दोनों हाथ उठाकर पुष्पों को ग्रहण करता नजर आया तो कोई बाबा सोमेश्वर नाथ का जयकारा लगाते हुए इस आध्यात्मिक क्षण का साक्षी बना। अरेराज का सोमेश्वर नाथ धाम धार्मिक आस्था के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यटन मानचित्र पर भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

बधाई हो बेटी हुई है कार्यक्रम का आयोजन, नवजात बच्चियों एवं माताओं को किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास शहरी बाल विकास परियोजना कार्यालय के तत्वावधान में सोमवार को सदर अस्पताल, चास में ह्लबधाई हो बेटी हुई है

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता एवं सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के जन्म का स्वागत करना, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बेटियों के हाथों की सुंदरता बढ़ाने के लिए केवल चूड़ियां नहीं, बल्कि कलम देना आवश्यक है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज के विकास में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बालिका शिक्षा तथा महिलाओं के अधिकारों के संबंध में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर सदर अस्पताल में जन्मी छह नवजात बच्चियों एवं उनकी माताओं को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) किट एवं बेबी किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। लाभान्वित परिवारों में सफिया परवीन, पिंसी कुमारी, नंदनी कुमारी, सानवी कुमारी सहित अन्य नवजात बच्चियों के परिवार शामिल रहे। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, सदर अस्पताल अधीक्षक एन.पी. सिंह, महिला पर्यवेक्षिका मधु सिंह, दमयंती प्रियंबदा सहित बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने धनबाद के कतरास, झरिया एवं बाघमारा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्य में किसी भी स्तर के पदाधिकारी के द्वारा उनके कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की खानापूर्ति बर्दाश्त नहीं : के. रवि कुमार

धनबाद, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने सोमवार को धनबाद जिले के कतरास, झरिया एवं बाघमारा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित निर्वाचन पदाधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर खानापूर्ति स्वीकार नहीं की

जाएगी। प्रत्येक ईआरओ, एईआरओ, अतिरिक्त एईआरओ, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता, पारदर्शिता एवं पूरी जवाबदेही के साथ निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर एसआईआर से संबंधित कार्यों में शिथिलता अथवा लापरवाही पाई जाएगी, वहां के संबंधित बीएलओ सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिया कि एसआईआर के कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही पाए जाने पर उसे गंभीरता से लेते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी एवं कर्मी को यह समझना होगा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे तथा किसी भी विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। इसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची से संबंधित तथ्यों एवं उपलब्ध अभिलेखों की गंभीरता से जांच करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को क्षेत्र में सक्रिय रहकर मतदाताओं से संपर्क बनाए रखने तथा मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं में उन्हें समुचित सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एक परिवार एवं घर के मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हों, पात्र युवा भारतीय नागरिक भी मतदाता सूची से जुड़े इस हेतु उन्हें फॉर्म 6 एवं घोषणापत्र भरने हेतु प्रेरित करें एवं किसी मतदाता को ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपने नाम, पता, उम्र आदि किसी विसंगति को ठीक करना है तो उनसे फॉर्म 8 अवश्य भरवाएं।

संक्षिप्त समाचार

भारत में बॉर्डर और शहरी इलाकों में एंटी-ड्रोन पेट्रोलिंग की शुरूआत

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। इंद्रजाल रेंजर को गृह मंत्रालय से लगभग 155 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले हैं। इनमें रुपए145 करोड़ का ऑर्डर बॉर्डर सिक्योरिटी और लगभग रुपए 10 करोड़ का अर्बन पुलिस ऑर्डर वीवीआईपी सुरक्षा और शहरी सुरक्षा के लिए है। इंद्रजाल रेंजर एक खास तौर पर तैयार किया गया एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है, जो चलते हुए रोग ड्रोन्स को डिटेक्ट, ट्रैक, आइडेंटिफाई और काउंटर करने में सक्षम है। इसे बॉर्डर, वीवीआईपी रूट्स, सार्वजनिक आयोजनों, एयरपोर्ट्स और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए मोबाइल काउंटर-यूएएस प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। रेंजर में स्काई-ओएस के जरिए एडवांस्ड सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंसर फ्यूजन, कमांड एंड कंट्रोल और कई स्तरों वाले काउंटरमेजर्स को एकीकृत किया गया है। इसकी तीन प्रमुख सुरक्षा क्षमताएं हैं—रिट्रैक्टर, लक्ष्मण रेखा और नेट इंटरसेप्टर।इंद्रजाल रेंजर भारत का एकमात्र एआरडीटीसी से अप्रूव्ड एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है। इसे सरकारी मूल्यांकन के जरिए ऑपरेशनल स्तर पर मान्यता मिल चुकी है और गृह मंत्रालय ने भी इसे चुना है। इन तैनातियों से बॉर्डर सिक्योरिटी और शहरी पुलिसिंग में एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल्स की एक नई ऑपरेशनल लेयर के उभरने का संकेत मिलता है। यह प्रोग्राम आत्मनिर्भर भारत के विजन को भी मजबूत करता है और भारतीय डिफेंस टेक्नोलॉजी को ऑपरेशनल स्तर पर इस्तेमाल करने की क्षमता को दशार्ता है।

तृतीय सोमवारी पर समस्तीपुर के विधापति धाम, थानेश्वर व खुदनेश्वर मंदिर में लाखों श्रद्वालुओं ने किया जलाभिषेक

समस्तीपुर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में सावन माह की तृतीय सोमवारी को लेकर आज सुबह से ही विभिन्न शिवालयों एवं मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्वालुओं की भीड़ देखी जा रही है। जिले के प्रसिद्ध हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक मोरबा स्थित खुदनेश्वर धाम, विधापतिनगर स्थित भगवान एवं भक्त के संगम स्थल विधापतिधाम और शहर के प्रसिद्ध थानेश्वर मंदिर में लाखों श्रद्वालुओं ने जलाभिषेक किया। इधर समस्तीपुर के अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार स्वयं मंदिरों एवं शिवालयों में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लेने के लिए कैम्प कर रहे है। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दंडाधिकारियों के नेतृत्व में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय और तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के बाबा भोलेनाथ का दर्शन एवं जलाभिषेक कर सकें।

सड़क दुघर्टना में एक व्यक्ति की मौत

छपरा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार में सारण जिले के नगरा थाना क्षेत्र में सड़क दुघर्टना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अरवा गांव निवासी योगेन्द्र शर्मा(55) अपने घर के समीप सड़क पार कर रहा था।उसी दौरान वहां से गुजर रहे अज्ञात तेज रफ्तार अनियंत्रित मोटरसाइकिल सवार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।जिसे परिजन इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने के साथ ही मृतक के परिजनों से मिले आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुघर्टना में दो भाईयों की मौत

सुपौल, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक कुंदन कुमार (20) और अखिलेश कुमार (24)मोटरसाइकिल द्वारा किसी कार्य से सुपौल जा रहे थे ।इस दौरान लौढ़ पंचायत के सरही मलिकाना टोला के समीप किसी अज्ञात चार पहिया ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी ।इस हादसे में अखिलेश कुमार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि कुंदन कुमार की मौत सदर अस्पताल ले जाते समय हो गया ।

तीसरी सोमवारी पर एकमा व आसपास के शिवालयों में जलाभिषेक हेतु उमड़े श्रद्धालु

एकमा (सारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भगवान शिव को प्रिय सावन माह की तीसरी सोमवारी के अवसर पर नगर पंचायत एकमा बाजार सहित ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में अभिषेक हेतु श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी। शिव भक्तों ने शिवालयों में पहुंच कर जलाभिषेक व पूजा-अर्चना किया।

इस दौरान गंगा जल, दूध, अक्षत, रोली, चंदन, विल्वपत्र, भांग, धतूरा व नैवैद्य अर्पित किया गया। प्रखंड मुख्यालय स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक के अलावा श्रद्धालु भक्तों द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। मोहब्बत नाथ के मठिया, एकमा स्थित मौज बाबा के मठिया, परसागढ, नवादा, रसूलपुर, आमडाढ़ी-कर्णपुरा, रसूलपुर, भरहोपुर मठिया, खानपुर, गौसपुर, नचाप, मुबारकपुर, पचुआ, विशुनपुरा कला, भरहोपुर, परसागढ़, फुचटी कला, टेघरा, नरवन, महम्मदपुर आदि स्थानों पर स्थित शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। महिलाओं व कन्याओं ने सावन के सोमवार का व्रत रख कर शिव-पार्वती की उपासना की।

घर पर प्रसव की पुरानी सोच बदली : अब अस्पताल पर भरोसा, महिलाओं ने चुना सुरक्षित मातृत्व

छपरा (सारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता । एक समय था जब मैनपुरा गांव में प्रसव को लेकर परिवारों की पहली पसंद घर ही हुआ करता था। स्वास्थ्य केंद्र तक जाने में झिझक, सरकारी अस्पताल में सुविधा नहीं होने की धारणा और वर्षों से चली आ रही सामाजिक मान्यताओं के कारण कई महिलाएं घर पर ही बच्चे को जन्म देती थीं। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। गांव की महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और संस्थागत प्रसव को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। अब महिलाएं कह रही हैं कि प्रसव घर की चारदीवारी में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थान में ही सुरक्षित है। रिविलगंज प्रखंड के मैनपुरा गांव में आयोजित सामुदायिक बैठक में सामने आए संवाद ने इस बदलाव की कहानी को उजागर किया। बैठक में महिलाओं ने एक स्वर में बताया कि अब गांव की कोई भी महिला प्रसव के लिए घर को प्राथमिकता नहीं देती। जरूरत पड़ने पर वे स्वास्थ्य केंद्र जाती हैं और मां-बच्चे की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखती हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे आशा कार्यकताओं, आशा संगिनी, जीविका समूह, स्वास्थ्य विभाग, पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म (ढरढ) के सदस्यों और समुदाय के बीच लगातार संवाद का असर दिखाई देता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बिरम परसा में हुई बैठक में कुल 46 लोगों ने भाग लिया। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। इस दौरान केवल स्वास्थ्य विभाग की जानकारी नहीं दी गई, बल्कि महिलाओं ने अपनी पुरानी धारणाओं, शिकायतों और आशंकाओं को खुलकर सामने रखा।

पहले घर था विकल्प, अब अस्पताल बना भरोसा

बैठक में महिलाओं ने बताया कि कुछ वर्ष पहले गांव में प्रसव घर पर होना सामान्य बात मानी जाती थी। इसके पीछे एक बड़ा कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जानकारी का अभाव था। कई परिवारों को यह पता ही नहीं था कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के साथ कई सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। धीरे-धीरे आशा कार्यकताओं और स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव और प्रसव के दौरान संभावित जटिलताओं के बारे में जानकारी मिलने लगी। इससे परिवारों की सोच बदली। अब महिलाओं का कहना है कि अस्पताल में प्रसव होने पर यदि अचानक किसी तरह की जटिलता सामने आती है तो प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और चिकित्सक तत्काल उपचार कर सकते हैं। यही भरोसा उन्हें घर की बजाय अस्पताल तक लेकर जा रहा है।

ग्रामीण महिला की आवाज

पहले जानकारी कम थी, इसलिए घर पर ही प्रसव करा लेते थे। अब हम जानते हैं कि अस्पताल में मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा ज्यादा होती है। गर्भ की जांच से लेकर प्रसव और बच्चे के टीकाकरण तक सुविधा मिलती है। इसलिए अब गांव में कोई भी महिला घर पर प्रसव कराने को सही नहीं मानती। उर्मिला देवी, मैनपुरा गांव

सिर्फ सुविधा नहीं, सोच में आया बदलाव

मैनपुरा की कहानी केवल स्वास्थ्य सुविधा बढ़ने की कहानी नहीं है। यह सामुदायिक सोच में बदलाव की कहानी भी है। पहले गर्भावस्था और प्रसव को घर की निजी व्यवस्था का हिस्सा मानने वाली महिलाएं अब इसे स्वास्थ्य का विषय मानकर चिकित्सकीय निगरानी को जरूरी समझ रही हैं। गर्भवती महिला को कब जांच करानी है, कौन-सा टीका जरूरी है, प्रसव कहां होना चाहिए और खतरे के संकेत मिलने पर क्या करना है इन सवालों को लेकर अब समुदाय में अधिक जानकारी है। यही जागरूकता उस समय महत्वपूर्ण साबित होती है, जब प्रसव के दौरान अचानक रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप, बच्चे की स्थिति से जुड़ी जटिलता या अन्य समस्या सामने आती है।

पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म के सदस्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण

इस बदलाव में पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म (ढरढ) के सदस्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। सामुदायिक बैठक में प्लेटफॉर्म के सदस्यों ने महिलाओं और स्वास्थ्य विभाग के बीच संवाद का माध्यम बनकर काम किया। उन्होंने समुदाय में संस्थागत प्रसव को लेकर मौजूद अनुभवों, समस्याओं और भ्रांतियों को सामने रखा तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी वास्तविक स्थिति पर चर्चा की। खासकर सरकारी अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं, प्रसव के दौरान होने वाली परेशानियों, घर पर एक समय था जब मैनपुरा गांव में प्रसव को लेकर परिवारों की पहली पसंद घर ही हुआ करता था। स्वास्थ्य केंद्र तक जाने में झिझक, सरकारी अस्पताल में सुविधा नहीं होने की धारणा और वर्षों से चली आ रही सामाजिक मान्यताओं के कारण कई महिलाएं घर पर ही बच्चे को जन्म देती थीं। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। गांव की महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और संस्थागत प्रसव को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। अब महिलाएं कह रही हैं कि प्रसव घर की चारदीवारी में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थान में ही सुरक्षित है। रिविलगंज प्रखंड के मैनपुरा गांव में आयोजित सामुदायिक बैठक में सामने आए संवाद ने इस बदलाव की कहानी को उजागर किया। बैठक में महिलाओं ने एक स्वर में बताया कि अब गांव की कोई भी महिला प्रसव के लिए घर को प्राथमिकता नहीं देती। जरूरत पड़ने पर वे स्वास्थ्य केंद्र जाती हैं और मां-बच्चे की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखती हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे आशा कार्यकताओं, आशा संगिनी, जीविका समूह, स्वास्थ्य विभाग, पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म (ढरढ) के सदस्यों और समुदाय के बीच लगातार संवाद का असर दिखाई देता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बिरम परसा में हुई बैठक में कुल 46 लोगों ने भाग लिया। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। इस दौरान केवल स्वास्थ्य विभाग की जानकारी नहीं दी गई, बल्कि महिलाओं ने अपनी पुरानी धारणाओं, शिकायतों और आशंकाओं को खुलकर सामने रखा।

पहले घर था विकल्प, अब अस्पताल बना भरोसा

बैठक में महिलाओं ने बताया कि कुछ वर्ष पहले गांव में प्रसव घर पर होना सामान्य बात मानी जाती थी। इसके पीछे एक बड़ा कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जानकारी का अभाव था। कई परिवारों को यह पता ही नहीं था कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के साथ कई सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।धीरे-धीरे आशा कार्यकताओं और स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव और प्रसव के दौरान संभावित जटिलताओं के बारे में जानकारी मिलने लगी। इससे परिवारों की सोच बदली।

बीएसएल प्रदान कर रहा बैद्यनाथ धाम में कांवरियों को प्राथमिक चिकित्सा सेवा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा बैद्यनाथ धाम (देवघर) में लगने वाले श्रावणी मेले में कांवरियों की निस्वार्थ सेवा हेतु पिछले ढाई दशकों से निरंतर प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के तहत पिरामल स्वास्थ्य द्वारा संचालित मेडिकल मोबाइल यूनिट ह्लइस्पात संजीवनीह्व (चिकित्साकर्मियों एवं स्वयंसेवियों का दल) देवघर स्थित बोकारो इस्पात धर्मशाला में रहकर कांवरियों को प्राथमिक चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ करा रही है।

इस्पात संजीवनी की समर्पित टीम में शामिल मेडिकल कंसल्टेंट, परिचारिका, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन तथा बैद्यनाथ सेवा ट्रस्ट के स्वयंसेवक लगातार कांवरियों के प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य देखभाल में मुस्तैदी से

जुटे हुए हैं। बोकारो इस्पात धर्मशाला में उक्त टीम द्वारा अब तक सैकड़ों कांवरियों एवं श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा, आवश्यक औषधियाँ तथा अन्य आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएँ सफलतापूर्वक उपलब्ध कराई गई है जो आगे भी जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि विगत 03 अगस्त 2026 को बोकारो इस्पात संयंत्र के इस्पात भवन परिसर से इस मेडिकल टीम को हरी झंडी दिखाकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना किया गया था।

यह टीम पूरे श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित रहेगी। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सामाजिक प्रतिबद्धता, जन-कल्याण तथा सुदूर क्षेत्रों में निस्वार्थ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की उत्कृष्ट भावना को रेखांकित करता है।

चिड़का धाम में सावन की तीसरी सोमवारी पर उमड़ी भीड़

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बांग्ला सावन की आखिरी सोमवारी को लेकर रविवार देर रात दामोदर नदी से बंगाल के चिड़का धाम स्थित बाबा गौरीनाथ को जल अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ धनबाद-पुरुलिया मुख्य मार्ग पर उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में शिवभक्त दामोदर नदी से जल उठाकर पैदल चिड़का धाम की ओर रवाना हुए। हर ओर बोल बम के जयकारे गूंजते रहे और सड़क पर श्रद्धालुओं की लंबी कतार दिखाई दी। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दामोदर नदी से जल लेकर हजारों की संख्या में शिवभक्त पैदल ही चिड़का धाम की ओर बढ़ते नजर आए। पूरे मार्ग में बोल बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। हालांकि, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पुलिस-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी उठने लगे। नेशनल हाईवे पर एक ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल चल रहे थे, वहीं दूसरी ओर इसी मार्ग से बड़े और भारी वाहन लगातार गुजर रहे थे। भीड़ को नियंत्रित करने तथा भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए पर्याप्त पुलिस बल और ट्रैफिक व्यवस्था नजर नहीं आने से श्रद्धालुओं में चिंता देखी गई। गौरतलब है कि महज दो दिन पहले इसी मार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चार युवकों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। ऐसे में सावन की आखिरी सोमवारी के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। सड़क पर श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे लोगों और स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि प्रशासन को पहले से जानकारी थी कि आखिरी सोमवारी पर इस मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुजरेंगे। इसके बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। ऐसे में बड़ा सवाल है कि जब श्रद्धालुओं की भीड़ का अनुमान पहले से था और हाल ही में इसी मार्ग पर चार लोगों की जान जा चुकी थी, तो उनकी सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए?

कांवरिया मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दामोदर नदी से जल लेकर बाबा गौरीनाथ के दर्शन को निकले हजारों शिवभक्त

जलापूर्ति संकट को लेकर विधायक राज सिन्हा ने माडा सचिव से की वार्ता

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में व्याप्त गंभीर जलापूर्ति संकट को लेकर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह विधायक राज सिन्हा ने माडा कार्यालय पहुंचकर माडा सचिव प्रकाश कुमार एवं संबंधित पदाधिकारियों से विस्तृत वार्ता की। विधायक ने केंदुआ, करकेंद, गोधर, गंशाडीह, केंदुआ बाजार, केंदुआ पांच नंबर, कठगोला, मैरीन, करकेंद पासीधौड़ा सहित विधानसभा क्षेत्र के अन्य इलाकों में नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। श्री सिन्हा ने अधिकारियों से कहा कि गर्मी एवं उमस के इस दौर में पेयजल लोगों की मूलभूत आवश्यकता है। जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही से आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने खराब पाइपलाइन, तकनीकी खराबी, मोटर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की। साथ ही जिन क्षेत्रों में आपूर्ति बाधित है वहां युद्धस्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था से पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विधायक की कल तक मोटर दुरुस्त कर पेयजल सुचारू करने की मांग पर माडा सचिव प्रकाश कुमार ने सहमति जताते हुए क्षेत्र में काम शुरू कराने का तत्काल निर्देश दिया।

130 नए बच्चों को प्रायोजन योजना से जोड़ने का अनुमोदन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, प्रायोजन एवं पालक देखरेख अनुमोदन समिति अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) योजना के तहत लाभुक बच्चों को दी जा रही सहायता राशि, लंबित भुगतान, नए आवेदनों एवं विशेष मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जनवरी 2026 तक 116 बच्चों को प्रायोजन योजना का लाभ प्रदान किया गया है। वहीं 284 बच्चों को फरवरी 2026 तक तथा इनमें से 23 बच्चों को मार्च 2026 तक का प्रायोजन लाभ उपलब्ध कराया गया है। आवंटन की अनुपलब्धता के कारण शेष भुगतान लंबित है। वहीं, 470 बच्चों को पूर्व से योजना का लाभ दिया जा रहा है। बैठक में 130 नए आवेदनों की दस्तावेजीय जांच एवं सामाजिक अन्वेषण (सोशल इन्वेस्टिगेशन) की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई। हालांकि समीक्षा के क्रम में कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी एवं पात्रता संबंधी शर्तों के अनुरूप अभिलेख उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित आवेदनों पर निर्णय स्थगित रखा गया। समिति ने आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने के उपरांत नियमानुसार आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) के माध्यम से प्राप्त 06 आवेदनों तथा एचआईवी प्रभावित बच्चों से संबंधित 03 आवेदनों पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा के दौरान झारखंड बाल प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) दिशानिर्देश-2018 एवं मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका-2022 के प्रावधानों पर चर्चा की गई। समिति को बताया गया कि झारखंड बाल प्रायोजन दिशानिर्देश-2018 के अनुसार लाभुक परिवार की कुल वार्षिक आय 75 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका-2022 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के लिए वार्षिक आय सीमा 72 हजार रुपये तथा शहरी क्षेत्र के लिए 96 हजार रुपये निर्धारित है। इस संबंध में उपायुक्त सह अध्यक्ष ने राज्य सरकार से प्राप्त होने वाले मार्गदर्शन के अनुरूप आगे की कार्रवाई की बात कहीं।

दुर्घटना में अनाथ हुए बच्चों को योजना से जोड़ने की स्वीकृति

बैठक में चंदनकियारी के दूबे काटा मोड़ के समीप हुई सड़क दुर्घटना में मृत दंपति के पुत्र विद्युत मांझी एवं विमल मांझी को प्रायोजन योजना से लाभान्वित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बालीडीह के जियाडा क्षेत्र में हुई दुर्घटना में मृतक के बच्चों शिवानी कुमारी एवं सौरव कुमार को भी योजना के तहत लाभ प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी पात्र बच्चों को समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, बाल संरक्षण पदाधिकारी अनिता झा, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष, सदस्यगण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पिंड्राजोड़ा में सड़क हादसा, दो कांवरिए घायल

एक गिरिडीह तो दूसरा धनबाद का रहने वाला है घायल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के जीजीईएस कॉलेज कांड्रा गेट के पास सड़क हादसे में दो कांवरिए घायल हो गए। घायलों

की पहचान गिरिडीह निवासी रॉकी और धनबाद के कतरास निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों चिड़का धाम में जल चढ़ाने के बाद बाइक से अपने घर धनबाद और गिरिडीह लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, कॉलेज गेट के समीप सड़क पर बड़ी संख्या में मवेशी बैठे थे। इसी दौरान तेज गति से एक ट्रक वहां से गुजरा। ट्रक को देखकर मवेशी अचानक भड़क गए और सड़क पर इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच बाइक से आ रहे दोनों कांवरियों की टक्कर मवेशियों से हो गई। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और बेहतर झारखंड की टीम ने दोनों घायलों की मदद की। उन्हें तत्काल मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी और तेज रफ्तार वाहनों को लेकर चिंता जताई है।

डॉ. प्रदीप वर्मा को भाजपा की राष्ट्रीय टीम में मंत्री नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार झारखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा को भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में मंत्री नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ. प्रदीप वर्मा के अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा। उनके राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से झारखंड भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह का माहौल है। बधाई देने वालों में भाजपा बोकारो जिला महामंत्री संजय सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार, जिला कोषाध्यक्ष रवि शंकर जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रहलाद महतो, शांति लाल जैन, असित बनर्जी, सुधीर कुमार सिन्हा, लाल बाबू शर्मा, लाल मोहन नायक, मनोज ठाकुर, पंकज सिन्हा, नागेश्वर सिंह पिंटू एवं राजेश प्रसाद, अमर ज्योति बनर्जी, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं। सभी ने डॉ. प्रदीप वर्मा के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

जिला परिषद के वेब पोर्टल और सीएससी सेंटर का शुभारंभ

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डिजिटल भारत की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए जिला परिषद ने अपनी आधिकारिक वेब पोर्टल और सीएसी सेंटर का शुभारंभ किया। जिला परिषद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने फीता काटकर पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सहित जिला परिषद के सभी कर्मचारी उपस्थित थे। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि जिला परिषद के इतिहास में यह पहली बार है जब सभी सेवाओं और सूचनाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया है। पहले नागरिकों को छोटी-छोटी जानकारी के लिए भी कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। नए पोर्टल के माध्यम से अब आम नागरिक निम्न जानकारियां ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे । दुकानों के किराए से संबंधित विवरण,टेंडर एवं निविदाओं की सूचना,विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ,सरकारी योजनाओं की जानकारी,जिला परिषद से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं इसके माध्यम से मिलेगा। श्रीमती सिंह ने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से जिला परिषद की सेवाओं को पारदर्शी, सुलभ एवं जनहितकारी बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इससे कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। यह कदम जिला परिषद को आधुनिक व्यवस्था की ओर ले जाएगा। सीएससी सेंटर शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी पोर्टल की सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि तकनीक के जरिए जनता को त्वरित और पारदर्शी सेवा मिले। अब जिला परिषद भी डिजिटल युग के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी।

बाबा दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि मनाई गई

बाघमारा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाघमारा प्रखंड अंतर्गत कतरास अंचल के वार्ड संख्या-5 स्थित लाल धौड़ा में आज पहाड़तोड़ बाबा दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन (बीसीसीएल) के जोनल उपाध्यक्ष सह झामुमो वरीय नेता रतिलाल टुडू शामिल हुए। श्री टुडू ने बाबा दशरथ मांझी के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने बाबा के संघर्षपूर्ण जीवन और अदम्य इच्छाशक्ति को याद करते हुए कहा दशरथ मांझी का जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और संकल्प के सामने बड़ी से बड़ी कठिनाई भी छोटी पड़ जाती है। उन्होंने अपने परिश्रम से समाज के लिए ऐसी मिसाल कायम की जिसे आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी।

स्वतंत्रता दिवस पर संस्कार केंद्र के बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय संस्कृति ज्ञान मंदिर संस्था के तत्वावधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी, बोकारो द्वारा सेक्टर-9 के समीप बैधमारा बस्ती में संचालित संस्कार केंद्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के साथ जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण कर शिक्षा और संस्कार का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्कृति ज्ञान मंदिर संस्था के अध्यक्ष हरिमोहन झा ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद संस्कार केंद्र में अध्ययनरत बच्चों के बीच मिठाई, कॉपी, पेंसिल, इरेजर, शार्पनर सहित अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री वितरित की गई। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष हरिमोहन झा ने कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9/डी के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति एवं संस्कार से जोड़ना है, ताकि अभाव के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान मंदिर संस्था के मार्गदर्शन में विद्यालय द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन प्रयासों के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा एवं संस्कार से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। संस्था के सचिव सिद्धेश नारायण दास ने कहा कि संस्था समाज के जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों की शिक्षा, संस्कार तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लगातार प्रयासरत है। भविष्य में भी ऐसे कार्यों को और व्यापक रूप देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था के कोषाध्यक्ष सह कार्यालय प्रमुख संजीव कुमार, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी के उपाध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह, सरस्वती विद्या मंदिर 3सी के सचिव राजकुमार सिंह, संस्कार केंद्र के शिक्षक महेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जीजीएसईएसटीसी में नशा मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम

वक्ताओं ने विद्यार्थी और युवाओं को नशीली दवा एवं मादक पदार्थों से दूर रहने की दी नसीहत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जीजीएसईएसटीसी में नशा मुक्त भारत विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशीली दवाओं, मादक पदार्थों तथा नशे की लत के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के सहयोग से 10 करोड़ नशा-मुक्ति संकल्प महाअभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक, डॉ. प्रियदर्शी जरुहार के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए एक नशा-मुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक जागरूकता एवं जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ. शफाक जहीर, समन्वयक, कम्युनिकेशन सब-सेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ए. पी. बर्नवाल, विभागाध्यक्ष, बीएसएच के कुशल समन्वय एवं मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय से बी.के. मनोज, बी.के. मीरा दीदी, बी.के. उषा दीदी एवं बी.के. अलख की गरिमामयी उपस्थिति रही। बी.के. मनोज ने अभियान के दृष्टिकोण, उद्देश्य एवं मिशन का परिचय देते हुए संस्था द्वारा एक स्वस्थ एवं नशा-मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और पहलों की जानकारी दी। बी.के. मीरा दीदी ने विद्यार्थियों को नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों के सेवन के गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जागरूक एवं जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात उन्होंने एक संक्षिप्त ध्यान सत्र भी आयोजित किया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को आंतरिक शांति, आत्म-जागरूकता एवं मानसिक शक्ति के महत्व का अनुभव कराया गया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण चरण नशा-मुक्ति संकल्प था, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने स्वयं को नशीले पदार्थों एवं सभी प्रकार के मादक पदार्थों से दूर रखने तथा दूसरों में भी नशा-मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। यह संकल्प इस बात का सशक्त संदेश था कि नशे की रोकथाम की शुरूआत व्यक्तिगत जागरूकता, दृढ़ संकल्प एवं जिम्मेदार निर्णयों से होती है। जीजीईएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव एस. पी. सिंह जी ने विद्यार्थियों को नशे एवं सभी प्रकार के मादक पदार्थों से मुक्त रहने का संकल्प लेने पर बधाई दी।

साइबर अपराध के खिलाफ धनबाद पुलिस ने किया जागरूकता पुस्तक का विमोचन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। साइबर अपराध के बढ़ते खतरे के बीच धनबाद पुलिस ने आम लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान की शुरूआत की। सोमवार को पुलिस केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ यह विशेष अभियान 17 से 21 अगस्त तक चलेगा। अभियान के दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न माध्यमों से लोगों को साइबर अपराध के तौर-तरीकों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से धनबाद पुलिस द्वारा तैयार की गई विशेष जागरूकता पुस्तक का विमोचन उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस पुस्तक को आम लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों के बीच साइबर सुरक्षा की समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। कॉमिक के तर्ज पर तैयार की गई यह पुस्तक युवाओं, महलाओ खासकर बच्चो को काफी पसंद आ रही है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर डीएफओ विकास पालीवाल, रेल एसपी धनबाद मोमल राजपुरोहित, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, डालसा के सचिव मयंक तुषार टोपनो, धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, फेडरेशन ऑफ जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका एवं सचिव अजय नारायण लाल समेत जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ और थाना प्रभारी मौजूद थे। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं और शिक्षक भी शामिल हुए। साइबर सुरक्षा पर आधारित जागरूकता पुस्तक के विमोचन के बाद एलईडी स्क्रीन से लैस दो प्रचार वाहनों को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में घूमकर वीडियो संदेशों के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर होर्डिंग और फ्लेक्स लगाए गए हैं। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। साइबर जागरूकता अभियान को व्यापक बनाने के लिए आइनॉक्स मल्टीप्लेक्स के बड़े स्क्रीन पर भी अगले एक महीने तक सभी शो के दौरान साइबर सुरक्षा से जुड़े वीडियो संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने धनबाद पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। उन्होंने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि धनबाद पुलिस द्वारा तैयार की गई साइबर जागरूकता पुस्तक जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को साइबर अपराध और उससे बचाव के बारे में जानकारी दी जा सके। सभी सरकारी विद्यालयों में एक साइबर मित्र नियुक्त करने की दिशा में भी पहल की जाएगी जो अन्य विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में योगदान देंगे। उपायुक्त ने कहा कि राज्य शिक्षा विभाग के सहयोग से इस पुस्तक को राज्य के सभी करीब 35 हजार सरकारी विद्यालयों तक पहुंचाने के लिए अनुरोध किया जाएगा ताकि सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान भी विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके।

बीएसएल के विस्थापितों के विभिन्न मुद्दों को लेकर बैठक आयोजित

37,499 विस्थापित परिवारों को दिए गए नियोजन का विस्तृत ब्योरा उपलब्ध कराने का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बीएसएल प्रबंधन एवं अप्रेंटिस विस्थापित संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, उप निदेशक जनसंपर्क रवि कुमार, श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, अंचल अधिकारी रामसेवक राम, कार्यपालक दंडाधिकारी, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित बीएसएल प्रबंधन की ओर से सीजीएम (टाउनशिप) कुंदन कुमार एवं संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन सभी पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कर समस्याओं के समाधान के लिए सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यपरक तरीके से परीक्षण किया जाएगा। बैठक के दौरान डीपीएलआर, बीएसएल प्रबंधन एवं संघ द्वारा प्रस्तुत नियोजन संबंधी आंकड़ों में विरोधाभास सामने आया। इस पर उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि कुल 37,499 प्रभावित विस्थापित परिवारों में से कितने परिवारों के सदस्यों को नियोजन दिया गया है, इसका विस्तृत प्रतिवेदन एवं सूची आगामी 05 सितंबर तक उपलब्ध कराई जाए। उपायुक्त ने डीपीएलआर को निर्देश दिया कि नियोजन प्राप्त विस्थापित परिवारों की सूची ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं में से कितनों को नियोजन मिला है, इसकी स्पष्ट एवं अद्यतन सूची भी तैयार की जाए। उन्होंने श्रम अधीक्षक को भी विभिन्न बिंदुओं पर अपना प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। वहीं, शेष प्रशिक्षित युवाओं के नियोजन के लिए बीएसएल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करने तथा इस संबंध में मुख्यालय स्तर पर आवश्यक पत्राचार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से तथ्यों को पारदर्शी ढंग से प्रस्तुत करने को कहा, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। साथ ही, बीएसएल प्रबंधन से विस्थापितों की समस्याओं एवं भावनाओं को समझते हुए सभी बिंदुओं पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। बैठक में 19 ऐसे गांवों का मुद्दा भी उठाया गया, जिन्हें अब तक पंचायत का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार को इस संबंध में पत्राचार किया जा चुका है तथा इस विषय पर शीघ्र निर्णय आने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, बीएसएल प्रबंधन द्वारा विस्थापितों के लिए आरक्षित कार्यों एवं उनकी हिस्सेदारी के अनुपालन के विषय पर भी चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी पक्षों ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे तथा समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल और आपसी सहयोग बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com